हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, रविवार 28 दिसंबर 2025

सीएम डॉ. यादव ने विकास कार्यों का किया लोकार्पण

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सलमान ने मनाया 60वां जन्मदिन, पहुंचे कई दिग्गज

मुंबई। एक्टर सलमान खान ने 60वां जन्मदिन मनाया। उनका बर्थडे शुक्रवार देर रात पनवेल स्थित फॉर्म हाउस पर मनाया गया। इसमें क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी पहुंचे। पार्टी में परिवार के अलावा संजय दत्त, संगीता बिजलानी और करिश्मा कपूर समेत कई सेलिब्रिटी शामिल हुए। सलमान ने आधी रात को फॉर्महाउस के बाहर केक काटा।

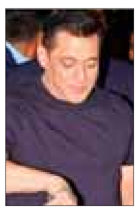

जीडीपी 7.4% तक रहने का अनुमान

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2026 में भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ने की राह पर है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस वर्ष देश की जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जिसके पीछे बिजली की मांग में इजाफा, खनन और निर्माण गतिविधियों में विस्तार तथा त्योहारी सीजन के दौरान उपभोक्ता खपत में बढ़ोतरी प्रमुख कारण हैं।

अब न्यू ईयर तक तेज सर्दी का दौर

प्रदेश में पहली बार पारा 3 डिग्री के नीचे

मंदसौर 2.9...भोपाल 4.6 डिग्री

रायसेन किले से ली गई तस्वीर

6 जिलों में पारा 5 डिग्री से कम, 7 जिलों में कोल्ड वेव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेशभर में सर्दी के तेवर शनिवार से फिर तीखे हो गए हैं। यह तेवर अब इस साल यानि अगले तीन दिन कम नहीं होंगे।

एक जनवरी 2026 से सर्दी में और बढ़त हो सकती है। शनिवार को करीब एक सप्ताह बाद भोपाल में रात का पारा 6 डिग्री से नीचे आया है, जबकि प्रदेश में सीजन में पहली बार 3 डिग्री से कम दर्ज हुआ है। भोपाल में इससे पहले 20 दिसंबर को न्यूनतम पारा 6.2 डिग्री रहा, जबकि शनिवार को 4.6 डिग्री रहा है। यह नॉर्मल से 6.1 डिग्री कम है। यहां तीव्र शीतलहर का असर रहा है। बर्फीली हवाओं के असर से भोपाल सहित 7 जिलों में कोल्ड वेव रही, जबकि सबसे ठंडे रहे मंदसौर में पत्तियों पर पानी की बूंदें जम गई हैं। पचमढ़ी में पारा 4.8 रहा।

पहाड़ों पर बर्फबारी के साथ प्रदेश में और बढ़ेगी सर्दी

> प्रदेश के मंदसौर में सीजन में पहली बार पारा 2.9 डिग्री, गिरवर (शाजापुर) 3.1, कल्याणपुर (शहडोल) 3.2, राजगढ़ 3.8, भोपाल-नौगांव (छतरपुर) में पारा 4.6 और पचमढ़ी में 4.8 डिग्री पर दर्ज

तीन दिन तेज सर्दी और कोल्ड वेव का रहेगा असर

एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय, नया डब्ल्यूडी 30 दिसंबर को एक्टिव होगा

भोपाल की शीतलदास की बगिया से लिया गया छोटे तालाब का दृश्य

भोपाल और राजगढ़ में सीवियर कोल्ड वेव

मौसम केंद्र के अनुसार अगले दो दिन सर्दी में तेजी और कोल्ड वेव के साथ कोहरे का असर बढ़ेगा। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार एक पश्चिमी विक्षोभ शनिवार को सक्रिय हुआ है, जिससे हवाएं पूरी तरह उत्तरी हो गई हैं। इससे सर्दी बढ़ी है। एक नया डब्ल्यूडी 30 दिसंबर को हिमालय क्षेत्र में सक्रिय होगा।

दो दिन कोल्ड वेव के साथ घना कोहरा

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार रविवार और सोमवार को कुछ जिलों में कोल्ड वेव के साथ घने से मध्यम कोहरा रहेगा। इनमें भोपाल, सीहोर, राजगढ़, इंदौर, शाजापुर, मंदसौर, अनूपपुर, शहडोल, सिवनी में कोल्ड वेव का असर रहेगा।

तापमान के प्रमुख रिकॉर्ड

- **कल्याणपुर (शहडोल)** दिसंबर 2025 में न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का सबसे कम था
- **पचमढ़ी (नर्मदापुरम)** दिसंबर 2024 में 1.9 डिग्री सेल्सियस तक तापमान गिरा जो राज्य के हिल स्टेशन के लिए एक रिकॉर्ड था।
- **उमरिया:** दिसंबर 2025 में 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो देश में सबसे कम था
- **भोपाल:** दिसंबर 2024 में 3.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो 58 साल का रिकॉर्ड था
- **उज्जैन:** 28 दिसंबर 1968 और 29 दिसंबर 1983 को न्यूनतम तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस रहा
- **जबलपुर:** 28 दिसंबर 1902 को रात का तापमान 0.6 डिग्री सेल्सियस था, जो ओवरऑल रिकॉर्ड है
- **इंदौर:** 27 दिसंबर 1936 को सबसे कम तापमान 1.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सतना में कहा

चित्रकूट को बनाएंगे भव्य और दिव्य धाम

> सतना विमानतल की एयरस्ट्रिप की लंबाई बढ़ाकर 1800 मीटर तक की जाएगी

सीएम ने कुदाली चलाकर किया भूमि पूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम ने सतना के पास चित्रकूट धाम में 11 वर्ष गुजारे थे। राज्य सरकार चित्रकूट धाम सहित सतना जिले के विकास के लिए संकल्पित है। राज्य सरकार चित्रकूट को भव्य और दिव्य धाम के रूप में विकसित करेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि सतना विमानतल की एयरस्ट्रिप की लंबाई बढ़ाकर 1800 मीटर तक की जाएगी। इससे यहां जेट विमान भी लैंड कर सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को सतना के आईएसबीटी परिसर में आयोजित लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि चित्रकूट धाम में भगवान कामता नाथ विराजे हैं। देश-दुनिया के पर्यटक मंदाकनी नदी के किनारे चित्रकूट आ रहे हैं। अयोध्या के बाद चित्रकूट का अलग ही महत्व है।

सुग्रीव की मित्रता का उदाहरण दिया

प्रभु श्रीराम के जीवन से रिश्तों की मर्यादा समझी जा सकती है। उन्होंने सुग्रीव से मित्रता करके आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। श्रीराम और श्रीकृष्ण के जीवन से मित्रता का महत्व सीखने की आवश्यकता है। राज्य सरकार सनातन संस्कृति और राष्ट्र के कल्याण कार्यों को आगे बढ़ाते हुए विरासत का संरक्षण कर रही है। सतना जिला भगवान श्रीराम की कर्मभूमि रहा है। इसलिए हमारी सरकार चित्रकूट को भव्य और दिव्य धाम के रूप में विकसित करेगी। उन्होंने कहा कि चित्रकूट धाम और शारदा माता मंदिर से सतना क्षेत्र धार्मिक पर्यटन के लिए भी अहम है। राज्य सरकार ने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हेली सेवा शुरू की है। इससे शारदा माता मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को लाभ मिल सकेगा।

अन्नदाता की समृद्धि मध्यप्रदेश की प्रगति
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
सोयाबीन भावांतर योजना
अंतर्गत
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा
3.77 लाख किसानों को ₹810 करोड़ की राशि का अंतरण
अब तक
6.44 लाख किसानों को
₹1292 करोड़ की राशि अंतरित
28 दिसम्बर, 2025
भगतसिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जावरा, जिला रतलाम
विकास और सेवा के 2 वर्ष
डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश
D-11176/25
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

जबलपुर
रविवार, 28 दिसंबर 2025
पौष मास शुक्ल पक्ष-08
वर्ष : 20, अंक : 239
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *
मौसम
अधि. 22
न्यून. 08
haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

8
अरावली के अस्तित्व पर संकट

मैट्रो
14 साल के अंतिम दिनों में ठंड दिखाएगी

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि देश लोकतंत्र संविधान और नागरिक अधिकारों के मुद्दे पर चारों तरफ से गंभीर संकट से घिरा

भाजपा-चुनाव आयोग मिले हुए, लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ साजिश है एसआईआर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

खरगे ने कहा कि मनरेगा को खत्म करना, राष्ट्रपति महात्मा गांधी का अपमान। इस योजना ने ग्रामीण भारत का चेहरा बदला।

शनिवार को नई दिल्ली में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई। इस बैठक में मनरेगा की जगह नया कानून लाने, अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति पर भी बात हुई।

साथ ही एसआईआर को लेकर भी चिंता जताई गई। कार्यसमिति की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि देश लोकतंत्र, संविधान और नागरिक अधिकारों के मुद्दे पर चारों तरफ से गंभीर संकट से घिरा है। खरगे ने मनरेगा की जगह नया कानून लाने पर भी नाराजगी जाहिर की और कहा कि मनरेगा कानून को खत्म कर करोड़ों गरीबों और कमजोर तबके के लोगों को बेसहारा कर दिया गया है। मनरेगा को खत्म करना, राष्ट्रपति महात्मा गांधी का अपमान है। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम मनरेगा को लेकर ठोस रणनीति बनाएं और इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर भी जन अभियान चलाएं।

बैठक में कांग्रेस शासित राज्यों तेलंगाना कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहे

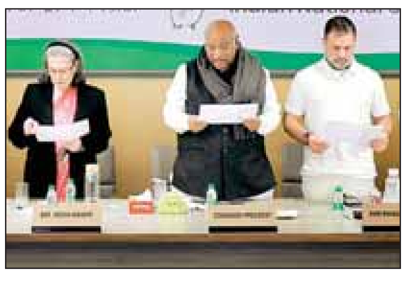

- अगले साल असम, केरल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव
- कार्यसमिति की बैठक में इन चुनावों की रणनीति पर भी चर्चा हुई
- कार्यसमिति की बैठक से पहले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी गई

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न पर जताई चिंता

कांग्रेस अध्यक्ष ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों को लेकर भी चिंता जताई गई। साथ ही क्रिसमस के मौके पर कई इलाकों में सौहार्द बिगाड़ने के मुद्दे पर भी चिंता जताई गई। बैठक में कांग्रेस शासित राज्यों- तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहे। इनके अलावा प्रदेश कांग्रेस कमेटियों के प्रमुखों ने भी बैठक में हिस्सा लिया। अगले साल असम, केरल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने हैं।

कांग्रेस सांसद ने असम सरकार को घेरा

गौरव गोगोई ने असम सीएम पर भी निशाना साधा और कहा कि हिमंत बिस्वा सरमा के राज में, रोजाना भ्रष्टाचार और कुशासन का पर्दाफाश हो रहा है। हर दिन, आप उनके कैबिनेट के किसी न किसी विधायक के बारे में गलत कारणों से खबरें देखते हैं। कभी गायों की तस्करी में शामिल, कभी जमीन खरीदने को लेकर किसी को धमकी देना, कभी अवैध रेत माफिया या कोयला माफिया से जुड़े होना, और तो और किसी की नागरिकता पर भी सवाल उठ रहे हैं।

मुरैना में पुलिस हिरासत से आरोपी गायब

भाजपा नेता ने कार से 5 लोगों को रौंद डाला, 2 की मौत हुई

- *घर के बाहर अलाव ताप रहे थे*
- *हाईवे पर 500 लोगों ने जाम लगाया*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुरैना

मुरैना जिले के पोरसा में शुक्रवार रात भाजपा नेता दीपेंद्र भदौरिया ने कार से घर के बाहर अलाव ताप रहे पांच लोगों को कुचल दिया। देर रात ग्वालियर में भर्ती दो घायलों की मौत हो गई। शनिवार दोपहर करीब 12 बजे नेशनल हाईवे पर करीब 500 से ज्यादा लोग इकट्ठा हो गए।

चक्काजाम के चलते हाईवे के दोनों तरफ जाम लग गया। मौके पर एसडीओपी रवि भदौरिया, एसडीएम रामनिवास सिकरवार, अंबाह टीआई सत्येंद्र कुशवाह पुलिस बल के साथ पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से बाइक हटाने के लिए कहा तो वे भड़क गए। समझाइश के दौरान मृतक के परिवार की एक महिला ने पोरसा टीआई दिनेश कुशवाह की कॉलर पकड़ ली। पांच घंटे बाद अधिकारियों ने आरोपी पर हत्या का केस दर्ज करने, उसका घर

आरोपी दीपेंद्र भदौरिया

बुलडोजर से तोड़ने, मृतकों के परिजनों को शस्त्र लाइसेंस देने और दोनों के परिवार को एक-एक सरकारी नौकरी देने का आश्वासन दिया। इसके बाद प्रदर्शन कारियों ने नेशनल हाईवे-552 से जाम खोल दिया। इस दौरान एसडीएम रामनिवास सिकरवार और एसडीओपी रवि भदौरिया मौजूद थे। हादसे में रामदत्त राठौर (65) और अर्णव उर्फ अन्नू लक्षकार (11) गंभीर रूप से घायल थे। हादसे में घायल कमलेश राठौर, गिर्राज राठौर और अभिषेक तोमर का इलाज जारी है। हादसे के बाद कार चला रहे आरोपी भाजपा नेता को पकड़ लिया और जमकर पीटा।

खबर संक्षेप

मगरमच्छों से जंग! डेढ़ घंटे फंसा रहा परिवार

मुरैना। चंबल सफारी के दौरान एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब कोटा का एक परिवार

मगरमच्छों से भरी चंबल नदी में डेढ़ घंटे तक फंसा रहा। अचानक आई तकनीकी खराबी या जलस्तर में बदलाव के कारण नाव नदी के बीच रुक गई। आसपास मगरमच्छों की मौजूदगी से परिवार दहशत में था। रेस्क्यू टीम ने सुरक्षित निकाला गया।

जेल ब्रेक: दो अधिकारी सहित तीन सस्पेंड

उज्जैन। खाचरोद उप जेल से भागे तीनो कैदियों का सुराग नहीं मिला। जांच के लिए पहुंचे जेल डीजी

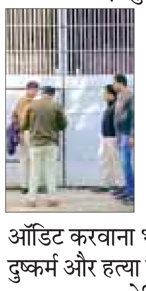

वरुण कपूर ने दो अधिकारी सहित 5तीन को सस्पेंड कर दिया। वहीं प्रदेश की सभी जेल की सिक्योरिटी ऑडिट करवाना भी तय कर दिया। दुष्कर्म और हत्या के आरोप में बंद नारायण जाट, गोविंद और गोपाल दीवार फांदकर फरार हो गए थे।

पन्ना टाइगर रिजर्व में 'खूनी संघर्ष'

तस्करों ने वनकर्मियों को कुल्हाड़ी से काटा, गार्ड-श्रमिक लहूलुहान

चार नामजद आरोपियों पर एफआईआर दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पन्ना

वनकर्मी को अस्पताल लाया गया

पन्ना टाइगर रिजर्व जिसे हम बाघों की दहाड़ और कुदरती खूबसूरती के लिए जानते हैं, वहां बीती रात कुल्हाड़ियों की खनक और चीख-पुकार ने सन्नाटा चीर दिया।

पन्ना से एक बेहद खौफनाक खबर सामने आई है, जहां जंगल की सुरक्षा करने वाले वनकर्मियों को ही जान बचाने के लाले पड़ गए। मामला गुमानगंज बीट का है, जहां आधी रात को अपनी जान हथेली पर रखकर अवैध कटाई रोकने पहुंचे बीट गार्ड दिनेश चक्रवर्ती और सुरक्षा श्रमिक चेला यादव पर मौत का साया मंडरा गया। सागौन के लालची तस्करों ने इन दोनों जांबाज वनकर्मियों को चारों तरफ से घेर लिया। लाठी-डंडों और कुल्हाड़ी से किए गए इस ताबड़तोड़ हमले में किसी का हाथ टूट गया, तो किसी की आंख के पास गहरे जख्म आए हैं।

पूर्व मंत्री दीपक जोशी की सफाई

मैंने गलतियां जरूर की हैं बेईमानी, छल-कपट नहीं

भोपाल। एक से अधिक विवाह को लेकर चर्चा में आए

■ एक से अधिक विवाह को लेकर चर्चा में आए

पूर्व मंत्री दीपक जोशी ने शनिवार को फेसबुक पर एक वीडियो अपलोड किया है। एक मिनट 28 सेकंड के वीडियो में उन्होंने कहा- यश, अपयश मनुष्य जीवन में आते-जाते रहते हैं, लेकिन मैं दावे से कह सकता हूं कि मैंने गलतियां जरूर की हैं। बेईमानी, छल या कपट नहीं किया। जिन महिलाओं ने सामान्य जीवन को सार्वजनिक किया है।

कर्नाटक के कारवार जाएंगी राष्ट्रपति

आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी पनडुब्बी की सवारी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज यानी 28 दिसंबर को

■ नेवी के कलवरी क्लास सबमरीन में यात्रा करेंगी

इंडियन नेवी के सबमरीन (पनडुब्बी) मे सवारी करेंगी। वे सबमरीन में सी-सॉर्टी करेंगी। इसके लिए राष्ट्रपति कारवार (कर्नाटक का उत्तरी कन्नड़ जिला) जाएंगी। कारवार को कर्नाटक का कश्मीर भी कहा जाता है। वहां नेवी के कलवरी क्लास सबमरीन में राष्ट्रपति जाएंगी। राष्ट्रपति पिछले साल नेवी के पहले स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर में भी गई थी।

सुबह 10 बजे इस्तीफा....करीब 4 घंटे बाद दोपहर 2 बजे जीतू पटवारी ने नामंजूर कर दिया, राजधानी में दिनभर चलता रहा राजनैतिक 'ड्रामा'

कांग्रेस में 'टैलेंट हंट' विवाद पर नायक का इस्तीफा

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

> अभय तिवारी द्वारा आदेश निरस्त करने से अपमानित महसूस कर रहे थे नायक

> प्रदेश प्रवक्ताओं के चयन हेतु टैलेंट हंट के लिए दो कमेटियों के गठन से हुआ विवाद

प्रदेश में खुद को खड़ा करने के लिए संघर्ष कर रही प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के आपसी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग में नियुक्त हेतु टैलेंट हंट कार्यक्रम के लिए गठित समितियों को लेकर विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक और प्रभारी अभय तिवारी के बीच विवाद इस कदर बढ़ा कि नायक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

नायक ने प्रातः लगभग 10 बजे इस्तीफा दिया और लगभग 4 घंटे बाद 2 बजे ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इसे अस्वीकार कर दिया। हालांकि, नायक ने इस्तीफे में विवाद का जिक्र न करते हुए लिखा कि 'प्रबंध समिति की बैठक में मैंने यह आह्वान किया था कि पुराने लोगों को नए लोगों के लिए स्थान खाली करना चाहिए।

वॉट्सएप ग्रुप को लेकर भी विवाद

मुकेश नायक

मुकेश नायक द्वारा जारी की गई लिस्ट पर अभय तिवारी ने मीडिया डिपार्टमेंट के ऑफिशियल ग्रुप में लिखा था कि जब संगठन की बर्बादी आती है तो ऐसे परिपक्व आदेश जारी होने लगते हैं। हे प्रभु मप्र कांग्रेस की रक्षा करना। तिवारी ने ग्रुप में ही पीसीसी चीफ जीतू पटवारी को टैग करते हुए लिखा था कि अध्यक्ष जी कृपया संज्ञान लें, और मुझे मुक्त करें। इसके बाद अभय तिवारी और प्रवक्ता अभिनव बरोलिया को एक वॉट्सएप ग्रुप से रिमूव कर दिया गया। नायक द्वारा जारी की गई टैलेंट हंट की सूची को मप्र कांग्रेस के सोशल मीडिया और जीतू पटवारी ने ट्वीट कर बधाई दे दी थी।

अमेरिका में बर्फीले तूफान ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मिडवेस्ट से नॉर्थ ईस्ट अमेरिका तक स्नो स्टॉर्म की चपेट में है। शहर, सड़कें, घर बर्फ की मोटी चादर से ढके हैं

अमेरिका में भयंकर बर्फीले तूफान 'डेविन' की दस्तक, घरों में रहने की सलाह

न्यूयॉर्क समेत कई शहरों में आपातकाल घोषित, 1800 उड़ानें रद्द

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में बर्फीले तूफान ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मिडवेस्ट से नॉर्थ ईस्ट अमेरिका तक स्नो स्टॉर्म की चपेट में है। शहर, सड़कें, घर बर्फ की मोटी चादर से ढके हैं। बर्फीले तूफान और बर्फीली बारिश से सड़कों पर फिसलन है। नेशनल वेदर एजेंसी (एनडब्ल्यूए) ने विंटर स्टॉर्म 'डेविन' को लेकर चेतावनी जारी करते हुए न्यूयॉर्क समेत कई शहरों में आपातकाल की घोषणा कर दी है और लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह दी है।

■ सड़कों पर 10-12 इंच मोटी बर्फ की परत जमी

तूफानी हवाओं से पेड़ गिरे, बिजली आपूर्ति बाधित

बर्फीले तूफान के चलते वाहनों की आवाजाही में दिक्कत

सड़कों पर बिछी बर्फ की मोटी चादर

एनडब्ल्यूए की रिपोर्ट के अनुसार, इस बार सर्दियों का सबसे भीषण बर्फीला तूफान आया है, जिससे न्यूयॉर्क सिटी और इसके आस-पास के इलाकों में 2 से 8 इंच मोटी बर्फ की परत बिछा दी है। कहीं-कहीं 10 इंच मोटी परत जमा है। न्यू जर्सी, कनेक्टिकट, पेंसिल्वेनिया में तूफानी हवाएं चलने से पेड़ गिर गए और बिजली की तारें टूटने से बिजली की आपूर्ति बाधित हो गई है। मिशिगन, पेंसिल्वेनिया में फ्रीजिंग रेन और स्नोफॉल से सड़कों पर 10 से 12 इंच मोटी बर्फ की परत जमा है और सड़कें भी फिसलन भरी हैं।

कई एयरपोर्ट पर फंसे हैं हजारों लोग

एनडब्ल्यूए ने न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में भारी बर्फबारी के साथ तूफानी हवाएं चलने का अलर्ट देकर इमरजेंसी घोषित कर दी है। जॉन एफ कैनेडी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, ला गार्डिया एयरपोर्ट और डेट्रॉइट मेट्रोपॉलिटन वेन काउंटी एयरपोर्ट समेतट देशभर के कई एयरपोर्ट पर लोग फंसे हुए हैं।

ईस्ट कोस्ट की तरफ बढ़ रहा तूफान

पूरे नॉर्थ ईस्ट अमेरिका में अलर्ट और इमरजेंसी रहेगा, क्योंकि एक शक्तिशाली बर्फीला तूफान ईस्ट कोस्ट की ओर बढ़ रहा है। वेस्ट कोस्ट से लेकर उत्तर-पूर्व और अलास्का तक तूफान आने की चेतावनी है। कैलिफोर्निया, नेवाडा, इडाहो, व्योमिंग, कोलोराडो, पेन्सिलवेनिया, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, अलास्का, कनेक्टिकट, वाशिंगटन, ओरेगन, मोंटाना, यूटा, मिनेसोटा, विस्कॉन्सिन, मिशिगन, ओहियो, वेस्ट वर्जीनिया, मैरीलैंड, वर्जीनिया, डेलावेयर और मैसाचुसेट्स, उत्तर-पूर्वी न्यू जर्सी, पेन्सिलवेनिया में बर्फबारी होगी।

खबर संक्षेप

ग्वाटेमाला में बस खाई में गिरी, 15 की मौत

नई दिल्ली। मध्य अमेरिका में स्थित देश ग्वाटेमाला में भीषण सड़क हादसा हुआ है। ग्वाटेमाला के पश्चिमी इलाके में इंटर-अमेरिकन हाइवे पर एक यात्रा बस खाई में गिर जाने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए, अधिकारियों ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। स्थानीय फायर ब्रिगेड के प्रवक्ता लिआंद्रो अमाडो ने बताया कि मृतकों में 11 पुरुष, 3 महिलाएं और एक नाबालिग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 19 घायल यात्रियों को घटनास्थल से बचाया गया और इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

इंडोनेशिया में नाव डूबी 11 लोग लापता

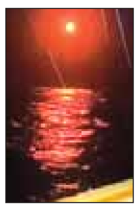

जकार्ता(इंडोनेशिया के कोमोडो द्वीप के पास नौका डूबने से चार स्पेनिश पर्यटकों समेत 11 लोग लापता हो गए। बचावकर्मियों ने शनिवार को स्पैनिश परिवार की तलाश शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि कोमोडो नेशनल पार्क के अंदर लोकप्रिय पर्यटन स्थल पदार द्वीप के पास एक टूरिस्ट नाव शुक्रवार रात डूब गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मौमेरे सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के प्रमुख फतहुर रहमान ने बताया कि नाव में छह स्पेनिश पर्यटक, चार क्रू सदस्य और एक स्थानीय गाइड समेत कुल 11 लोग सवार थे।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते से गदगद हुए पीएम लक्सन बोले

रोजगार के नए अवसर सृजन होंगे, लोगों की बढ़ेगी आय, निर्यात को बढ़ावा मिलेगा

एजेंसी ▶▶ वेलिंगटन

न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अपनी सरकार की प्रमुख उपलब्धि बताया। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया कि हमने अपनी पहली कार्यकाल में भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता हासिल करने का वादा किया था, और हमने इसे पूरा कर दिया। यह ऐतिहासिक समझौता 1.4 अरब भारतीय उपभोक्ताओं के बाजार के दरवाजे खोलकर अधिक नौकरियां, ऊंची आय और अधिक निर्यात लाएगा।

मूलभूत सुधार। भविष्य का निर्माण। उन्होंने यह बात तब कही जब भारत और न्यूजीलैंड ने एक व्यापक और लंबे समय से प्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पूरा किया। यह समझौता 22 दिसंबर को पीएम नरेंद्र मोदी और लक्सन के बीच टेलीफोन वार्ता के बाद घोषित किया गया। दोनों नेताओं ने इसे द्विपक्षीय संबंधों में ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया। मार्च 2025 में शुरू हुई वार्ताएं मात्र नौ महीनों में पूरी हुईं, जो भारत के सबसे तेज संपन्न एफटीए में से एक है। यह 'विकसित भारत 2047' विजन से जुड़ा है। इस समझौते के प्रमुख प्रावधानों के अनुसार न्यूजीलैंड भारत को अपने 95% निर्यातों पर शुल्क कम या समाप्त करेगा, जिसमें पहले दिन से 57% उत्पाद शुल्क-मुक्त होंगे।

1.4 अरब भारतीय उपभोक्ताओं के बाजार के न्यूजीलैंड के दरवाजे खोले

एफटीए को द्विपक्षीय संबंधों में ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया

एफटीए को न्यूजीलैंड की बड़ी उपलब्धि बताया, 2026 की पहली तिमाही में होंगे हस्ताक्षर

पीएम नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन (दाएं)

न्यूजीलैंड भारत में करेगा 20 अरब डॉलर का निवेश

समझौते के तहत भारत के सभी निर्यात न्यूजीलैंड में शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त करेंगे, जो कपड़ा, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, आभूषण, इंजीनियरिंग सामान आदि क्षेत्रों को बढ़ावा देगा। इसके साथ ही न्यूजीलैंड अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर निवेश का वादा किया है। सेवाओं में भारत को आईटी, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन आदि में मजबूत पहुंच मिलेगी। भारतीय पेशेवरों के लिए अस्थायी रोजगार वीजा की नई सुविधा, जिसमें एक समय में 5,000 वीजा तीन वर्ष तक की अवधि के लिए दिया जाएगा।

मौजूदा व्यापार को 5 साल में दुगना करने का लक्ष्य

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार लगभग 1.3 अरब डॉलर है, जो अगले पांच वर्षों में दोगुना होने की उम्मीद है। यह समझौता रोजगार सृजन, निवेश, नवाचार और एमएसएमई को मजबूत करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि यह समझौता व्यापार, निवेश और लोगों के बीच संबंधों को नई गति देगा। दोनों देशों के लिए यह आर्थिक विकास और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग का प्रतीक है। समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर 2026 की पहली तिमाही में होने की संभावना है।

न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री ने जताई थी आपत्ति

हालांकि, न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने हाल ही में घोषित एफटीए की कड़ी आलोचना करते हुए इसे न तो स्वतंत्र और न ही निष्पक्ष बताया था। उन्होंने कहा था कि न्यूजीलैंड भले ही भारतीय उत्पादों के लिए अपना बाजार पूरी तरह खोल देगा, लेकिन भारत ने न्यूजीलैंड के प्रमुख डेयरी निर्यात पर लगे महत्वपूर्ण टैरिफ को कम करने पर सहमति नहीं जताई है। उन्होंने इस परिणाम को किसानों और ग्रामीण समुदायों के सामने बचाव योग्य बताया और कहा कि दुर्भाग्यवश, यह न्यूजीलैंड के लिए एक बुरा सौदा है।

भारत को पेशेवर सेवाओं में बढ़त

इस बीच, वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, भारत ने कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अच्छी सफलता हासिल की है। इनमें आईटी और आईटी-सक्षम सेवाएं (जैसे सॉफ्टवेयर और कंप्यूटर सेवाएं), पेशेवर सेवाएं (जैसे वकील, इंजीनियरिंग, लेखा), शिक्षा (ऑनलाइन कोर्स, ट्रेनिंग), वित्तीय सेवाएं (बैंकिंग, बीमा), पर्यटन, निर्माण (बिल्डिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर) और अन्य बिजनेस सेवाएं शामिल हैं।

बांग्लादेश में 'संस्कृति' पर फिर हमला

सिंगर जेम्स को गाने से रोका ईंट-पत्थर फेंके, 20 घायल

फरीदपुर में आयोजित समारोह में हमला, सिंगर जेम्स

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश के फरीदपुर में लोकप्रिय गायक जेम्स के कंसर्ट में भीड़ ने हमला कर दिया। इस घटना में 20 लोग घायल हुए हैं। भीड़ में शामिल लोगों ने ईंट और पत्थर फेंके, जिससे कई लोग घायल हुए हैं। जेम्स का यह संगीत कार्यक्रम फरीदपुर जिला स्कूल के 185वें स्थापना दिवस समारोह के समापन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम स्कूल परिसर में बनाए गए एक अस्थायी मंच पर शुक्रवार रात करीब 9 बजे होना था, तभी अचानक एक भीड़ कार्यक्रम स्थल में घुस आई और वहां मौजूद लोगों पर पत्थर और ईंटें फेंकनी शुरू कर दीं, जिससे कई लोग घायल हो गए। लोगों ने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन अंत में संगीत समारोह कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। अधिकारियों और आयोजकों ने यह जानकारी दी। जेम्स बांग्लादेशी रॉक बैंड 'नगर बाउल' के प्रमुख गायक, गीतकार और गिटार वादक हैं।

कलाकारों पर हो रहे हमले

बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन ने एक्स पर घटना का वीडियो साझा करते हुए देश में गायकों और कलाकारों पर हो रहे हमलों की बढ़ती संख्या पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक केंद्र छायानाट को जलाकर राख कर दिया गया है। उदिची (वह संगठन जिसका उद्देश्य संगीत, रंगमंच, नृत्य, कविता पाठ और लोक संस्कृति को बढ़ावा देकर धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशील चेतना को पोषित करना था) भी जलकर राख हो गया है। नसरीन ने कहा कि कुछ दिन पहले उस्ताद अलाउद्दीन खान के पोते सिराज अली खान ढाका आए थे।

विस्तृत जानकारी जुटा रही पुलिस

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सदर सर्कल) अजमीर हुसैन ने कहा कि घायलों की वास्तविक संख्या की अभी पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि हमले में घायल लोगों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। हम विस्तृत जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।

इलेक्ट्रिक क्रूज की सवारी का आनंद

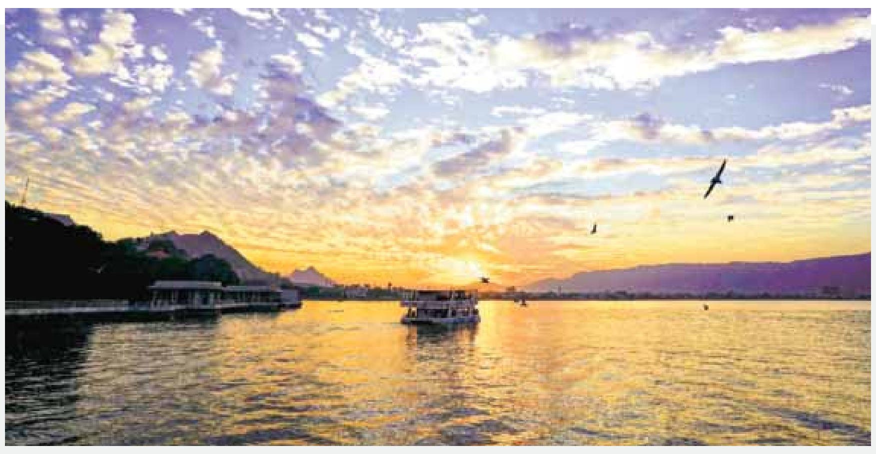
अजमेर। राजस्थान के अजमेर में आनासागर झील में शनिवार को सूर्यास्त के समय पर्यटक इलेक्ट्रिक क्रूज की सवारी करते हुए। आनासागर झील अजमेर की ऐतिहासिक और खूबसूरत कृत्रिम झील है, जिसका निर्माण 12वीं शताब्दी में पृथ्वीराज चौहान के दादा, राजा अर्णोराज चौहान ने कराया था। यह अजमेर शहर का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है जहाँ लोग बोटिंग, टहलने और प्रकृति का आनंद लेने आते हैं, जिसके चारों ओर सुभाष उद्यान और संगमरमर के मंडप बने हैं, जिससे इसकी सुंदरता और बढ़ गई है।

अभयरैब वैक्सीन पर आईआईएल का पक्ष

ऑस्ट्रेलियाई चेतावनी को कहा 'भ्रामक' कहा नकली बैच बाजार में उपलब्ध नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की अग्रणी वैक्सीन निर्माता कंपनियों में से एक इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड (आईआईएल) ने मानव एंटी-रेबीज वैक्सीन 'अभयरैब' को लेकर सामने आई हालिया खबरों पर शनिवार को स्पष्टीकरण जारी किया है।

कंपनी ने ऑस्ट्रेलियाई स्वास्थ्य एजेंसियों की ओर से जारी परामर्श को अत्यधिक सतर्कता भरा और भ्रामक बताते हुए सख्ती से खारिज किया है। आईआईएल ने कहा कि अभयरैब रेबीज वैक्सीन के जिस कथित नकली बैच बैच नंबर KA24014 (निर्माण तिथि मार्च 2024, समाप्ति तिथि फरवरी 2027) का उल्लेख किया जा रहा है, उसकी पहचान जनवरी 2025 की शुरुआत में ही कर ली गई थी। कंपनी के अनुसार, यह नकली बैच अब बाजार में उपलब्ध नहीं है और इसे तुरंत वापस ले लिया गया था।

अभयरैब वैक्सीन

विदेश मंत्रालय ने दोहराया समर्थन

म्यांमार में लोकतांत्रिक की बहाली और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव हों

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने शुक्रवार को म्यांमार में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली और स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा समावेशी चुनावों के प्रति अपना समर्थन दोहराया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत म्यांमार में शांति, स्थिरता और सामान्य स्थिति की वापसी के पक्ष में है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत म्यांमार में लोकतांत्रिक संक्रमण का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि म्यांमार में चुनाव होने जा रहे हैं। हम ऐसे स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनावों का समर्थन करते हैं, जिनमें सभी की भागीदारी हो। भारत म्यांमार में शांति, स्थिरता और सामान्य स्थिति की बहाली के पक्ष में खड़ा है।

प्रवक्ता रणधीर जायसवाल

म्यांमार में आज से चुनाव का पहला चरण

अगस्त में म्यांमार के केंद्रीय चुनाव आयोग ने घोषणा की थी कि देश में आम चुनाव का पहला चरण 28 दिसंबर को होगा, जबकि अगले चरणों की तारीखें बाद में घोषित की जाएंगी। यह घोषणा ऐसे समय में हुई, जब जून में म्यांमार के स्टेट सिक्योरिटी एंड पीस कमीशन के अध्यक्ष सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने कहा था कि देश में चुनाव दिसंबर और अगले वर्ष जनवरी के दौरान कराए जाएंगे।

पीएम ने की थी मुलाकात: 31 अगस्त को पीएम नरेंद्र मोदी ने चीन के तियानजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान म्यांमार के स्टेट सिक्योरिटी एंड पीस कमीशन के अध्यक्ष सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात की थी।

अमेरिका में रहते रूस के राजनयिक ने गोपनीय जानकारी साझा की थी

चलती गाड़ी से उतारकर लगाई हथकड़ी

पकड़े जाने के बाद कोर्ट ने सुनाई 12 साल की सजा

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

रूस की एक अदालत ने 38 वर्षीय अर्सेनी कोनोवोलोव को शुक्रवार को अमेरिका से खुफिया जानकारी साझा करने के आरोप में रूसी अदालत ने 12 वर्ष की सजा सुनाई है। इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है जिसमें रूसी खुफिया एजेंसी फेडरल सिक्योरिटी ब्यूरो (एफएसबी) के अधिकारी आरोपी राजनयिक को एक चलती गाड़ी (वैन) में हथकड़ी लगाते हुए देखे जा सकते हैं। वीडियो में डिप्लोमेट को एक जेल और फिर अदालत के कठघरे में खड़ा देखा जा सकता है।

रूसी डिप्लोमेट कोनोवोलोव और उन्हें अरेस्ट करती एफएसबी

साल 2024 में हुई थी गिरफ्तारी

जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को डिप्लोमेट को सजा सुनाए जाने के बाद एफएसबी ने इस वीडियो को आधिकारिक तौर से रिलीज किया है। दरअसल, कोनोवोलोव को साल 2024 में गिरफ्तार किया था। उन्होंने अमेरिका स्थित रूसी दूतावास में काम किया था। उसी दौरान, आरोपी ने अमेरिका के लिए काम करना शुरू कर दिया। उसने अमेरिका को रूस से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा की थी। अमेरिका से रूस लौटने के फौरन बाद एफएसबी ने कोनोवोलोव को धर-दबोचा था। करीब एक साल चले ट्रायल के बाद रूसी अदालत ने राजनयिक को दोषी करार दिया और सजा का फरमान सुना दिया।

अमेरिका का बड़ा दावा

बेलारूस में बना रहा रूस न्यूक्लियर हाइपरसोनिक मिसाइल बेस

रूस अपनी नई न्यूक्लियर हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल ओरेश्निक को बेलारूस के क्रिचेव एयरबेस पर तैनात कर रहा है। सैटेलाइट तस्वीरों से तेज निर्माण और लॉन्चर सुविधाएं दिख रही हैं। यह मिसाइल 12000 किमी प्रति घंटे की गति से उड़ती है। इसकी मारक क्षमता 5500 किमी तक है। अमेरिकी शोधकर्ताओं ने उपग्रह तस्वीरों से पता लगाया है कि ओरेश्निक को बेलारूस के पूर्वी हिस्से में एक पुराने एयरबेस पर तैनात कर रहा है। ये तैनाती बेहद तेजी से हो रही है और जल्दबाजी में। इससे रूस को रणनीतिक बढ़त मिलेगी। यह कदम यूरोप में रूस की मिसाइल पहुंच को और मजबूत कर सकता है।

मिसाइल तैनाती की उपग्रह तस्वीर

पेंटागन की ऑडिट रिपोर्ट में खुलासा

एफ-35 विश्वसनीयता, लागत और मिशनों को अंजाम देने में नाकाम

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी वायुसेना के एफ-35 लड़ाकू विमानों को लेकर पेंटागन की ऑडिट में चौंकाने वाले खुलासे हुए है। इन खुलासों ने एफ-35 बनाने वाली कंपनी लॉकहीड मार्टिन की नींद उड़ा दी है। इस ऑडिट में पता चला है कि एफ-35 विश्वसनीयता, लागत और राजनीतिक मिशनों को अंजाम देने में नाकाम रहा है।

इस कारण यूरोप और एशिया के कई देश एफ-35 की जगह यूरोफाइटर टाइफून, राफेल और ग्रिपेन जैसे विकल्पों की ओर देख रहे हैं। इसके अलावा ये देश खुद के लड़ाकू विमानों को बनाने पर भी जोर दे रहे हैं, जिसका सीधा असर अमेरिकी रक्षा बाजार पर पड़ रहा है। ऑडिट रिपोर्ट में कहा गया है कि जॉइंट स्ट्राइक फाइटर (जेएसएफ) अपनी अत्यधिक तकनीकी जटिलता, एक ही डिजाइन से तीन अत्यधिक विशिष्ट विमान वेरिएंट बनाने के लक्ष्य, महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला और विनिर्माण मुद्दों, और लगातार सॉफ्टवेयर अपडेट समस्याओं के कारण धीमा रहा है।

बिना अनुमति सार्वजनिक गार्डन में कार्यक्रम करना पड़ गया भारी

स्कूल संचालक के विरूद्ध की गयी बड़ी कार्रवाई

हरिभूमि जबलपुर।

शहर के सार्वजनिक स्थलों और उद्यानों के व्यावसायिक उपयोग को लेकर नगर निगम प्रशासन अब बेहद सख्त रुख अपना रहा है। शनिवार को निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार को जैसे ही संज्ञान में आया कि अशासकीय स्कूल संचालक के द्वारा नगर निगम के शासकीय उद्यान में बिना अनुमति लिये कार्यक्रम कर रहा है, उसके तुरंत बाद ही निगमायुक्त श्री अहिरवार ने टीम भेजकर जाँच करवाई और स्कूल संचालक के विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश प्रदान किये गए। निगमायुक्त के निर्देश पर स्कूल संचालक के ऊपर मौके पर ही 1 लाख रूपये का जुर्माना लगाकर वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत करने नोटिस जारी किये गए। इस संबंध में निगमायुक्त श्री अहिरवार ने बताया कि नोटिस का संतोषजनक जबाव नहीं पाए जाने पर स्कूल की मान्यता भी रद्द की जायेगी।

कार्रवाई के संबंध में उद्यान अधिकारी आलोक शुक्ला ने बताया कि निगम की टीम ने गढ़ा वार्ड के संजीवनी नगर में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक निजी स्कूल पर 1 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया है।

उन्होंने बताया कि संजीवनी नगर स्थित लक्ष्मीकांत मेमोरियल स्कूल द्वारा सांई कॉलोनी के सार्वजनिक गार्डन में वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा था, टेंट-पंडाल लग चुके थे और कार्यक्रम की तैयारियाँ जोरों पर थीं। नियमानुसार, किसी भी सार्वजनिक उद्यान में कार्यक्रम करने के लिए नगर निगम के उद्यान विभाग से विधिवत अनुमति लेना अनिवार्य है, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने ऐसी कोई अनुमति नहीं ली थी।

मौके पर पहुँची निगम की टीम

जैसे ही बिना अनुमति कार्यक्रम की सूचना मिली, निगम उद्यान अधिकारी आलोक शुक्ला अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचे। जाँच में पाया गया कि सार्वजनिक संपत्ति का उपयोग बिना किसी कागजी प्रक्रिया और शुल्क के किया जा रहा था। नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों ने तुरंत कार्यक्रम को रोका और स्कूल संचालक पर 1 लाख रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया।

तत्काल हुआ जुर्माने का भुगतान

कार्रवाई की गंभीरता और नियमों के उल्लंघन को देखते हुए स्कूल संचालक संजय श्रीवास्तव ने मौके पर ही जुर्माने की राशि स्वीकार की। उन्होंने 1 लाख रुपये का चेक तत्काल निगम अधिकारियों को सौंप दिया। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिक्रमण दल प्रभारी बृज किशोर तिवारी एवं उनकी टीम आदि उपस्थित रहे।

निगमायुक्त ने कसी कमर, बोले- 1 जनवरी से कचरा संग्रहण में नहीं चलेगी कोई कोताही

लापरवाह ड्राइवरों पर होगी तत्काल कार्रवाई

जबलपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान की तैयारियों को परखने और जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने शनिवार को नगर निगम वर्कशॉप का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दो-टूक शब्दों में अधिकारियों को चेतावनी दी कि 1 जनवरी से कचरा गाड़ियों के संचालन को लेकर कोई भी बहाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि कचरा गाड़ियों की फिटनेस और उनकी कार्यप्रणाली की जिम्मेदारी अब केवल वर्कशॉप विभाग की नहीं होगी। मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों को भी अब मैदान में उतरना होगा।

प्रत्येक मुख्य स्वच्छता निरीक्षक प्रतिदिन गाड़ियों की स्थिति की लिखित रिपोर्ट सहायक स्वास्थ्य अधिकारी को सौंपेंगे। जमीनी समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारी आपस में निरंतर संपर्क में रहेंगे। स्वच्छता के मानकों को पूरा करने के लिए निगमायुक्त ने गाड़ियों के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए है। उन्होने कचरा अलग-अलग करने के लिए हर गाड़ी में 5 डस्टबिन होना अनिवार्य किया है। यदि कोई ड्राइवर मनमानी करता है या रूट का पालन नहीं करता, तो उसे तत्काल कार्य से हटाया जाएगा। गाड़ियों के मीटर चालू होने चाहिए और कचरा संग्रहण के दौरान स्वच्छता जिंगल (गीत) लगातार बजना चाहिए।

मण्डला में जबलपुर की टीम की कार्रवाई, 65 लाख का घपला, 4 पर केस

सरकारी खजाने पर बैंक अफसरों का डाकाः ईओडब्ल्यू का शिकंजा

जबलपुर। सरकारी फाइलों में शब्दों का हेरफेर कर लाखों का गबन करने का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जबलपुर आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने मंडला जिला सहकारी बैंक में हुई 65 लाख रुपए की धोखाधड़ी का भंडाफोड़ किया है। बैंक के अफसरों ने लोन रिजेक्ट होने के बाद कागजों में ऐसी 'कारीगरी की, कि जांच दल भी हैरान रह गया। मामलें में बैंक के तत्कालीन महाप्रबंधक समेत चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

दस्तावेजों में हेरफेर और पद का दुरुपयोग

ईओडब्ल्यू को लंबे समय से शिकायत मिल रही थी कि मंडला की 'अल्प बचत साख सहकारी समिति में निवेशकों का पैसा लौटाने में आनाकानी की जा रही है और नियमों को ताक पर रखकर लोन बांटे जा रहे हैं। एसपी अनिल विश्वकर्मा के निर्देश पर जब जांच शुरू हुई, तो भ्रष्टाचार की परतें खुलती चली गईं। जांच में पता चला कि 8 नवंबर 2011 को बैंक की ऋण उप समिति ने समिति के 38 लाख रुपए के पुराने कर्ज को देखते हुए नया लोन आवेदन 'अस्वीकृत कर दिया था। लेकिन भ्रष्टाचार के इरादे से तत्कालीन महाप्रबंधक नरेंद्र कोरी ने अन्य कर्मियों के साथ मिलकर फाइल में दर्ज 'अस्वीकृत शब्द से 'अ' को हटाकर उसे 'स्वीकृत बना दिया। जालसाजी यहीं नहीं रुकी, उन्होंने 38 लाख की मूल राशि को भी काटकर 65 लाख रुपए कर दिया और महज 4 दिन के भीतर अपने हस्ताक्षर से लोन जारी कर दिया।

इन चार अधिकारियों ने मिलकर रची साजिश

ईओडब्ल्यू की जांच के अनुसार, लोन की यह पूरी राशि बैंक के अधिकारियों और समिति प्रबंधक ने आपस में बंदरबांट कर ली। जांच में यह भी पाया गया कि शशि चौधरी ने समिति के नियमों के विरुद्ध जाकर गैर-सदस्यों से भी करीब 26.68 लाख रुपए की अवैध वसूली की थी। सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 409, 420, 467, 468, 471, 120बी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 2018 के तहत मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है। इस मामले में पुलिस ने कूट रचित दस्तावेज तैयार करने और बैंक को वित्तीय क्षति पहुँचाने के आरोप में चार आरोपियों को नामजद किया है-

नरेंद्र कोरीः तत्कालीन महाप्रबंधक, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मंडला।

एनएल यादवः तत्कालीन स्थापना प्रभारी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मंडला।

अतुल दुबेः तत्कालीन लेखापाल व पंजी फील्ड कक्ष प्रभारी।

शशि चौधरीः प्रबंधक, अल्प बचत साख सहकारी समिति, मंडला।

खंगार समाज ने महाराजा खेतसिंह खंगार के तैलचित्र पर किया माल्यार्पण

जबलपुर। मध्यप्रदेश क्षत्रिय खंगार समाज समिति के प्रदेश संयोजक राजकुमार सिंह द्वारा खंगार समाज की गौरवमयी ऐतिहासिक वीरता एवं शौर्यता की पुरातत्व धरोहर गढ़कुण्डार किला के महाराजा खेतसिंह खंगार की जयंती के अवसर पर उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर राजकुमार सिंह खंगार, पुष्पेन्द्र सिंह राय, सत्यम सिंह, शौर्य सिंह, आदित्य सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

लापरवाही बनी हादसों की वजह

जबलपुर में फ्लाईओवर पर नियम बेबस

हरिभूमि जबलपुर।

शहर में यातायात व्यवस्था को बेहतर और तेज बनाने के लिए बनाए गए फ्लाईओवर आज खुद खतरे का सबब बनते जा रहे हैं। वजह साफ है लोगों की नियमों के प्रति उदासीनता। ट्रैफिक नियम यहां सिर्फ बोर्ड तक सीमित नजर आते हैं, जबकि सड़क पर चलने वाले वाहन चालक अपनी सुविधा के अनुसार रास्ते चुनते दिखाई देते हैं। नतीजा यह है कि फ्लाईओवर पर रोजाना टकराव, जाम और चोटिल लोग आम बात हो गई है। मदन महल स्टेशन के पास स्थित फ्लाईओवर का रैंप इसका बड़ा उदाहरण है। यह रैंप रानीताल की ओर से आने वाले वाहनों को स्टेशन और शास्त्री ब्रिज की दिशा में जाने के लिए बनाया गया है, जहां ऊपर चढ़ना प्रतिबंधित है। चेतावनी बोर्ड और संकेतक लगे होने के बावजूद चालक इन्हें नजरअंदाज कर यहीं से वाहन चढ़ा देते हैं। कई बार इसी लापरवाही के चलते आमने-सामने की टक्कर हो चुकी है, लेकिन न डर है और न ही सुधार।

बल्देवबाग से शहर में प्रवेश करने वाले वाहनों के लिए राइट टाउन की तरफ बना उतरने का रैंप भी अब दुर्घटनाओं का नया केंद्र बन रहा है। यहां वाहनों की सुरक्षित आवाजाही के लिए रोटरी बनाई गई थी, ताकि ऊपर जाने और नीचे उतरने वाले वाहन एक-दूसरे से न टकराएं। लेकिन चालक रोटरी से पहले ही अचानक मोड़ ले लेते हैं, जिससे दिनभर छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं होती रहती हैं और यातायात अव्यवस्थित हो जाता है।

दमोह नाका से दशमेश द्वार तक बने फ्लाईओवर पर भी हालात चिंताजनक हैं। इस मार्ग पर आठ रैंप बनाए गए हैं, जिनकी डिजाइन अलग-अलग दिशाओं में जाने वाले वाहनों को ध्यान में रखकर की गई है। बावजूद इसके, यू-टर्न की सुविधा न होने पर भी लोग बीच फ्लाईओवर से ही मनमाने तरीके से वाहन मोड़ रहे हैं। यह न केवल खुद उनके लिए, बल्कि सामने से आ रहे वाहनों के लिए भी बड़ा खतरा बन रहा है।

चालानी कार्यवाही बेअसर

यातायात पुलिस ने समय-समय पर चालानी कार्रवाई और जागरूकता अभियान चलाए, लेकिन इनका असर कुछ दिनों से ज्यादा नहीं टिक पाया। नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई के बावजूद आदतें नहीं बदलीं। जैसे ही निगरानी कम होती है, वही पुरानी लापरवाही फिर से सड़क पर लौट आती है।शहर के जागरूक नागरिकों का कहना है कि फ्लाईओवर पर लगातार निगरानी, सख्त कार्रवाई और बेहतर बैरिकेडिंग की जरूरत है। जब तक नियमों का पालन सख्ती से नहीं कराया जाएगा, तब तक फ्लाईओवर सुविधा नहीं बल्कि खतरे का रास्ता बने रहेंगे।

अध्यक्ष–सचिव परिवार समेत आमने-सामने

राशन दुकान को लेकर महिला समूह में जमकर मचा बवाल!

जबलपुर। गोसलपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कछपुरा में शासकीय उचित मूल्य की दुकान के संचालन को लेकर महिला स्व-सहायता समूह के भीतर चल रहा विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। दुकान की अध्यक्ष और सचिव अपने-अपने परिजनों के साथ आमने-सामने आ गईं, जिसके बाद दोनों पक्षों में जमकर लात-घूंसे चले। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला जिले भर में चर्चा का विषय बन गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शासन के आदेश पर करीब दो वर्ष पहले ग्राम कछपुरा में शासकीय उचित मूल्य की दुकान खोली गई थी। दुकान का संचालन महिला स्व-सहायता समूह को सौंपा गया था, जिसमें अर्चना पटेल को अध्यक्ष और पूजा पटेल को सचिव बनाया गया था। नियम के अनुसार दुकान का संचालन सभी महिला सदस्यों को मिलकर करना था और होने वाला लाभ समूह में समान रूप से वितरित किया जाना था।

अध्यक्ष अर्चना पटेल का आरोप है कि बीते दो वर्षों से दुकान से होने वाला लाभ सचिव पूजा पटेल अपने पास रख रही हैं। जब इस संबंध में सवाल किया जाता है तो वह अपने पति और बेटे को आगे कर देती हैं। इसी को लेकर अर्चना पटेल ने पहले भी सिहोरा एसडीएम से सचिव पूजा पटेल की लिखित शिकायत की थी।

गत दिवस अध्यक्ष अर्चना पटेल अन्य महिला सदस्यों के साथ दुकान का संचालन कर रही थीं। इसी दौरान सचिव पूजा पटेल अपने पति युद्धवीर पटेल, बेटे प्रांशु पटेल और सहयोगी रुक्मिणी पटेल के साथ दुकान पर पहुंचीं और विवाद करने लगीं। देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई और हंगामे की स्थिति बन गई। विवाद बढ़ता देख समूह की अन्य महिला सदस्यों के पति भी मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद मामला हाथापाई में बदल गया।

दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। घटना का वीडियो किसी ग्रामीण ने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। घटना के बाद अध्यक्ष अर्चना पटेल और समूह की सदस्य शशि बाई ने गोसलपुर थाने में सचिव पूजा पटेल, उनके पति युद्धवीर पटेल और अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है और वायरल वीडियो सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं इस घटना ने शासकीय उचित मूल्य की दुकानों के संचालन और महिला समूहों के बीच आपसी तालमेल को लेकर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार घायल

जबलपुर। थाना गोसलपुर क्षेत्र में तेज गति और लापरवाही से चलाए जा रहे ट्रैक्टर की टक्कर से एक बाइक सवार घायल हो गया। पुलिस ने अज्ञात ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गोसलपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुढागर निवासी वीरेन्द्र चैरसिया नम्र माइक्रो फाइनेंस में नौकरी करते हैं और गत शाम लगभग 7:45 बजे अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 20 जेडडब्ल्यू 3378 से सिहोरा से कंपनी का काम निपटाकर घर लौट रहे थे। जब वे राजशाही ढाबा, एनएच-30 रोड तिराहा पार कर बुढ़ागर रोड पर पहुंचे, तभी सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के कारण वे बाइक सहित सड़क पर गिर पड़े। दुर्घटना में उन्हें हाथ तथा दाहिनी आंख के पास चोटें आई हैं। अंधेरा होने के कारण वे ट्रैक्टर का नंबर नहीं देख पाए। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। पीड़ित की रिपोर्ट पर थाना गोसलपुर में धारा 281 एवं 125(ए) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है। पुलिस अज्ञात ट्रैक्टर और उसके चालक की तलाश कर रही है तथा मामले की विवेचना जारी है।

पमरे की विजिलेंस की कार्रवाई, हड़कंप

ड्यूटी के बजाय दुकान चलाता मिला रेल कर्मचारी

जबलपुर। रेल ड्यूटी के समय सरकारी कामधाम छोड़कर अपना व्यवसाय यानी दुकान चलाने वाले एक रेल कर्मचारी पर पश्चिम मध्य रेलवे की विजिलेंस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। जबलपुर से कोटा पहुंची विजिलेंस टीम की इस कार्रवाई से रेलवे का काम छोड़कर दूसरा धंधा करने वालों में हड़कम्प की स्थिति बन गई है। बताया जाता है कि जबलपुर में मुख्य सतर्कता अधिकारी, एसडीजीएम व पमरे महाप्रबंधक को किसी ने शिकायत की थी कि कोटा में ट्रेन लाइटिंग विभाग के कर्मचारी बबलेश कुमार मीणा द्वारा ड्यूटी के समय अपनी दुकान संभालने का काम किया जा रहा है. शिकायत पर विजिलेंस ने कार्रवाई शुरू कर दी है. विजिलेंस ने मामले में बबलेश से भी पूछताछ की। इस पर बबलेश ने दुकान पत्नी के नाम होना बताया। विजिलेंस ने यहां से जरूरी कागजात और हाजिरी रजिस्टर भी जप्त किया है।

बताया जाता है कि बबलेश की शिकायत उनके ही साथी कर्मचारियों ने पश्चिम-मध्य रेलवे महाप्रबंधक, डीआरएम, विजिलेंस और वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) को की थी. अपनी शिकायत ने बताया कि बबलेश पिछले कई सालों से लगातार नियम विरुद्ध तरीके से एक ही जगह स्टेशन पर ऑफिस में ही ड्यूटी कर रहा है। बबलेश को कभी ट्रेन ड्यूटी पर नहीं भेजा जाता। ड्यूटी के दौरान बबलेश अक्सर गायब रहकर फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान संभलता नजर आता है। दुकान के अलावा यह यहां से य प्रॉपर्टी डीलिंग का व्यवसाय भी करता है।

कर्मचारियों ने बताया कि मामले की शिकायत कई बार सुपरवाइजरों से की गई। लेकिन आपसे मिली भगत के चलते सुपरवाइजरों ने बबलेश के खिलाफ कभी कोई कार्रवाई करना जरूरी नहीं समझा। लगातार एक ही जगह ड्यूटी करने और यहां से भी गायब रहने का खामियाजा अन्य कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है।

जबलपुर में भी कई कर्मचारी निशाने पर

सूत्रों के मुताबिक जबलपुर मंडल में भी ऐसे कई कर्मचारी हैं, जो रेलवे की नौकरी के साथ-साथ निजी कारोबार में लगे हुए हैं. जो रेलवे से बिना काम किये वेतन भी ले रहे हैं और व्यवसाय से भी मोटी कमाई कर रहे हैं. ऐसे कर्मचारियों के चलते जो कर्मचारी पूरी ईमानदारी से अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं, उन पर अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है। ऐसे भी कर्मचारियों की सूची तैयार की जा रही है।

स्टाफ से मारपीट का वीडियो हुआ था वायरल

सिहोरा अस्पताल में मारपीट मामले में महिला पर दर्ज हुई एफआईआर

जबलपुर। शुक्रवार को थाना सिहोरा क्षेत्र के शासकीय अस्पताल में ड्यूटी के दौरान नर्सिंग ऑफिसर के साथ दुर्व्यवहार और शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया था, इस मामले में पुलिस ने अस्पताल की नर्सिंग आफिसर की शिकायत पर आरोपी महिला के विरुद्ध शनिवार को विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। सिहोरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 दिसंबर 2025 को शासकीय अस्पताल सिहोरा में पदस्थ नर्सिंग ऑफिसर स्वेता नेती ने थाना सिहोरा में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि ड्यूटी के दौरान शबा बानो नामक महिला अस्पताल वार्ड में निजी तौर पर ग्लूटाथायन इंजेक्शन लेकर पहुंची और उसे लगाने का दबाव बनाने लगी। नर्सिंग ऑफिसर द्वारा डॉक्टर का प्रिस्क्रिप्शन मांगे जाने पर महिला आक्रोशित हो गई और कथित रूप से उनकी गर्दन दबोचते हुए मारने के लिए हाथ उठाया तथा धक्का दे दिया। इसी दौरान अस्पताल प्रभारी डॉक्टर सुनील लटियार ने भी महिला से प्रिस्क्रिप्शन दिखाने के लिए कहा, जिस पर महिला ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और अस्पताल से बाहर चली गई। शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने सिहोरा निवासी शबा खान के विरुद्ध धारा 296(बी), 115(2), 351(2) एवं 132 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

कड़ी सुरक्षा के बीच निकली शौर्य यात्रा

जबलपुर।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल द्वारा शहर में आयोजित शौर्य यात्रा शनिवार को कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। दोपहर करीब 1 बजे गोहलपुर से शुरू हुई यह यात्रा शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए लगभग 15 किलोमीटर का भ्रमण करने के बाद शाम 5 बजे अपने निर्धारित स्थल पर समाप्त हुई।

राष्ट्रीय संयोजक किशन प्रजापति ने गोहलपुर लेमा गार्डन में यात्रा को संबोधित करते हुये कहा, महर्षि जाबाली की धरती पर, संस्कारधानी में हमें शौर्ययात्रा हाईकोर्ट से परमीशन लेकर करनी पड़ रही है, यह पूरे समाज के लिए सोचने की बात है. उन्होंने आगे कहा, बजरंग दल रुकने वाला नहीं है, क्योंकि हम हनुमान जी को मानने वाले लोग हैं. देश और धर्म की रक्षा के लिये आगे बढ़ते रहेंगे.

यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। शहर के 20 थानों के थाना प्रभारी (टीआई) सहित 500 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। संवेदनशील और मिश्रित आबादी वाले इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल, आरएएफ और महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई थी। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी पूरे रूट की निगरानी की जाती रही।

शौर्य यात्रा में बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक किशन प्रजापति सहित बजरंग दल एवं विश्व हिंदू परिषद के जिला, प्रांत, राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में शामिल हुए। भगवा ध्वज, बैनर और नारों के साथ निकली इस यात्रा के माध्यम से संगठनों ने अपनी एकजुटता और शक्ति प्रदर्शन किया। यात्रा शहर के गोहलपुर, मछली मार्केट, कांचघर घर मंडी मदार टेकरी रद्दी चौकी सहित सहित शहर के प्रमुख क्षेत्रों से होकर गुजरी। इस दौरान किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहा और स्थिति पर लगातार नजर रखी गई।

रूट को लेकर था असमंजस

गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल द्वारा दमोह नाका से शौर्य यात्रा निकालने का प्रयास किया गया था, लेकिन जिला प्रशासन की अनुमति न होने के कारण पुलिस ने यात्रा को रोक दिया था। उस समय काफी देर तक हंगामा हुआ था और अंततः यात्रा का रूट बदलना पड़ा था। हिंदू संगठन गोहलपुर से मोती नाला और मछली मार्केट के रास्ते आगे बढ़ना चाह रहे थे, जिसे लेकर विवाद की स्थिति बनी थी।

हाईकोर्ट से मिली अनुमति

इस वर्ष भी विहिप और बजरंग दल ने 4 दिसंबर को शौर्य यात्रा निकालने का निर्णय लिया था, लेकिन जिला प्रशासन ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए अनुमति नहीं दी थी। इसके बाद विहिप के विभाग संयोजक ने 11 दिसंबर को हाईकोर्ट में याचिका दायर की। 18 दिसंबर को मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। अंततः 22 दिसंबर को हाईकोर्ट ने शर्तों के साथ शौर्य यात्रा निकालने की अनुमति प्रदान की, जिसके बाद प्रशासन और आयोजकों के बीच समन्वय बनाकर यात्रा आयोजित की गई। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए तय रूट और समय सीमा में ही यात्रा निकाली गई। पूरे कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई और शौर्य यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

प्रदेश सरकार ने बिजली की दरों पर किया गुमराह

ऊर्जा मंत्री इस्तीफा दें, बिजली रेट में प्रस्तावित बढ़ोत्तरी के खिलाफ आंदोलन को मिला जनसमर्थन

जबलपुर। 22 सितम्बर को प्रदेश के ऊर्जा मंत्री पी.एस. तोमर ने घोषणा की थी कि वर्ष 2026 में बिजली के रेट घटाये जायेंगे, क्योंकि जीएसटी घटाया गया है तथा कोयले पर काम्पेनसेशन से जो 400/- रूपये प्रति टन था, उसे समाप्त कर दिया गया है, लेकिन अब बिजली के रेट 10.19 प्रतिशत से बढ़ाने को बिजली कंपनियों द्वारा प्रस्तावित किया गया है, ऐसी सूचना म.प्र. विद्युत नियामक आयोग द्वारा 24 दिसम्बर 2025 को सार्वजनिक की गई है। जनसंगठनों ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार ने बिजली कंपनियों के मार्फत बिजली के रेट बढ़ाने को प्रस्तावित किया है। स्पष्ट है कि राज्य सरकार ने 22 सितम्बर को जानबूझकर जनता को गुमराह किया है तथा अब बिजली के रेट बढ़ाकर जनता के साथ धोखा किया है। इससे आक्रोशित होकर जनसंगठनों ने आज घंटाघर के पास एकत्रित होकर राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की तथा ऊर्जामंत्री पी.एस. तोमर का इस्तीफा मांगा। उन्होंने बताया कि जब तक इस्तीफा नहीं घोषित होगा तब तक समूचे मध्यप्रदेश में प्रस्तावित बिजली रेट बढ़ोत्तरी के खिलाफ आंदोलन जारी रहेगा। इस अवसर पर डॉ. पी.जी. नाजपांडे, रजत भार्गव, टी.के. रायघटक, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, संतोष श्रीवास्तव, सुशीला कनौजिया, डी.आर. लखेरा, पी.एस. राजपूत, एड. घनश्याम सोनकर, अर्जन परोड़ा, अनिता अधौलिया, दिलीप कुण्डे, अशोक नामदेव, इन्द्र कुमार कुशवाहा, मुन्ना लाल नामदेव, विजय बड़गैया तथा राममिलन शर्मा आदि उपस्थित थे।

शैल्बी हॉस्पिटल का निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 30 को

जबलपुर। शैल्बी हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन मंगलवार 30 दिसम्बर 2025 को किया जा रहा है, जिसका समय पूर्वान्ह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक निर्धारित है। शिविर स्थल शैल्बी हॉस्पिटल, अहिंसा चौक, विजय नगर, जबलपुर रहेगा। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार शिविर में शैल्बी हॉस्पिटल के सभी प्रमुख विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श दिया जाएगा। इसमें हृदय, जनरल मेडिसिन सहित विभिन्न विभागों के डॉक्टर मौजूद रहेंगे। शिविर में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण के तहत यूरिक एसिड जांच, रक्तचाप (बीपी) जांच, रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) जांच, ऑक्सीजन स्तर (SPO2) जांच, ईसीजी तथा बोन डेंसिटी जांच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके साथ ही कफ/खांसी की जांच भी की जाएगी। शैल्बी हॉस्पिटल ने नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस अवसर का लाभ लेकर अपनी नियमित स्वास्थ्य जांच अवश्य कराएं।

नाले में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

जबलपुर। ग्वारीघाट थाना क्षेत्र में नाले के पानी में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर लिया है। ग्वारीघाट पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रात्रि आईडियल हिल्स कॉलोनी के नीचे नाले के पानी में एक अज्ञात पुरुष का शव पाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक पंचनामा कार्रवाई की गई। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मृतक की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। साथ ही आसपास के थानों में गुमशुदगी की रिपोर्टों से भी मिलान किया जा रहा है ताकि अज्ञात मृतक की शिनाख्त हो सके।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से कम्प्यूटर सिस्टम चोरी

जबलपुर। थाना पनागर क्षेत्र अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चैबे उमरिया से शासकीय कम्प्यूटर सिस्टम चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार शाम प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चैबे उमरिया में निजी कम्प्यूटर ऑपरेटर के रूप में नीरज बर्मन रिपोर्ट दर्ज कराई कि 24 दिसंबर 2025 को शाम करीब 5 बजे स्वास्थ्य केन्द्र बंद होने के बाद समस्त स्टाफ अपने-अपने घर चले गए थे।

दिनांक 26 दिसंबर को लगभग 11:30 बजे जब वे ड्यूटी पर पहुंचे और कम्प्यूटर कक्ष में जाकर देखा तो डेल कंपनी का कम्प्यूटर सिस्टम गायब मिला। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कम्प्यूटर रूम के पीछे की खिड़की टूटी हुई थी। अज्ञात चोर खिड़की तोड़कर अंदर घुसे और कम्प्यूटर सिस्टम चोरी कर ले गए।

15 सूत्रीय मांगों को लेकर लघु वेतन कर्मचारी संघ ने दिया सांकेतिक धरना

जबलपुर। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर आंदोलन के चौथे चरण में जिले सहित प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों पर एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया गया। जबलपुर में यह धरना टाउन हॉल स्थित गांधी स्मारक में जिला शाखा अध्यक्ष नरेश कुलस्ते के नेतृत्व में आयोजित हुआ। धरने में कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाल करने, पदोन्नति देने, ग्रेड पे 1300 से बढ़ाकर 1800 करने तथा दैनिक वेतनभोगी, अंशकालिक, स्थायी, आउटसोर्स कर्मचारी, आशा-उषा कार्यकर्ता, सहायिका, रसोईया एवं कोटवारों को सम्मानजनक वेतन एवं शासकीय व्यवस्था में शामिल करने सहित 15 सूत्रीय मांगें उठाईं। संघ के संभागीय अध्यक्ष एवं प्रदेश उपाध्यक्ष (आईटी सेल) विपिन पीपरे ने चेतावनी दी कि यदि मांगों का शीघ्र निराकरण नहीं हुआ तो आंदोलन को और उग्र करते हुए अगले तीन चरणों के आंदोलन किए जाएंगे। धरना प्रदर्शन में प्रांतीय सचिव एवं कार्यकारी संभागीय अध्यक्ष सहदेव रजक, जिला स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष रविंद्र राय सहित बड़ी संख्या में संघ पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

थाना जीआरपी ने बालक को परिजनों के सुपुर्द किया

जबलपुर।

थाना जीआरपी स्टाफ द्वारा ऑपरेशन मुस्कान के तहत एक भटके हुए बालक अमित चेचाम पिता नरेश चेचाम उम्र 10 वर्ष निवासी गणेश धाम थाना बाणगंगा इंदौर जो की अपने घर वालों से नाराज़ होकर स्कूल ड्रेस में इंदौर ओवरनाइट एक्सप्रेस से जबलपुर रेलवे स्टेशन पहुँच गया था, ज़ो ड्यूटी स्टाफ द्वारा लड़के को प्लेटफार्म पर अकेला स्कूल ड्रेस में होने से थाना लाकर बच्चे को खाना खिलाया गया एवं सामान्य होने के बाद पूछताछ की गई, बालक द्वारा बताया गया कि इंदौर क्षेत्र का रहने वाला है घर से नाराज़ होकर निकल गया था, जीआरपी ने तत्काल थाना बाणगंगा इंदौर से संपर्क किया, थाने में परिजनों द्वारा बच्चे के गुमने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, बालक की बात परिजनों से कराई गई एवं परिजनों के आने पर पूछताछ के उपरांत बच्चे को सकुशल सुपुर्द किया गया। उल्लेखनीय कार्य में थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत, एएसआई नरेश चौधरी, प्र.आर. धीरेन्द्र सिंह, अरुण तिवारी, आर. गुरजीत आदि उपस्थित थे।

पनागर विकासखंड के ग्राम बरखेड़ा में किसान दिवस पर हुए विविध आयोजन

युवाओं की कृषि व समाजसेवा में हो भागीदारी, किसानों को मिले सम्मान

पनागर।

मेरा युवा भारत जबलपुर के तत्वावधान में पनागर विकासखंड के ग्राम बरखेड़ा में किसान दिवस का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों के योगदान को सम्मान देना और ग्रामीण युवाओं को कृषि व समाज सेवा से जोड़ना रहा। कार्यक्रम में ग्राम के युवाओं के साथ समाज के गणमान्य नागरिकों की सक्रिय उपस्थिति रही। इस अवसर पर सचिन पांडे, निशा सिंह राजपूत, संजू कुशवाहा सहित अन्य युवाओं ने किसानों की भूमिका, कृषि के महत्व तथा ग्रामीण विकास में युवाओं की सहभागिता पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने किसानों के परिश्रम और देश की अर्थव्यवस्था में उनके योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि राष्ट्र की रीढ़ हैं। युवाओं से आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के साथ सामाजिक जागरूकता में भी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। किसान दिवस का यह आयोजन ग्रामीण स्तर पर जागरूकता, एकता और सहभागिता का सशक्त उदाहरण बना, जिसे उपस्थित जनसमुदाय ने सराहा।

स्कूल के वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने पेश किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

सिहोरा।

उपनगर खितौला के तक्षशिला हायर सेकेण्डरी स्कूल में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे नगर पालिका अध्यक्ष के मुख्य आतिथ्य,रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री जनपद पंचायत अध्यक्ष,रविजा पटेल एजुकेशन प्रमोटर,आदित्य भाई पटेल उद्योगपति के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया। विद्यालय प्राचार्या नीति ग्रोवर ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। आयोजन में कक्षा नर्सरी से 12 वीं तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया जिसमें ऑपरेशन सिंदूर, कोलकाता रेप केस ऐयर प्लेन केश, नरसिम्हा, राजस्थानी,कठपुतली डांस आदि सांस्कृतिक कार्यकम बच्चों ने प्रस्तुत किए। वार्षिकोत्सव में बोर्ड परीक्षा के प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को भी अतिथियों ने पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रदीप पाण्डया प्रबंधक, गणेश सिंह दाहिया, शिक्षक सुनीता दुबे, विनीता खरे, जयनारायण पटेल, अवधेश श्रीवास्तव, ममता तिवारी,रितिक दुबे, सरिता पटेल, प्रामिला साहू, महेन्द्र पटेल, दीपक पटेल, आयुष सोनी, मनोज यादव, प्रतिभा पाण्डे, संगीता दाहिया, निशा गौतम, नेहा पाण्डे, गुड्डी कोरी गोल्डी दाहिया, स्वरांजली पटेल, नेन्सी सोनी, रश्मि सोनी,शैलेष श्रीवास्तव, श्रुति जायसवाल, सपना बर्मन,सपना कोरी,पूजा नामदेव, प्रियांशी, दुर्गा, अदिति, मीता साहू,अभिषेक बड़गैया, आदर्श शुक्ला आदि का योगदान रहा।

सुशासन दिवस पर राष्ट्र को योगदान की हुई चर्चा

सिहोरा। सुशासन दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था काशी ग्राम विकास समिति महगवां द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला सुधाकर कॉलोनी में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती पर शाला प्रभारी राजकिशोर अवस्थी,शिक्षक कृष्ण कुमार यादव,समिति अध्यक्ष सनिल यादव, द्वारा छायाचित्र पर तिलक वंदन कर माल्यार्पण किया गया। विनीता साहू,शिवम पटेल,उमेश यादव, कोमल पटेल आदि ने स्वर्गीय अटल बिहारी के विचारों और भारतीय राजनीति में उनके योगदान को वर्णित किया गया।

सरस्वती घाट में अलाव की व्यवस्था, ठंड से मिलेगी राहत

भेड़ाघाट। क्षेत्र में बढ़ती ठंड को देखते हुए नगर परिषद भेड़ाघाट द्वारा सरस्वती घाट में अलाव की व्यवस्था की गई है। अचानक बढ़ी सर्दी से विशेषकर सड़क किनारे रहने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। नगर परिषद के सीएमओ विक्रम सिंह झरिया ने बताया कि ठंड के प्रकोप को देखते हुए अलाव जलाए गए हैं, जिससे जरूरतमंदों को राहत मिल सकेगी। स्थानीय लोगों ने नगर परिषद की इस पहल का स्वागत किया है।

भेड़ाघाट क्षेत्र में वाहन चोर सक्रिय, श्रद्धालुओं में भय

भेड़ाघाट। सरस्वती घाट क्षेत्र में इन दिनों वाहन चोरों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। आए दिन हो रही चोरी की घटनाओं से श्रद्धालुओं और पर्यटकों में भय का माहौल बना हुआ है। हाल ही में सरस्वती घाट में नाई का कार्य करने वाले रंजीत सेन की होंडा शाइन मोटरसाइकिल (एमपी 20 एनपी 8386) अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई। पीड़ित ने काफी तलाश के बाद भेड़ाघाट थाने में एफआईआर दर्ज कराई। लगातार हो रही वाहन चोरियों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जिला आन्दोलन समिति ने बदली रणनीति

सिहोरा। लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने मुख्यमंत्री से मिले आश्वासन के बाद विगत 3 दिसम्बर से चल रहे आन्दोलन की रणनीति बदलते हुए पुराने बस स्टेंड में पंडाल लगाकर चल रहे आन्दोलन को समाप्त कर दिया। पत्रकार वार्ता में आगामी रणनीति की घोषणा करते हुए बताया गया कि आंदोलन के बदले स्वरूप में अब प्रत्यक्ष धरना प्रदर्शन ना करते हुए सिहोरा जिला के काल्पनिक स्वरूप को मजबूती देने वाले क्षेत्र से लिखित अभ्यावेदन प्राप्त कर पुनर्गठन आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। सरकार इस मुद्दे पर भविष्य में ढीली ना पड़े इस हेतु प्रत्येक माह के द्वितीय शनिवार को सिहोरा में इस हेतु एक बैठक तथा रैली का आयोजन जिला बनने तक निरंतर जारी रहेगा। इसी के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व प्रचारक प्रमोद साहू ने अन्न त्याग सत्याग्रह भी समाप्त कर दिया है। उनके इस त्याग से सिहोरा जिला बनने के ठोस मार्ग का उदय हुआ है। आंदोलन समिति ने समस्त सिहोरा वासियों से आग्रह किया कि सिहोरा हमारी मातृभूमि है जन्मभूमि है कर्म भूमि है। इसके सम्मान के लिए हम अब दृढ़ संकल्पित हैं और हमारा कोई भी पक्ष भविष्य में ऐसा कमजोर नहीं पड़ेगा जिससे हमारी आने वाली पीढ़ी अन्य क्षेत्रों की तुलना में सिहोरा को पिछड़ा और उपेक्षित समझे।

महाराज खेत सिंह खंगार जू देव जयंती पर निकली शौर्य शोभायात्रा

मझौली। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी महाराज खेत सिंह खंगार जू देव की जयंती पर भव्य शौर्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा सुबह 10 बजे पडरिया धाम, मझौली से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग से होते हुए मझौली नगर भ्रमण के बाद भगवान विष्णु वाराह मंदिर पहुंची। वाराह मंदिर में ध्वजारोहण के साथ विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। इसके उपरांत शोभायात्रा गजानन माता मंदिर, पडरिया धाम सुनवानी पहुंचकर संपन्न हुई। कार्यक्रम के दौरान संतजनों एवं गणमान्य नागरिकों ने अपने उद्बोधन में महाराज खेत सिंह खंगार जू देव के जीवन, शौर्य एवं समाज के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला। अंत में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर श्री श्री 1008 श्री वेदांती जी महाराज, गजानन माता सेवा समिति के पदाधिकारी, भक्तगण एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

सत्य पालन के लिए हरिश्चन्द्र ने सबकुछ छोड़ा : त्रिपाठी

शिव मंदिर में देवी भागवत कथा

सिहोरा।

शिव मंदिर बाबाताल में इन दिनों भक्ति की बयार बह रही है। नौ दिवसीय श्रीमद् देवी भागवत कथा के चतुर्थ दिवस व्यासपीठ से पंडित इंद्रमणि त्रिपाठी ने कहा कठिन तपस्या के कारण च्यवन ऋषि का शरीर जर्जर हो गया था और दीमक ने उन पर बांबी बना ली थी। राजा शर्याति की पुत्री सुकन्या द्वारा अनजाने में हुई भूल और फिर उनके समर्पण की कथा ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। अश्विनी कुमारों द्वारा च्यवन ऋषि को पुनः युवावस्था प्रदान करने के प्रसंग के माध्यम से उन्होंने आयुर्वेद और भक्ति की शक्ति का महत्व समझाया। आगे कहा विश्वामित्र और राजा हरिश्चंद्र के चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि सत्य के मार्ग पर चलना कठिन अवश्य है लेकिन अंततः विजय सत्य की ही होती है। राजा हरिश्चंद्र ने अपने सत्य के पालन के लिए राज-पाट,पत्नी और पुत्र तक का त्याग कर दिया लेकिन अपना धर्म नहीं छोड़ा आगे कहा आद्यशक्ति की कृपा से ही संसार का संचालन हो रहा है। उन्होंने बताया कि जो मनुष्य सच्चे मन से मां भगवती की शरण में जाता है उसके जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। कथा में दूर-दराज से भी बड़ी संख्या में माताएं, बहनें और धर्मप्रेमी बंधु पहुंच रहे हैं। आरती के पश्चात सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन समिति ने बताया कि आगामी दिनों में देवी के विभिन्न अवतारों और महिमा का सजीव वर्णन किया जाएगा।

निधन

श्री गंगाराम परोहा- रीवा कॉलोनी छापर रामपुर निवासी श्री गंगाराम परोहा (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कमलेश कश्यप- फूटाताल कश्यप मोहल्ला निवासी श्री कमलेश कश्यप (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती विद्यावती मिश्रा- जयनगर यादव कॉलोनी निवासी श्री जेपी मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती विद्यावती मिश्रा (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दीपेंद्र सिंह परिहार- साईं कॉलोनी धनवंतरी नगर निवासी श्री दीपेंद्र सिंह परिहार (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री नीरजकांत झा- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री नीरजकांत झा (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम दयाल- चैतन्य सिटी बिलहरी निवासी श्री राम दयाल (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि
शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
ब्लैक&व्हाईट 300/-
रंगीन 400/-
रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-

स्मारक

राजा ने ही नहीं महिलाओं ने भी बनवाए हैं खूबसूरत स्मारक

अनोखी कहानियों की वजह से भी खास जगह रखते

भारत का गौरवशाली इतिहास इसके प्राचीन मंदिरों, किलों, महलों और औपनिवेशिक स्मारकों में खूबसूरती से झलकता है। देश में कई ऐसे ऐतिहासिक स्थल हैं, जो न सिर्फ अपनी कला और स्थापत्य के लिए मशहूर हैं, बल्कि अपनी अनोखी कहानियों की वजह से भी खास जगह रखते हैं। इन स्मारकों में से अधिकाशं को राजा-महाराजाओं ने बनवाया है लेकिन इन स्मारकों में कुछ ऐसे भी हैं, जिन्हें महिलाओं ने बनवाया,चाहे वे रानियां हों या बेगमें हों या फिर दानवीर महिलाएं। उनकी दूरदर्शिता, शक्ति और कला-प्रेम इन इमारतों में आज भी दिखाई देता है। हुमायूं का मकबरा हो, रानी की वाव या मिर्जन किला. इन सभी ने यह साबित किया कि महिलाएं हर युग में सामर्थ्य और सौंदर्य की मिसाल रही हैं।

कर्नाटक का मिर्जन किला

कर्नाटक का मिर्जन किला गेरसोप्पा की रानी चेन्नाभैरदेवी द्वारा बनवाया गया था उन्हें बेहतरीन काली मिर्च उत्पादन वाली भूमि पर शासन के कारण 'पेपर क्वीन' के नाम से जाना जाता था। कई कारीगरों ने शरण के बदले में 16वीं शताब्दी में इस किले के निर्माण में मदद की। यह किला आज भी अपनी भव्यता बनाए हुए है।

इतिमाद-उद-दौला मकबरा, आगरा

आगरा का मशहूर इतिमाद-उद-दौला मकबरा मुगल इतिहास में खास दर्जा रखता है। महारानी नूरजहां ने इसे 1622–28 के बीच अपने पिता मीर गयास बेग की याद में बनवाया था। सफेद संगमरमर से बना यह देश का पहला ऐसा मकबरा माना जाता है, जिसने बाद में ताज महल की प्रेरणा का काम किया। इसे 'बेबी ताज' भी कहा जाता है।

मुगल वास्तुकला, हुमायूं का मकबरा

दिल्ली स्थित हुमायूं का मकबरा भारत की शुरुआती मुगल वास्तुकला का शानदार उदाहरण है। इसे 1565–72 के बीच हुमायूं की विधवा हाजी बेगम ने बनवाया था। भारतीय मोटिफ्स और फारसी शैली के मेल से बना यह मकबरा न केवल स्थापत्य कला की मिसाल है, बल्कि यहां मुगल वंश के कई शासकों की कब्रें भी मौजूद हैं।

जौनपुर की लाल दरवाजा मस्जिद

जौनपुर स्थित लाल दरवाजा मस्जिद बीबी राजे ने अपने महल के पास संत सैय्यद अली दाऊद कुतुबुद्दीन के सम्मान में बनवाई थी। 1447 में बनाए गए स्मारकों में एक मदरसा भी शामिल था, जिसे आज जामिया हुसैनिया कहा जाता है। उन्होंने अपने शासनकाल में लड़कियों के लिए पहला स्कूल बनवाकर सामाजिक बदलाव की शुरुआत की।

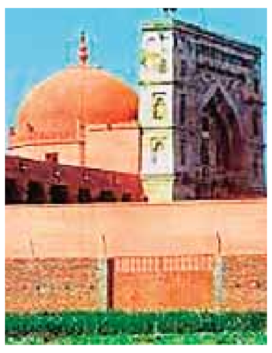

समंदर से निकला 2000 साल पुराना रहस्य, चौंक गए वैज्ञानिक, 115 फीट लंबा मनोरंजन का अड्डा

अलेक्जेंड्रिया। कई बार परातत्व वैज्ञानिकों को खोज करते-करते कुछ ऐसा मिल जाता है, जिसकी उन्हें उम्मीद नहीं होती है। जब ऐसी चीजें खुद ब खुद सामने आ जाती हैं, तो इतिहासकार भी चौंक जाते हैं। कुछ ऐसा ही हुआ, जब मिस्र के अलेक्जेंड्रिया शहर के प्राचीन बंदरगाह में पुरातत्वविदों को एक बड़ी और अनोखी खोज मिली है। यूरोपीय अंडरवॉटर आर्कियोलॉजी संस्थान की टीम ने समुद्र के भीतर खुदाई के दौरान करीब 2000 साल पुराना रहस्य ढूंढ निकाला।

115 फीट लंबी, 23 फीट चौड़ी शाही मनोरंजन नौका : ये कुछ और नहीं बल्कि पुरानी और शाही मनोरंजन नौका है। यह नाव अलेक्जेंड्रिया के पुराने मुख्य बंदरगाह पोर्टस मैग्नस के अंदर स्थित एंटीरोडोस द्वीप के पास मिली। सबसे हैरानी की बात यह है कि इतनी पुरानी होने के बावजूद यह नाव बेहद अच्छी हालत में मिली है। पुरातत्वविदों को इसके लगभग 90 फीट लंबे लकड़ी के हिस्से सुरक्षित मिले हैं, जिससे अंदाजा लगाया गया है कि पूरी नाव करीब 115 फीट लंबी और 23 फीट चौड़ी रही होगी।

धार्मिक एंगल से भी लगाए जा रहे कयास

एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस नाव का संबंध एंटीरोडोस द्वीप पर स्थित देवी आइसिस के मंदिर से हो सकता है। आशंका है कि करीब 50 ईसवी में मंदिर के नष्ट होने के दौरान यह नाव भी डूब गई। कुछ विद्वानों का मानना है कि यह नाव धार्मिक जुलूसों में देवी आइसिस को ले जाने वाली प्रतीकात्मक नौका भी हो सकती है। यह खोज अलेक्जेंड्रिया बंदरगाह के गौरवशाली इतिहास को भी उजागर करती है। सिकंदर महान के बसाए जाने के बाद यह शहर एक छोटे मछुआरे गांव से बदलकर टॉलेमी साम्राज्य और बाद में रोमन दुनिया का सबसे बड़ा व्यापारिक केंद्र बन गया था, जहां अनाज से लेकर अय्याशी क सामान तक का व्यापार होता था।

रहस्यमयी नाव में छिपे हैं कई राज

विशेषज्ञों का मानना है कि यह नाव एक थालामागोस थी, यानि ऐसी आलीशान नाव जिसका इस्तेमाल रोमन काल में अमीर लोग सैर-सपाटे, दावतों या धार्मिक और शाही जुलूसों के लिए करते थे। ऐसी नावों में खास मेहमानों के लिए ढका हुआ भोजन कक्ष भी होता था। पुरातत्व विभाग के निदेशक फ्रैंक गोडियो के मुताबिक यह नाव हो सकता है कि पहली सदी ईस्वी में बनाई गई थी, जब मिस्र रोमन साम्राज्य के अधीन आया था। इसकी चौड़ी बनावट और सपाट तला इस बात का संकेत है कि इसे अलेक्जेंड्रिया की शांत नहरों में आरामदेह यात्रा के लिए बनाया गया था। यह नाव चप्पुओं से चलाई जाती थी और इसे बेहद सुंदर ढंग से सजाया गया होगा।

मरवाही थाना क्षेत्र के भर्रीढांड गांव का मामला

दो बाइकों की आमने-सामने से भिड़ंत, एक मृत, तीन गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गौरेला पेंड्रा मरवाही

मरवाही थाना क्षेत्र के भर्रीढांड गांव में देर रात हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घायलों को जिला अस्पताल मरवाही लाया गया, जहां इलाज को लेकर परिजनों और अस्पताल स्टाफ के बीच जमकर हंगामा हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुर्गेश रजक बाइक चला रहा था, जबकि उसके साथ ईश्वर और विवेक सवार थे। तीनों युवक भर्रीढांड से मरवाही की ओर जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही दूसरी बाइक, जिसे नोहर सिंह नामक युवक चला रहा था, से दोनों बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दुर्गेश रजक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ईश्वर, विवेक और नोहर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल मरवाही पहुंचाया गया। यहां ईश्वर की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर बिलासपुर रेफर कर दिया गया। विवेक को अपेक्षाकृत मामूली चोटें आई हैं, जिसका इलाज जिला अस्पताल में जारी है। वहीं दूसरी बाइक चला रहे नोहर सिंह के पैर में गंभीर चोट आई है, उसका भी उपचार जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

डॉक्टर नर्सिंग स्टाफ नहीं था मौजूद

इधर, जिला अस्पताल पहुंचने पर इलाज में देरी का आरोप लगाते हुए मृतक और घायलों के परिजन आक्रोशित हो गए। परिजनों का कहना है कि आपातकालीन स्थिति के बावजूद अस्पताल में समय पर डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ उपलब्ध नहीं थे, जिससे इलाज में देरी हुई। इसी बात को लेकर अस्पताल परिसर में काफी देर तक हंगामा और विवाद की स्थिति बनी रही। डॉक्टरों द्वारा जांच के बाद दुर्गेश रजक को मृत घोषित किया गया।

तीन श्रेणियों में किया जाएगा पुरस्कृत

उत्तर भारत के 21 गोल्डन अचीवर्स होंगे सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

हम ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जहां समाज में बदलाव की सबसे बड़ी ताकत सरकारें, नीतियाँ या संसाधन नहीं, बल्कि लोग बन रहे हैं। इसी सोच के साथ सतत विकास के प्रमुख लक्ष्यों को हासिल करने हेतु कार्यरत संस्था '2030_का_भारत' नए साल में एक अनोखा और प्रेरणादायक समारोह आयोजित करने जा रही है, जहां उन लोगों को सम्मानित किया जाएगा, जिनके नेक कार्यों ने समाज में बदलाव की बयार पैदा की है।

'गोल्डन अचीवर अवॉर्ड्स- 2026' के नाम से आयोजित इस पहल के अंतर्गत उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में कुल 21 सम्मान प्रदान किए जाएंगे, जो तीन प्रमुख श्रेणियों में विभाजित हैं- बंदियों के जीवन में सुधार लाने वाले जेलर्स, पेशे से प्रोफेशनल न होते हुए भी जरूरतमंद बच्चों को शिक्षित करने वाले टीचर्स और भोजन व्यर्थ न करने हेतु अभियान चलाने वाले व्यक्ति। पहली श्रेणी प्रेरणादायी जेलर्स के सम्मान की है। दूसरी श्रेणी उन लोगों की है, जो पेशे से शिक्षक नहीं हैं, लेकिन शिक्षा के वाहकों की भूमिका निभा रहे हैं। तीसरी श्रेणी उन लोगों की है, जो भोजन की बर्बादी रोकने अभियान चलाते हैं। संस्था का मानना है कि समाज में असली बदलाव सिर्फ सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि लोगों की भागीदारी से आता है। यही वजह है कि यह सम्मान उन लोगों को दिया जा रहा है, जो समाज के लिए सोचते हैं।

परिजनों ने की युवती और प्रेमी के खिलाफ शिकायत

प्रेमिका की बेवफाई से दुखी युवक ने जान दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

जिला मुख्यालय में प्रेम प्रसंग के बावजूद युवती ने किसी और युवक से शादी कर ली। इस बात दुखी युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के परिजन युवती और दूसरे लड़के के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। शहर के नयागंज कोष्टापारा निवासी अभिषेक देवांगन ने गुरुवार की रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले युवक ने सोशल मीडिया में एक भावुक वीडियो भी पोस्ट किया था, वीडियो में अभिषेक ने कहा था कि मैने कभी आपको धोखा नहीं दिया, सच्चे दिल से मोहब्बत की। लड़की के किसी दूसरे लड़के से शादी कर लेने से अभिषेक काफी दुखी हो गया था और इस वजह से उसने आत्महत्या करके अपनी जान दे दी।

मृतक युवक के पोस्टमार्टम एवं अंतिम संस्कार के बाद परिजनों ने सिटी कोतवाली थाना पहुंचकर युवती और उसके साथी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मृतक युवक के छोटे भाई पारस देवांगन ने बताया कि उसके बड़े भाई अभिषेक देवांगन का एक लड़की के साथ लंबे समय तक रिलेशन में था। इस दरम्यान उसके बड़े भाई को यह नहीं पता था कि लड़की का दूसरा प्रेमी भी है। कुछ दिन पहले लड़की ने उसके भाई से बातचीत बंद कर दी थी और दूसरे लड़के के साथ शादी कर ली, जिससे दुखी होकर उसके भाई ने ये यह कदम उठा लिया।

युवती पर डबल गेम खेलने का आरोप

अभिषेक के पिता ने भी युवती के खिलाफ कई आरोप लगाते हुए बताया कि लड़की उसके बेटे के साथ डबल गेम खेल रही थी। मृतक युवक के पिता ने यह भी कहा कि उसके बेटे को बहुत परेशान किया गया है जिससे परेशान होकर उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में वे लड़की और दूसरे लड़के को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग कर रहे हैं। इस मामले में पुलिस का कहना है कि अभी मामले की जांच की जा रही है, पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों और पुलिस में तनाव, महिला टीआई को पीटा

रायगढ़। जिले के तमनार क्षेत्र के ग्रामीणों और पुलिस के बीच भारी तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। तमनार क्षेत्र के 14 गांव के ग्रामीण पिछले दिनों जिंदल कंपनी के गारे पेलमा कोल ब्लाक के लिये हुई जनसुनवाई को फर्जी बताकर लिबरा गांव में स्थित सीएचपी चौक में धरना प्रदर्शन कर रहे थे।

बताया जा रहा है कि तमनार क्षेत्र के ग्राम खुषरूलेंगा गांव में भारी वाहन की चपेट में आकर साइकिल सवार एक ग्रामीण बुरी तरह घायल हो गया। जिससे आक्रोशित ग्रामीणों ने लात-घूसों और लाठी- डंडे से महिला थाना प्रभारी को जमकर पीटा। ग्रामीणों ने वहां मौजूद कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया।

पोस्टर लांच करते सीएम डॉ. यादव।

उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाएगा मप्र जन अभियान परिषद

मुख्यमंत्री ने किया ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान का पोस्टर लांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र जन अभियान परिषद स्वामी विवेकानन्द जी की जयंती 12 जनवरी से गणतंत्र दिवस 2026 तक ग्रामोदय से अभ्युदय मप्र अभियान के तहत ग्राम विकास पखवाड़ा आयोजित कर रहा है। इस अभियान के पोस्टर का विमोचन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन में किया। इस अवसर पर परिषद् के उपाध्यक्ष मोहन नागर एवं कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाइ सहित योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय कुमार शुक्ल भी उपस्थित रहे। अभियान का उद्देश्य परिषद् की नवांकुर संस्थाओं एवं प्रस्फुटन समितियों के माध्यम से सरकार के विभिन्न विभागों की दो वर्ष की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाना है।

समाधान योजना का प्रथम चरण 31 दिसंबर तक, उठाएं सरचार्ज में सौ फीसदी तक छूट का लाभ

योजना में अब तक 2 लाख 46 हजार 372 बकायादार उपभोक्ताओं ने कराया पंजीयन

255 करोड़ 53 लाख मूल राशि हुई जमा, 133 करोड़ 40 लाख रुपए का सरचार्ज हुआ माफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विगत 3 नवंबर से शुरू हुई समाधान योजना 2025-26 का लाभ लाखों बकायादार उपभोक्ता उठा रहे हैं। कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ता योजना के प्रथम चरण में ही अपना बकाया बिल एकमुश्त जमा करके सौ फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ उठा सकते हैं। मध्य प्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 का प्रथम चरण चल रहा है, जो कि 31 दिसंबर 2025 को समाप्त होगा। इस दौरान बकायादार उपभोक्ताओं को सरचार्ज में अधिकतम छूट का लाभ मिल रहा है। हालांकि 1 जनवरी से 28 फरवरी 2026 तक दूसरा चरण चलेगा, लेकिन उसमें सरचार्ज माफी का प्रतिशत कम हो जाएगा इसलिए प्रथम चरण में ही योजना में शामिल होकर अधिकतम लाभ उठाएं।

अब तक मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 2 लाख 46 हजार 372 बकायादार उपभोक्ताओं ने अपना पंजीयन कराकर लाभ लिया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के खाते में 255 करोड़ 53 लाख से अधिक की मूल राशि जमा हुई है, जबकि 133 करोड़ 40 लाख का सरचार्ज माफ किया गया है।

समाधान योजना 2025-26 : एक नजर में

समाधान योजना 2025-26 का उद्देश्य 3 माह से अधिक अवधि के उपभोक्ताओं को बकाया विलंबित भुगतान के सरचार्ज पर छूट प्रदान करना है। यह योजना जल्दी आएं, एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाएं के सिद्धांत पर आधारित है। इस योजना में उपभोक्ता को प्रथम चरण में एकमुश्त भुगतान करने पर सबसे अधिक लाभ होगा जबकि द्वितीय चरण के दौरान छूट का प्रतिशत क्रमशः कम होता जाएगा। यह योजना दो चरणों में प्रारंभ होकर प्रथम चरण की शुरुआत 3 नवंबर से 31 दिसंबर 2025 तक रहेगी जिसमें 60 से लेकर 100 प्रतिशत तक सरचार्ज माफ किया जाएगा। इसी तरह द्वितीय और अंतिम चरण में जो कि एक जनवरी से 28 फरवरी 2026 तक लागू रहेगी, इसमें 50 से 90 फ़ीसदी तक सरचार्ज माफ किया जाएगा। प्रथम चरण में एकमुश्त राशि जमा कराने पर अधिकतम लाभ होगा। समाधान योजना 2025-26 का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल हेतु portal.mpcz.in पर पंजीयन कराना होगा। कंपनी के उपाय एप एवं कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) तथा एमपी ऑनलाइन पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है। पंजीयन के दौरान अलग-अलग उपभोक्ता श्रेणी के लिए पंजीयन राशि निर्धारित की गई है। घरेलू एवं कृषि उपभोक्ता कुल बकाया राशि का 10 प्रतिशत तथा गैर घरेलू और औद्योगिक उपभोक्ता कुल बकाया राशि का 25 प्रतिशत भुगतान कर पंजीयन कराकर योजना में शामिल होकर लाभ उठा सकते हैं।

एकमुश्त अथवा किस्तों में भुगतान करने का विकल्प

मध्य प्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 के लागू होने से ऐसे अनेक उपभोक्ता हैं जो बकाया बिल जमा कर रहे हैं और एकमुश्त बकाया जमा राशि जमा करने पर अधिकतम छूट का लाभ ले रहे हैं। यह योजना उन बकायादार उपभोक्ताओं के लिए वरदान बनी है जो सरचार्ज के कारण मूलधन राशि जमा नहीं कर पा रहे थे। अब उन्हें समाधान योजना के प्रथम चरण में सरचार्ज में 60 से लेकर 100 प्रतिशत तक छूट के साथ एकमुश्त अथवा किस्तों में भुगतान करने का विकल्प मिल रहा है।

पूर्व सीएम सिंह ने शेयर की मोदी-आडवाणी की तस्वीर, जिसमें मोदी नीचे बैठे दिख रहे

दिग्विजय ने संघ-भाजपा की तारीफ की, कहा-संगठन की ताकत जय सियाराम, फिर पलटे...बोले मैं इनका विरोधी, हमेशा ही रहूंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह शनिवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक शुरू होने से ठीक पहले अचानक चर्चा में आ गए। कारण है उनका सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किया गया पोस्ट, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी की एक पुरानी तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में पीएम मोदी लालकृष्ण आडवाणी के पैरों के पास बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर साझा करते हुए कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने लिखा कि आरएसएस का एक जमीनी स्वयंसेवक और भाजपा का जमीनी कार्यकर्ता किस प्रकार नीचे बैठकर मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री बना।

तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि आरएसएस का एक जमीनी स्वयंसेवक और भाजपा का जमीनी कार्यकर्ता किस प्रकार नीचे बैठकर मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री बना

आडवाणी के साथ पीएम मोदी

सिंह बोले- लोगों ने मेरी बातों को गलत समझा

सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद पार्टी सांसद दिग्विजय सिंह से जब पूछा गया कि क्या उन्होंने संगठन को फिर से सक्रिय करने की बात की, तो उन्होंने इस पर अपनी सफाई। उन्होंने कहा कि दरअसल, मैंने पार्टी संगठन की तारीफ की थी।

राहुल-प्रियंका के साथ पीएम मोदी को भी किया टैग

इस पोस्ट को और ज्यादा चर्चा में लाने वाली बात यह है कि दिग्विजय सिंह ने इसमें राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी टैग किया। इसके साथ ही पोस्ट की टाइमिंग भी काफी अहम मानी जा रही है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

नागपुर मंडल में रेलवे की विभिन्न आपूर्ति के लिए ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा द्वारा निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है:

1. **निविदा सूचना क्रमांक:** NIT/22/DEC/95256612/03 दिनांक: 22.12.2025
आइटम का विवरण: थिक वेब कर्व्ड स्विच आदि। **मात्रा:** 70 सेट्स.
अनु. निविदा मूल्य: ₹ 3,66,74,400/-
ईएमडी: ₹ 7,33,490/-
देय तिथि: दिनांक **13.01.2026**

2. **निविदा सूचना क्रमांक:** NIT/17/DEC/95256613/04 दिनांक: 22.12.2025
आइटम का विवरण: वेज फॉर TWS आदि।
मात्रा: 44,500 नग.
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 54,55,700/-
ईएमडी: ₹ 1,09,110/-
देय तिथि: दिनांक **15.01.2026**

3. **निविदा सूचना क्रमांक:** NIT/17/DEC/95256614/05 दिनांक: 22.12.2025
आइटम का विवरण: लीफ स्प्रिंग आदि।
मात्रा: 50,500 नग.
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 73,29,570/-
ईएमडी: ₹ 1,46,590/-
देय तिथि: दिनांक **15.01.2026**

4. **निविदा सूचना क्रमांक:** NIT/22/DEC/95256600A/06 दिनांक: 22.12.2025
आइटम का विवरण: हाइड्रोलिक री-रेलिंग उपकरण आदि। **मात्रा:** 1 सेट.
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 77,36,082/-
ईएमडी: ₹ 1,54,720/-
देय तिथि: दिनांक **15.01.2026**

देय समय: सभी निविदा हेतु 10:30 बजे।

नोट: उपर्युक्त निविदा ई-निविदा है और सभी निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि अपनी बोलियाँ IREPS वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ऑनलाइन जमा करें। उपर्युक्त निविदा और अन्य आपूर्ति निविदाओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया IREPS वेबसाइट पर जाएँ।

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर

MS/55-245

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

अरावली पहाड़ियों से जुड़ा मुद्दा इन दिनों केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह एक बड़े सामाजिक–राजनीतिक आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इसे पर्यावरण संरक्षण का गंभीर सवाल बता रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार इसे खनन माफिया पर सख्त प्रहार के रूप में पेश कर रही है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा से यह सवाल उठ रहा था कि क्या अरावली के माध्यम से खनन उद्योग को गति प्रदान की कोशिश हो रही है ? हालांकि सरकार यह प्रदर्शित कर रही है कि वह खनन को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है, लेकिन क्या इन प्रयासों से वास्तव में नियमानुसार खनन हो पाएगा ? माना जा रहा है कि अरावली की नई परिभाषा से इन पहाड़ियों में खनन और तेज हो जाएगा और पहाड़ियां खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएंगीं। यह थार रेगिस्तान को पूर्वी भारत की ओर बढ़ने से रोकने में एक प्राकृतिक दीवार की तरह काम करती है। यही कारण है कि इसे उत्तर भारत का “रक्षा कवच” भी कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार अरावली पर्वत शृंखला केवल जीव-जंतुओं के लिए ही नहीं, बल्कि इंसानों के लिए भी एक लाइफ लाइन है। अब सबसे अहम यह है कि क्या सचमुच अरावली का भविष्य सुरक्षित है? इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

अरावली के अस्तित्व पर संकट

विश्लेषण

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

देश में बढ़ते विकास के बीच जंगल, पहाड़ अक्सर अपनी कुर्बानी देते हैं भारत में इसका सबसे ताजा उदाहरण अरावली है जो विकास बनाम पर्यावरण के बीच खड़ी है। करीब 690 किलोमीटर लंबी अरावली, जो गुजरात से शुरू होकर राजस्थान और हरियाणा होते हुए दिल्ली तक फैली है। इसने सदियों से उत्तर-पश्चिमी भारत में जलवायु संतुलन और बायोडायवर्सिटी को बचाए रखा है। आज अरावली एक बार फिर विकास, पर्यावरण संरक्षण और कानून के टकराव के बीच में खड़ी है। अरावली का महत्व सिर्फ पहाड़ों तक सीमित नहीं है। यह थार रेगिस्तान को पूर्वी भारत की ओर बढ़ने से रोकने में एक प्राकृतिक दीवार की तरह काम करती है। यही कारण है कि इसे उत्तर भारत का “रक्षा कवच” भी कहा जाता है। पर्यावरण के लिहाज से अरावली भूजल को रिचार्ज करने में मदद करती है, जिससे राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर में पानी का संतुलन बना रहता है।

करीब 690 किलोमीटर लंबी अरावली, जो गुजरात से शुरू होकर राजस्थान और हरियाणा होते हुए दिल्ली तक फैली है। इसने सदियों से उत्तर-पश्चिमी भारत में जलवायु संतुलन और बायोडायवर्सिटी को बचाए रखा है। आज अरावली एक बार फिर विकास, पर्यावरण संरक्षण और कानून के टकराव के बीच में खड़ी है। आज, अरावली रेंज खतरे में है। अवैध माइनिंग ने 20 फीसदी इलाके को नष्ट कर दिया है। वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि यहां के जंगलों को बचाना और उनका विस्तार करना बहुत ज़रूरी है। माइनिंग को कंट्रोल करना भी ज़रूरी है

प्रदूषण रोकने में मददगार

ये पहाड़ियां धूल भरी आंधियों को रोकती हैं और प्रदूषण को सोखकर दिल्ली-एनसीआर की हवा को साफ रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि अगर अरावली कमजोर हुई तो रेगिस्तान फैल सकता है और उत्तर भारत में जल संकट और गंभीर हो जाएगा। एक ओर अरावली को उत्तर भारत के पर्यावरणीय संतुलन के लिए बेहद अहम बताया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष इसे प्रदेश के भविष्य से जुड़ा मुद्दा बनाकर सड़क से सदन तक संघर्ष की तैयारी में जुट गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर, 2025 में अरावली की परिभाषा बदल दी, जिसमें 100 मीटर से ऊंची जगहों को ही पहाड़ी माना जाएगा। इस आदेश से सिर्फ राजस्थान के 15 जिलों में 12,081 पहाड़ियों में से केवल 1,048 (8.7 फीसदी) ही इस मानक को पूरा कर सकेंगी और 90 फीसदी से अधिक क्षेत्र संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएगा। यही बात पर्यावरणविदों को चिंता में डाल रही है। उनका कहना है कि सिर्फ़ ऊँचाई के आधार पर अरावली को परिभाषित करने से कई ऐसी पहाड़ियों पर खनन और निर्माण के लिए दरवाज़ा खुल जाने का खतरा पैदा हो जाएगा, जो 100 मीटर से छोटी हैं, झाड़ियों से ढंकी हुई और पर्यावरण के लिए जरूरी हैं।

जनजीवन से जुड़ा है मामला

यह फैसला सिर्फ कानूनी व्याख्या का मामला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, पर्यावरण व भविष्य से जुड़ा सवाल है। इसलिए पर्यावरणविद मांग कर रहे हैं कि सरकार अरावली क्षेत्रों को वैज्ञानिक मानकों से परिभाषित करे, जिसमें उसका भूगोल, पर्यावरण. वन्यजीव संपर्क और जलवायु संघर्ष क्षमता शामिल हो। हालांकि, सरकार और कुछ कानून विशेषज्ञों का कहना है कि नई परिभाषा 1980 के दशक से चली आ रही, जो इस लड़ाई पर एक सामान्य परिभाषा बनाएगी। कोर्ट ने भी माना कि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक वास्तविकताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अरावली क्षेत्र में पत्थर और खनिजों का खनन हजारों लोगों की आजीविका से जुड़ा है और बुनियादी ढांचे के लिए जरूरी है। बिना ठोस वैज्ञानिक और कानूनी आधार के पूरी तरह से प्रतिबंध के कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं।केंद्र सरकार का कहना है कि नई परिभाषा का मकसद नियमों को मज़बूत करना और एकरूपता लाना है, न कि सुरक्षा को कम करना। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि यह मान लेना ग़लत है कि 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली हर जमीन पर खनन की इजाज़त होगी।

अब अरावली की नई परिभाषा

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि 1,47,000 वर्ग किलोमीटर में फैली अरावली शृंखला का सिर्फ़ दो फीसदी हिस्सा ही संभावित रूप से खनन के लिए इस्तेमाल हो सकता है और वह भी विस्तृत अध्ययन और आधिकारिक मंजूरी के बाद। बहरहाल, अरावली पर्वत शृंखला के संरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश और केंद्र सरकार द्वारा अरावली की नई परिभाषा तय करने के प्रयासों के बाद राजस्थान की राजनीति गरमा गई है। इस पूरे विवाद की जड़ में एक सबसे अहम सवाल है, जो देखने में सरल लेकिन असल में बेहद खतरनाक है- आखिर अरावली की कानूनी और पर्यावरणीय परिभाषा क्या होनी चाहिए? सुप्रीम कोर्ट ने जो नई परिभाषा पर मुहर लगाई है क्या वो पर्यावरण मानकों और साइंटफिक स्केल के दायरे में किया गया है? यह सवाल इसलिए अहम बन जाता है क्योंकि इसी परिभाषा के आधार पर यह तय होता है कि कौन-सा क्षेत्र खनन, रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स या संरक्षण के दायरे में आएगा। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्र सरकार की सुझाई गई परिभाषा को स्वीकार किए जाने के बाद यह बहस और तीखी हो गई है। अरावली का महत्व केवल स्थानीय नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर भी अत्यंत व्यापक है। यह पर्वतमाला थार मरुस्थल और उत्तर भारत के घनी आबादी वाले मैदानों के बीच एक प्राकृतिक ढाल की तरह काम करती है। राजस्थान, दिल्ली और गुरुग्राम जैसे क्षेत्रों में यह धूल भरी हवाओं को रोकने, तापमान नियंत्रित करने और वर्षा के जल को जमीन में समाहित करने में सहायक है। अरावली के जंगल कार्बन अवशोषण और वायु शुद्धिकरण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। यदि अरावली को गंभीर क्षति पहुंचती है, तो इसके परिणाम दूरगामी होंगे। विशेषज्ञों के अनुसार इससे वायु प्रदूषण में वृद्धि, भीषण गर्मी और हीटवेव, और भूजल स्तर में तेज गिरावट जैसी समस्याएं और गहराएंगी।

माइनिंग कंट्रोल करना ज़रूरी

यह राजस्थान में मरुस्थलीकरण की गति बढ़ सकती है, जबकि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण और जल संकट और गंभीर रूप ले सकता है। अरावली पर सुप्रीम कोर्ट की नई परिभाषा ने एक ऐसे निर्णायक मोड़ की ओर संकेत किया है, जहां कानूनी व्याख्या और पर्यावरणीय वास्तविकता के बीच संतुलन स्थापित करना अनिवार्य हो गया है। आने वाले समय में इस फैसले के प्रभाव केवल कानून की किताबों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उत्तर भारत के पर्यावरण और जनजीवन पर गहरी छाप छोड़ सकते हैं। दरअसल, यह पूरा मामला दिखाता है कि अरावली संरक्षण की लड़ाई लंबी है। विकास और पर्यावरण का संतुलन कैसे बनेगा, यह समय बताएगा। लेकिन आज, अरावली रेंज खतरे में है। अवैध माइनिंग ने 20 फीसदी इलाके को नष्ट कर दिया है। सरकार अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट चला रही है। वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि यहां के जंगलों को बचाना और उनका विस्तार करना बहुत ज़रूरी है। माइनिंग को कंट्रोल करना भी ज़रूरी है।

जीवन के लिए पर्वतीय शृंखला का जिंदा रहना जरूरी

मुद्दा

सुशील देव

वरिष्ठ स्तंभकार

अरावली पहाड़ियों से जुड़ा मुद्दा इन दिनों केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह एक बड़े सामाजिक–राजनीतिक आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इसे पर्यावरण संरक्षण का गंभीर सवाल बता रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार इसे खनन माफिया पर सख्त प्रहार के रूप में पेश कर रही है। दशकों से चल रही राजनीति, विरोधाभासी फैसलों और बदलती परिभाषाओं के बीच यह सवाल सबसे अहम है कि क्या सचमुच अरावली का भविष्य सुरक्षित है? हाल ही में केंद्र सरकार ने अरावली पहाड़ियों में नए खनन मामलों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली–एनसीआर तक फैली पूरी अरावली शृंखला पर लागू किया गया है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि जो खदानें पहले से संचालित हैं, उन्हें सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार सभी पर्यावरणीय मानकों और सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन करना होगा। सरकार का दावा है कि इससे प्रकृति को हो रहे नुकसान को रोका जाएगा और अरावली क्षेत्र में हरियाली लौटाने के प्रयास किए जाएंगे। इसी बीच अरावली की परिभाषा को लेकर विवाद गहरा गया है। हालिया सुप्रीम कोर्ट के फैसले में कहा गया कि केवल वही भूमि अरावली पहाड़ी मानी जाएगी, जो आसपास की जमीन से कम से कम 100 मीटर ऊंची हो।

इस परिभाषा के सामने आते ही पर्यावरणविदों और विपक्षी दलों ने आशंका जताई कि इससे बड़ी संख्या में छोटी पहाड़ियां, टीले और झाड़ियों से ढके क्षेत्र संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएंगे। कांग्रेस का आरोप है कि नई परिभाषा के तहत अरावली का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संरक्षित नहीं रह पाएगा और उसे रियल एस्टेट या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए खोला जा सकता है। सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज करती है। उसका कहना है कि विपक्ष भ्रम फैला रहा है और खनन पर लगे प्रतिबंध से बौखला गया है। पर्यावरण मंत्रालय का दावा है कि अरावली के संरक्षण के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सर्वे ऑफ इंडिया को नई परिभाषा के आधार पर नक्शा तैयार करने के निर्देश केवल स्पष्टता के लिए दिए गए हैं। बावजूद इसके, इस मुद्दे पर देशभर में विरोध प्रदर्शन, हस्ताक्षर अभियान और जनसभाएं हो रही हैं, जो बताती हैं कि जनता की चिंता गहरी है। अरावली मानसून के दौरान बादलों की दिशा मोड़ने में अहम भूमिका निभाती है, जिससे पूर्वी राजस्थान और उत्तरी मैदानों को वर्षा मिलती है। यह थार मरुस्थल के विस्तार को रोकती है और रेत–धूल को दिल्ली–एनसीआर तक पहुंचने से काफी हद तक थामे रखती है। इसके अलावा, अरावली को भूजल रिचार्ज का इंजन भी कहा जाता है। इस क्षेत्र में मौजूद जंगल, चट्टानें और मिट्टी वर्षा जल को जमीन में समाहित कर जलस्तर बनाए रखने में मदद करते हैं।

यदि अरावली कमजोर होती है, तो दिल्ली–एनसीआर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पानी और हवा दोनों का संकट और गहरा सकता है। पहले ही गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के इलाकों में अरावली की कई पहाड़ियां कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुकी हैं।

यदि अरावली कमजोर होती है, तो दिल्ली–एनसीआर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पानी और हवा दोनों का संकट और गहरा सकता है। पहले ही गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के इलाकों में अरावली की कई पहाड़ियां कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुकी हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अरावली को लेकर राजनीतिक दलों की भूमिका भी सवालों के घेरे में रही है। आरोप है कि 2003 में कांग्रेस सरकार के दौरान 100 मीटर ऊंचाई वाली परिभाषा की नींव रखी गई थी, जिसे 2010 में सुप्रीम कोर्ट में पेश किया गया। तब अदालत ने उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। अब करीब 14 साल बाद वही परिभाषा एक बार फिर सामने आई और सुप्रीम कोर्ट की मुहर लग गई। इस कारण विपक्ष और पर्यावरणविद् दोनों सरकार की मंशा पर सवाल उठा रहे हैं। सच्चाई यह है कि अरावली को सबसे ज्यादा नुकसान राजनीति से ज्यादा लालच और अनियंत्रित विकास ने पहुंचाया है। खनन, रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचे के नाम पर इस पर्वतमाला को लगातार काटा गया। नतीजा यह है कि दिल्ली–एनसीआर में प्रदूषण का स्तर खतरनाक बना रहता है और लोगों की औसत आयु तक प्रभावित हो रही है। आज जरूरत इस बात की है कि अरावली को केवल राजनीतिक बहस का विषय न बनाकर राष्ट्रीय धरोहर के रूप में देखा जाए। वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और स्थानीय समुदायों की राय को गंभीरता से सुना जाए। विकास और संरक्षण के बीच संतुलन बनाना ही एकमात्र रास्ता है। क्योंकि सच यही है-अगर अरावली जिंदा रहेगी, तभी हमारी हवा, पानी और जीवन भी सुरक्षित रह पाएगा।

अरावली बचाने की मुहिम पर सवाल उठाना गलत

विवाद

रोहित कौशिक

स्वतंत्र पत्रकार

अरावली पर चले रहे विवाद के बीच केन्द्र सरकार ने राज्यों को अरावली में नए खनन पट्टे देने पर पूरी तरह रोक लगाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि यह रोक पूरे अरावली क्षेत्र पर समान रूप से लागू होगी और इसका मकसद इस क्षेत्र की अखंडता को बनाए रखना है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा से यह सवाल उठ रहा था कि क्या अरावली के माध्यम से खनन उद्योग को गति प्रदान की कोशिश हो रही है ? हालांकि सरकार यह प्रदर्शित कर रही है कि वह खनन को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है लेकिन क्या इन प्रयासों से वास्तव में नियमानुसार खनन हो पाएगा ? माना जा रहा है कि अरावली की नई परिभाषा से इन पहाड़ियों में खनन और तेज हो जाएगा और अरावली की पहाड़ियां खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएंगीं, जिससे कई तरह के पर्यावरणीय बदलाव होंगे। मुख्य रूप से राजस्थान में अरावली की नई परिभाषा को लेकर आन्दोलन तेज हो गया है। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में अरावली की पहाड़ियां हैं लेकिन राजस्थान में अरावली की 80 प्रतिशत पहाड़ियां हैं।

सस्टेनेबल माइनिंग का अर्थ यह है कि खनन करते हुए वहां के पर्यावरण, जल, जंगल और जनता की जिंदगी को स्थायी हानि न हो।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने अरावली की पहाड़ियों में अवैध खनन को रोकने के लिए केन्द्र सरकार से जवाब मांगा था। कोर्ट का कहना था कि अरावली की पहाड़ियों को लेकर कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। सभी राज्य अपने अनुसार यह तय करते हैं कि वे किस पहाड़ को पहाड़ मानेंगे और किस पहाड़ पर खनन करने की इजाजत देंगे। इसी संशय को दूर करने के लिए केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने एक समिति बनाई। इस समिति ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी सिफारिशें दाखिल कीं। केन्द्र सरकार ने इस सिफारिशों में सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यदि किसी पहाड़ की ऊंचाई 100 मीटर या उससे ज्यादा है तो उस पहाड़ से 500 मीटर के इलाकों को अरावली क्षेत्र माना जाएगा और वहां किसी भी प्रकार के खनन की अनुमति नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने इन सिफारिशों को स्वीकार करते हुए कहा कि जो पहाड़ इस परिभाषा के हिसाब से अरावली क्षेत्र में नहीं आएंगे, वहां सस्टेनेबल माइनिंग यानी टिकाऊ खनन हो सकेगा। सस्टेनेबल माइनिंग का अर्थ यह है कि खनन करते हुए वहां के पर्यावरण, जल, जंगल और जनता की जिंदगी को स्थायी हानि न हो। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ लोगों में गुस्सा है। लोगों का मानना है कि इस परिभाषा के हिसाब से अरावली के 90 प्रतिशत पहाड़ खत्म हो जाएंगे क्योंकि इन पहाड़ों की ऊंचाई 100 मीटर से ज्यादा नहीं है। यह सही है कि अरावली क्षेत्र में पहले से ही खनन होता रहा है लेकिन अब समाज में अरावली को बचाने की चिंता देखी जा रही है तो इस चिंता को कठघरे में खड़ा नहीं किया जाना चाहिए।

देश में तमाम प्राकृतिक धरोहरों को संभालना होगा

सियासत

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

हाल ही में राजस्थान में अरावली की पहाड़ियां इन दिनों सियासत की जंग का मैदान बनी हुई हैं। अरावली को लेकर सब अपने-अपने हिसाब से परिभाषित कर रहे हैं जिसे लेकर जबरदस्त विवाद छिड़ा हुआ है। आरोप-प्रत्यारोप का खेल भी जमकर हो रहे हैं। भाजपा आरोप लगा रही है कि पूर्व सीएम अशोक गहलोत जो ‘सेव अरावली’ कैंपेन चला रहे थे, वह उन्हीं के कार्यकाल में अरावली 100 मीटर की परिभाषा की सिफारिश की गई थी और हमने वो ही किया।

हमें पहले यह समझना चाहिए कि अरावली भारत की रीढ़ है जो चार राज्यों से गुजरती है। यह उत्तर-पश्चिम भारत में लगभग 670 किलोमीटर लंबी मानी जाती है। यह दिल्ली के पास से शुरू होकर दक्षिण हरियाणा और राजस्थान के अंदर तक जाती है और फिर गुजरात में अहमदाबाद के आसपास के मैदानों तक पहुंचती है।

भूगोलविद सीमा जालान बताती हैं कि अरावली 67 करोड़ वर्ष पुरानी पर्वतमाला है और यह नहीं होतीं तो उत्तर भारत की जाने कितनी नदियां नहीं होतीं। जाने कितने जंगल, कितनी वनस्पतियां, कितने बहुमूल्य धातु और कितने इकोलॉजिकल वैभव नहीं होते। विशेषज्ञों के अनुसार अरावली पर्वत शृंखला केवल जीव-जंतुओं के लिए ही नहीं बल्कि इंसानों के लिए भी एक लाइफ लाइन है। सरकार इस मुद्दे की गंभीरता को समझे। जिस तरह केंद्र सरकार ने अरावली पहाड़ियों को 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली घोषित किया गया है और इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी मुहर लगा दी। इसके अलावा हरियाणा सरकार के हस्तक्षेप करने का कारण यह है कि अरावली का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा ही हरियाणा में आता है और बाकि हिस्सा राजस्थान में है। जनता का आरोप है कि बीते कई वर्षों से अरावली की चोरी हो रही है और 100 मीटर बने

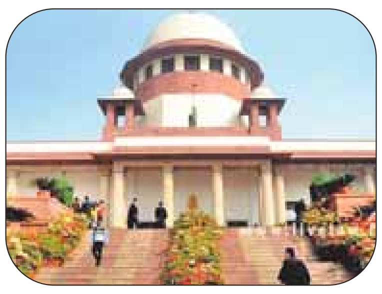

आज जब अरावली की समस्या आई तो हर कोई अपनी उपस्थिति दर्ज करा है लेकिन यह सबको पता है कि कोई भी प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर नष्ट या क्षतिग्रस्त एकदम या कुछ समय में नहीं होती।

कानून का कोई औचित्य नहीं है। वहीं, दूसरी ओर सरकार ने इसकी पैरवी की और ये गाइडलाइन सुप्रीम कोर्ट के जरिए की जा रही है। कांग्रेस का आरोप है कि एक तरफ देश में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार अरावली जैसी प्राकृतिक दीवार को कमजोर करने का काम कर रही है।

पहले ही अरावली में बड़े स्तर पर अवैध खनन हो रहा है। बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हो रहा है, ऐसे में कैसे बचेगी अरावली और कैसे बचेगा पर्यावरण? बहरहाल, आज जब अरावली की वजह से प्राकृतिक समस्या आई तो हर कोई अपनी उपस्थिति दर्ज करा है लेकिन यह सबको पता है कि कोई भी प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर नष्ट या क्षतिग्रस्त एकदम या कुछ समय में नहीं होती। इसमें लंबा समय लगता है और यह खुला खेल हमेशा शासन-प्रशासन के सामने ही होता रहा है। मौजूदा स्थिति में हाईटेक होने के लिए हर रोज विश्व का एक सकारात्मक दिशा की ओर निर्माण हो रहा है जिसमें भारत का नाम भी बेहद चुनिंदा देशों में गिना जाने लगा। हम अन्य देशों की अपेक्षा पर्यावरण व प्राकृतिक धरोहरों को बचाने व संभालने में उतने सक्षम नहीं हैं जितने कि हमें जरूरत है। दरअसल मामला यह है कि लगातार बढ़ रही जनसंख्या को व्यवस्थित करने के लिए हम पर्यावरण व धरोहरों का विनाश करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। मानव जीवन की सबसे अहम व मूलभूत जरूरत को दरकिनार करके तरक्की करना अपराध सा लगता है।

हमारे यहां जनसंख्या का तेजी से बढ़ना जारी है तो उस आधार पर सरकारों को जनता के लिए जगह की व्यवस्था करनी होती है जिसके चलते जंगल का पर्यावरण व पहाड़ों को बर्बाद किया जा रहा है देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। वैज्ञानिकों ने लगातार हो रही आपदाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों के अधिक इस्तेमाल को जिम्मेदार ठहराया है। उनका मानना है कि आज स्थिति के आधार पर हमारी धरती अपने भार से कहीं अधिक भार वहन कर रही है। अगर यही हाल रहा तो अगले कुछ वर्ष बाद ही धरती रहने लायक नहीं बचेगी।

संपूर्ण पारिस्थितिकी का संरक्षण अनिवार्य होना चाहिए

पर्यावरण

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

राजनीतिक विवाद का विषय बनी प्राकृतिक पर्वतीय शृंखला अरावली में नए खनन पट्टे जारी करने पर केंद्रीय शासन ने पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए हैं। राजधानी दिल्ली में वर्ष के अधिकांश समय प्राकृतिक अस्थिरता, अदृश्यता व प्रदूषण की विकरालता को ध्यान में रखते हुए विचार किया जाए तो शासन का ऐसा निर्णय अत्यंत सकारात्मक है। इसके अनुरूप पर्वतीय पारिस्थितिकी को संरक्षित करने हेतु निर्धारित शासकीय मानदंडों का दैनिक कठोर क्रियान्वयन अब अपरिहार्य हो चुका है। पारिस्थितिकी की रक्षा तथा उत्तर भारत में पर्यावरण संरक्षा हेतु ऐसा होना अति आवश्यक है। इस संदर्भ में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने वानिकी अनुसंधान तथा शिक्षा परिषद् (आईसीएफआरई) को इसी प्रकार के अन्य संरक्षित क्षेत्रों में वृद्धि करने के भी निर्देश दिए हैं। मंत्रालय का आशय है कि खनन की भेंट चढ़ने वाले अन्य प्राकृतिक स्थलों की रक्षा पर भी ध्यान दिया जाए तो आवश्यकता होने पर तत्काल क्रियान्वयन संबंधी निर्णय लिए जाएं। मंत्रालय के आदेश में अरावली में ऐसे नये भूभाग चिन्हित करने का भी उल्लेखन है, जहां खनन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। ऐसा प्रतिबंध पहले से प्रतिबंधित भूभागों के अतिरिक्त अन्य भूभागों पर होगा तथा यह प्रतिबंध संपूर्ण अरावली क्षेत्र पर समान रूप में लागू होगा। इसका उद्देश्य अरावली की भौगोलिक संरचना को सुरक्षित रखना तथा यहां अनियंत्रित खनन को रोकना है।

विवाद तथा आपत्तियां

वास्तव में 20 नवंबर को उच्चतम न्यायालय ने अपने एक निर्णय में अरावली पर्वत के संदर्भ में एक परिभाषा दी थी। इसमें पर्यावरण मंत्रालय की समिति की संस्तुतियों को स्वीकार करते हुए अरावली में खनन के विषय पर एक नई परिभाषा दी गई कि यहां उन्हीं पहाड़ियों या चोटियों को अरावली माना जाएगा जो स्थानीय भूतल स्तर से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंची हैं। इस पर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से लेकर स्थानीय पर्यावरण संरक्षकों ने आपत्तियां तथा कड़ा विरोध प्रदर्शित किया। पर्यावरणविदों तथा 'सेव अरावली' नामक समिति के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि इस परिभाषा के कारण अरावली का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा (छोटी पहाड़ियां) वन संरक्षण नियम की परिधि से बाहर हो सकता है, जिससे वहां अनियंत्रित व अत्यधिक खनन एवं निर्माण

पर्वतीय पारिस्थितिकी को संरक्षित करने हेतु निर्धारित शासकीय मानदंडों का कठोर क्रियान्वयन अपरिहार्य हो चुका है। पारिस्थितिकी की रक्षा तथा उत्तर भारत में पर्यावरण संरक्षा हेतु ऐसा होना जरूरी है।

गतिविधियों का रास्ता खुल जाएगा। चूंकि अरावली का सर्वाधिक अस्सी प्रतिशत क्षेत्र राजस्थान में स्थित है, अतः वहां सड़कों से लेकर सोशल मीडिया तक अभियान छिड़ गया है तथा मेवाड़ व उदयपुर अंचलों में तो इस संबंध में उग्र प्रदर्शन हुए हैं। प्रकृति संरक्षण के विषय को विपक्षी राजनीतिक गतिविधियों के कारण केंद्र के विरोध में जाता देख केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने अरावली के संदर्भ में नवीन स्पष्टीकरण और आदेश जारी कर दिए। शासन के समर्थन से उन्होंने गत 25 दिसंबर को पूरे अरावली क्षेत्र (दिल्ली से गुजरात तक) में नवीन खनन पट्टा जारी करने पर अंतरिम रोक लगा दी है। नये आदेश में स्पष्ट है कि पुरानी खदानें भी तभी चल सकेंगी, जब वे कठोर पर्यावरणीय नियमों का पालन करेंगी। शासन ये दावा भी कर रहा है कि मंत्रालय की संस्तुति पर विचार के बाद सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अरावली में खनन के लिए दी गई नई परिभाषा भ्रम दूर करने के लिए है तथा अरावली का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अभी भी संरक्षित रहेगा और केवल 2 प्रतिशत से कम क्षेत्र में ही खनन की संभावना ढूंढी जाएगी। 2018 की एक रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में अरावली का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा अवैध खनन के कारण पहले ही नष्ट हो चुका है। अब सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद अरावली बचाओ संघर्ष समिति ने इस निर्णय को चुनौती देने के लिए कानूनी विकल्प ढूंढने की घोषणा की है। अरावली संघर्ष समिति, पर्यावरणविदों तथा विपक्ष के विरोध के बाद केंद्रीय शासन ने राज्यों (राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, गुजरात) को निर्देश दिया है कि अरावली की संरक्षा तथा अवैध खनन पर सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों और पर्यावरणीय मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

सरोकार सम्मत निष्कर्ष

देशभर में वनों, हरित संपदा से संचित क्षेत्रों, पर्वतों, पठारों, कृषि, वानिकी, उद्यानों, इत्यादि प्राकृतिक संसाधनों का विनाश तो आधुनिक अवसंरचनात्मक विकास के लिए कई दशकों से हो ही रहा है। इसीलिए प्रतिकूल ऋतुगत भिन्नतायें उत्पन्न हो रही हैं। तापमान असंतुलन के कारण सभी ऋतुएं पंचतत्त्वों को अज्ञात व्याधियों से घेर रही हैं। कंक्रीट से भरे हुए पूरे दिल्ली-एनसीआर में मृदा तथा वनस्पति से युक्त क्षेत्र अति सीमित हो गये हैं। अब कंक्रीट है, जो इन्हें अवशोषित नहीं कर पाता, इसीलिए इनके विलयन हेतु प्रतिवर्ष वर्षा की प्रतीक्षा रहती है। वर्षा यदि विलंब से होती है, तो इस नरक की समयावधि बढ़ जाती है। इस वर्ष यही वस्तुस्थिति है। अतः जलवायु की ऐसी अन्य दुर्दशाओं से सुरक्षित रहने हेतु न केवल अरावली पर्वतमाला को अपितु संपूर्ण भारत तथा विश्व की प्राकृतिक संपदाओं को सतत् संरक्षित करना अनिवार्य हो चुका है।

राहुल भारत विरोधी वैश्विक साजिश के स्थायी प्रतिनिधि बन गए

सुधांशु ने पुतिन और पित्रोदा के बयानों का किया जिक्र

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा सांसद और पार्टी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राहुल गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधा। त्रिवेदी ने राहुल पर भारत विरोधी गठबंधन का हिस्सा होने का आरोप लगाया। त्रिवेदी ने कहा कि सैम पित्रोदा ने एक इंटरव्यू में कहा था कि कांग्रेस पार्टी ग्लोबल प्रोग्रेसिव अलायंस का हिस्सा है और उसी में भाग लेने के लिए राहुल गांधी जर्मनी गए थे। पित्रोदा ने कहा कि राहुल गांधी इस अलायंस के सह-अध्यक्ष हैं और वे खुद इसके सदस्य हैं। त्रिवेदी ने कहा कि ग्लोबल प्रोग्रेसिव अलायंस भारत विरोधी गतिविधियों से जुड़ा है। त्रिवेदी ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की किताब का हवाला देकर राहुल की समझ पर सवाल उठाया। साथ ही, पित्रोदा के एक बयान पर त्रिवेदी ने कांग्रेस को भारत विरोधी वैश्विक साजिश का हिस्सा बताते हुए हमला बोला।

सैम ने कांग्रेस को ग्लोबल प्रोग्रेसिव अलायंस का हिस्सा बताया

भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस को घेरा

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ओबामा ने राहुल की समझ पर किया था प्रश्न

भाजपा सांसद और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी

पुतिन का जिक्र कर राहुल पर की आरोपों की बौछार

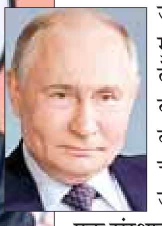

भाजपा ने कहा कि हाल ही में राहुल ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से उनकी मुलाकात न होने पर आपत्ति जताई थी। लेकिन मुलाकात सिर्फ मेजबान देश ही तय नहीं करता, बल्कि मेहमान देश भी तय करता है। राहुल से पूछना चाहते हैं अभी आप जर्मनी गए थे, तो उन्होंने एक संस्थान में भारत विरोधी बयान दिया, लेकिन वह संस्थान रूस में प्रतिबंधित है।

सोरोस ने राष्ट्रवादी ताकतों को हराने 10 लाख डॉलर का फंड दिया...

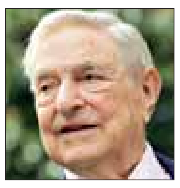

जॉर्ज सोरोस का जिक्र कर भाजपा ने कहा कि 23 जनवरी 2020 को दावोस में सोरोस ने कहा था कि दुनिया में सिविल सोसाइटी को फिर से स्थापित करने और राष्ट्रवादी ताकतों को हराने के लिए 10 लाख डॉलर का फंड खर्च करने का ऐलान किया था और प्रधानमंत्री मोदी का नाम साफ तौर पर लिया था। राहुल को कांग्रेस के द्वारा सत्ता पाने की संभावनाएं खत्म होती नजर आ रही हैं। वे भारत विरोधी ताकतों की मदद से सत्ता पाने का दिवा-स्वप्न देख रहे हैं।

हमें इससे फर्क नहीं पड़ता

भाजपा ने कहा कि जब पित्रोदा से सवाल किया गया कि आप सोरोस से जुड़े लोगों के साथ उठते बैठते हैं, जिस पर पित्रोदा ने कहा- हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। भाजपा ने कांग्रेस को घेरा।

पित्रोदा ने कांग्रेस का असली चेहरा बेनकाब कर दिया

त्रिवेदी ने इसके बाद इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा के एक हालिया बयान पर भी

कांग्रेस को घेरा। त्रिवेदी ने कहा राहुल के लंबे समय के सलाहकार सैम पित्रोदा, जो उनके दिवंगत पिता के भी सलाहकार थे और उनकी विचारधारा और सोच के निर्माता हैं, ने अनजाने में कांग्रेस पार्टी का असली चेहरा बेनकाब कर दिया है।

कांग्रेस मैच प्रैक्टिस नहीं करती अंपायर को बनाती है दोषी

भाजपा ने कांग्रेस की संगठनात्मक कमजोरी पर सवाल उठाए और कहा कि कांग्रेस संगठन पर बैठकें नहीं करती। वह उस बल्लेबाज जैसी है, जो कभी प्रैक्टिस नहीं करता, अंपायर को दोषी मानता है।

खबर संक्षेप

एम्स ऋषिकेश में भर्ती कुख्यात त्यागी की मौत

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश में भर्ती कुख्यात विनय त्यागी की उपचार के दौरान शनिवार को घटना के तीसरे दिन मौत हो गई। उसका ट्रॉमा सेंटर में उपचार चल रहा था। पुलिस अभिरक्षा में कोर्ट में पेशी पर जाते समय बदमाशों ने पुलिस के वाहन पर फायरिंग की थी। त्यागी के सीने, हाथ और गले में गोली लगी थी। एम्स के पीआरओ श्रीलॉय मोहंती ने मौत की पुष्टि की है।

भगदड़ में अल्लू अर्जुन के खिलाफ चार्जशीट पेश

मुंबई। अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म 'पुष्पा-2' के प्रीमियर के दौरान हुई भगदड़ मामले में पुलिस ने 1 साल बाद चार्जशीट दाखिल कर दी है। बीते 4 दिसंबर 2024 को ये ये भगदड़ हैदराबाद के संध्या थिएटर जो आरटीसी एक्स रोड्स पर है, में एक महिला की मौत हो गई थी। वहीं एक छोटा बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस पर कार्रवाई की गई है।

दिल्ली में आघात के तहत 966 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। नव वर्ष समारोह से पहले दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में चलाए गए एक व्यापक अभियान के दौरान दिल्ली पुलिस ने 966 लोगों को गिरफ्तार किया।ऑपरेशन आघात 3.0 अभियान साल के अंत में उत्सवों के दौरान लोगों की आवाजाही को देखते हुए संगठित अपराध, सड़क अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए शुरू किया गया था।

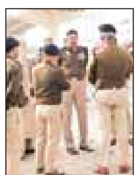

2025 में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या बढ़ी

वित्त वर्ष 2025 में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या का आंकड़ा 16.54 करोड़ तक पहुंच गया, जो कि सालाना आधार पर 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है। यह आंकड़ा कोविड-पूर्व स्तर के लगभग 14.15 करोड़ से 16.8 प्रतिशत अधिक है। भारतीय वाहकों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या 3.38 करोड़ रही, जो कि सालाना आधार पर 14.1% की वृद्धि है।

कोर्ट ने सजा दी, कोर्ट ने ही जमानत दी: ब्रजभूषण

नई दिल्ली। उन्नाव रेप केस में दोषी ठहराए गए पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबित होने के बाद देशभर में उठे विरोध के बीच भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और कैसरगंज से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह उनके समर्थन में आ गए हैं। जब सजा देने वाली और सजा निलंबित करने वाली संस्था एक ही है तो शोर क्यों?

सीडब्ल्यूसी की बैठक में खरगे और राहुल गांधी ने किया ऐलान

अब हम चुप नहीं बैठेंगे, 5 जनवरी से देशव्यापी 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू करेगी कांग्रेस

बैठक में नेताओं ने मनरेगा को बचाने का संकल्प लिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को खत्म करने के खिलाफ देशभर में अभियान चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पांच जनवरी से पूरे देश में 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू करेगी। वहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने खरगे की इस अपील का समर्थन किया है। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के बाद खरगे ने बताया कि इस बैठक में कांग्रेस नेताओं ने मनरेगा को बचाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मुद्दे पर जनता के बीच जाएगी और सरकार के फैसले का विरोध करेगी। खरगे ने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं है, बल्कि यह संविधान की ओर से दिया गया काम करने का अधिकार है। इसे कमजोर या खत्म करना गरीबों और मजदूरों के अधिकारों पर सीधा हमला है। उन्होंने यह भी कहा कि मनरेगा को खत्म करने के फैसले से लोग नाराज हैं और सरकार को इसके नतीजे भुगतने पड़ेंगे। खरगे ने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जारी रखेगी।

जनता के बीच जाएंगे और सरकार के फैसले का विरोध करेंगे

इस बीच राहुल ने भी खरगे की इस अपील का समर्थन किया

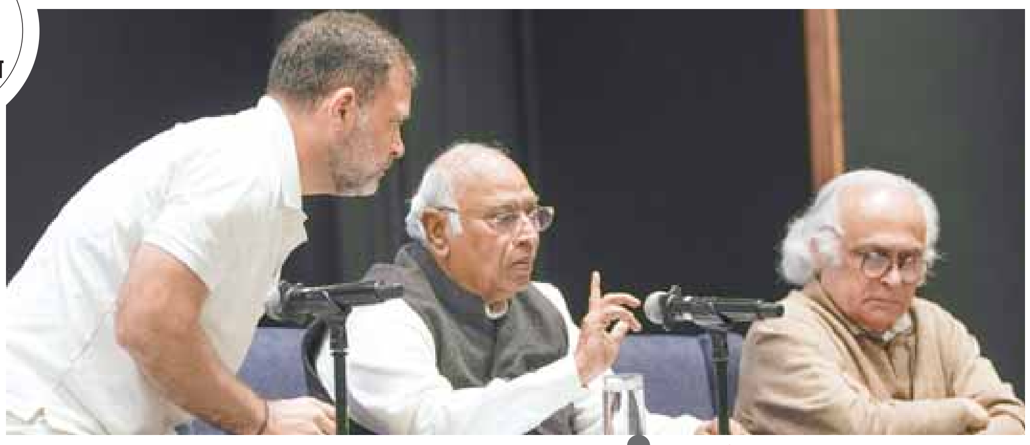
राहुल ने यह कहा

लोकतंत्र और संविधान पर हो रहा हमला

खरगे ने कहा कि मनरेगा को खत्म करने के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाने की जरूरत है। उन्होंने कृषि कानूनों का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह कड़े विरोध के बाद सरकार को वे कानून वापस लेने पड़े थे, उसी तरह मनरेगा के मामले में भी जनता की आवाज उठेगी। इसके साथ ही खरगे ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब देश में लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के अधिकारों पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

केंद्र ने बिना सलाह लिए योजना को खत्म किया

खरगे ने कहा कि मनरेगा यूपीए सरकार का एक दूरदर्शी कानून था, जिसकी सराहना पूरी दुनिया में हुई। इस योजना का असर इतना बड़ा था कि इसका नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि (केंद्र की नरेंद्र) मोदी सरकार ने बिना किसी अध्ययन, मूल्यांकन या राज्यों और राजनीतिक दलों से सलाह लिए इस कानून को रद्द कर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने ऐसा ही तरीका तीन कृषि कानूनों के साथ अपनाया था।

मनरेगा को खत्म करना संघीय ढांचे पर सीधा हमला

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि मनरेगा को खत्म करना अधिकार पर आधारित प्रणाली और देश के संघीय ढांचे पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि यह फैसला गरीबों और राज्यों के अधिकारों को कमजोर करता है। राहुल ने कहा कि मनरेगा केवल एक रोजगार योजना नहीं थी, बल्कि यह एक विकास का ढांचा था। इसने ग्रामीण भारत को मजबूती दी और लोगों को काम करने का अधिकार दिया। प्रधानमंत्री ने बिना मंत्रिमंडल से सलाह लिए मनरेगा को एकतरफा तरीके से खत्म कर दिया।

नोटबंदी जैसा फैसला बताया

राहुल ने इसे राज्यों और गरीब लोगों पर किया गया घातक हमला बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम भी उसी तरह एकतरफा है, जैसे पहले नोटबंदी का फैसला लिया गया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस फैसले का विरोध करेगी और इसके खिलाफ लड़ाई लड़ेगी। राहुल गांधी ने भरोसा जताया कि इस मुद्दे पर पूरा विपक्ष एकजुट होकर सरकार के इस कदम के खिलाफ खड़ा होगा।

विजयन को शिवकुमार ने दी नसीहत

हकीकत जाने बिना हमारे राज्य के मामले में 'वे' दखल न दें

अवैध झुग्गियों को तोड़ा गया

सीएम विजयन

डीके शिवकुमार

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को केरल के मुख्यमंत्री को उत्तरी बेंगलुरु में चल रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान में हस्तक्षेप न करने की सलाह दी। केरल के सीएम पिनराई विजयन ने शुक्रवार को कर्नाटक की राजधानी में मुस्लिम आवासीय क्षेत्रों को कथित तौर पर ध्वस्त किए जाने की कड़ी निंदा करते हुए इस कार्रवाई को चौंकाने वाला और पीड़ादायक बताया था। उन्होंने कहा था कि फकीर कॉलोनी और वसीम लेआउट में वर्षों से रह रहे मुस्लिम परिवारों के घर गिराए जाना दर्दनाक और चौंकाने वाला है। यह पूरी तरह एक राजनीतिक बयान है। बिना तथ्य जाने पिनराई विजयन को हमारे राज्य के मामलों में दखल नहीं देना चाहिए। यह चुनाव के समय किया गया राजनीतिक हथकंडा है।

वह अधिसूचित जमीन थी

शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि जिस जमीन पर झुग्गियां बनी थीं, वह ठोस कचरा प्रबंधन के लिए नौ साल पहले अधिसूचित की गई थी। उन्होंने कहा कि यह जगह एक पुरानी खदान और कचरा डंपिंग साइट है, जो बेहद खतरनाक और स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने रातों-रात अवैध रूप से कब्जा कर लिया। यह जमीन हड़पने का मामला है। इसमें किसी समुदाय को निशाना बनाने की बात बिल्कुल गलत है।

बुलडोजर का नहीं किया गया इस्तेमाल

डीके ने कहा कि इस कार्रवाई में किसी भी तरह के बुलडोजर का इस्तेमाल नहीं किया गया। हमने सिर्फ सार्वजनिक जमीन की रक्षा की है। यह शहर के बीचों-बीच स्थित कचरा प्रबंधन की जगह है। हम ऐसे अवैध स्लम को बढ़ावा नहीं देंगे।

जबरन अतिक्रमण किया गया था

शिवकुमार के अनुसार अधिकतर अतिक्रमणकारी बाहरी लोग हैं और कुछ ही स्थानीय हैं। उन्होंने बताया कि यह इलाका ब्यातारायनपुरा विधानसभा क्षेत्र में आता है, जहां से राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा विधायक हैं। उन्होंने कहा कि वह वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं और उन्होंने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए थे कि किसी भी तरह की भूमि हड़पने की कोशिश न होने दी जाए।

आईजीएमसी में डॉक्टर और मरीज के बीच हाथापाई

रेजिडेंट डॉक्टर गए आकस्मिक अवकाश पर, नारेबाजी भी की

प्रदेशभर के स्वास्थ्य संस्थानों में सेवाएं ठप रहीं

108 और 102 एंबुलेंस कर्मचारी भी हड़ताल पर गए

एजेंसी ▶▶ शिमला

इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) में डॉक्टर और मरीज के बीच हुई हाथापाई मामले ने तूल पकड़ लिया है। शुक्रवार को डॉक्टरों के कैजुअल लीव पर जाने से प्रदेशभर के स्वास्थ्य संस्थानों में सेवाएं ठप रहीं। मरीज इलाज के लिए भटकते रहे। अभी तक मरीजों को ऑपरेशन की अगली तारीख नहीं दी गई है। अब डॉक्टर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। दूसरी ओर 108 और 102 एंबुलेंस कर्मचारियों के भी हड़ताल पर जाने से मरीजों की परेशानी और बढ़ा दी है।

डॉक्टर की सेवाएं समाप्त करने पर गुस्सा बढ़ा

मरीज से मारपीट के आरोप में डॉ. राघव की सेवाएं समाप्त किए जाने के बाद रेजिडेंट डॉक्टर गुस्से में हैं। टांडा, नाहन, नेरचौक, चंबा और हमीरपुर मेडिकल कॉलेज में सेवाएं प्रभावित रहने का खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ा। ओपीडी के बाहर मरीजों की लंबी कतारें लगी रहीं। लेकिन बिना उपचार किए घर लौटना पड़ा। ओपीडी में स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की तैनाती भी मरीजों की भीड़ के आगे वह भी बेबस रही।

कोहरे से 80 से ज्यादा ट्रेनें विलंब से चल रहीं, तेजस रद्द

नई दिल्ली। कोहरे के कारण ट्रेन यात्रियों की मुश्किलें बढ़ रही हैं। ट्रेनें घंटों देरी से चल रही हैं। कई दिनों से लगातार देरी के कारण शनिवार को नई दिल्ली-लखनऊ तेजस एक्सप्रेस रद्द कर दी गई। वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस और कटिहार-नई दिल्ली चंपारण हमसफर एक्सप्रेस 20 घंटे से ज्यादा देरी से दिल्ली पहुंचीं। 80 से ज्यादा ट्रेनें दो से 21 घंटे की देरी से पहुंचीं।

हवा महल में पर्यटकों की भीड़

जयपुर। शनिवार को जयपुर में सर्दियों की छुट्टियों के मौसम में हवा महल में पर्यटकों की भीड़ लगी रही।

एनसीपी (एसपी) और अजित की एनसीपी के मर्जर की चर्चाएं तेज

एकता की बयार...चाचा-भतीजे की जुगलबंदी का ब्लूप्रिंट तैयार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) और अजित पवार की एनसीपी के मर्जर की चर्चाएं तेज हैं। बताया जा रहा है कि ऐसा होने की सूरत में पुराना समझौते का ब्लूप्रिंट ही अमल में लाया जाएगा। इस समझौते के मुताबिक अजित पवार महाराष्ट्र की सियासत संभालेंगे। वहीं, लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले के जिम्मे दिल्ली रहेगी और वह राष्ट्रीय स्तर के मामले देखेंगी। बेहद विश्वसनीय सूत्रों के हवाले से आ रही खबर में यह दावे किए जा रहे हैं।

समझौते के अनुसार अजित संभालेंगे महाराष्ट्र की सियासत

शरद के संन्यास लेने की चर्चा

असल में एनसीपी-एसपी के दिग्गज शरद पवार का राज्यसभा कार्यकाल अप्रैल 2026 में खत्म हो जाएगा। माना जा रहा है कि 85 साल के हो चुके शरद पवार, इसके बाद सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लेंगे। पहले भी शरद राजनीति छोड़कर सोशल वर्क को ज्यादा समय देने की इच्छा जता चुके हैं। कहा जा रहा है कि पारिवारिक कार्यक्रमों से इतर पवार परिवार के बीच कई मीटिंग्स का दौर चला है।

सुले को केंद्र की राजनीति की स्वतंत्रता रहेगी

यह भी चर्चा की गई कि अजित लोकसभा सांसद सुले के भविष्य को सुनिश्चित करेंगे और उन्हें केंद्र की राजनीति में पूरी स्वतंत्रता देंगे। वजह, उन्होंने दिल्ली में राजनीति को राज्य की तुलना में अधिक कुशलता से संभालने का प्रदर्शन किया है।

बीएमसी चुनाव में विपक्षी एकता का गुब्बारा फूटा कांग्रेस का अलग राग

बीएमसी के चुनाव में एमवीए के साथ ही इंडिया गठबंधन भी पूरी तरह दरक गया है। चुनाव के लिए 15 जनवरी को वोटिंग होनी है और उससे पहले तमाम कोशिशों के बाद भी एमवीए में शामिल दल एकजुट नहीं हो सके। एमवीए में शामिल उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना से हाथ मिला तो कांग्रेस ने इससे पहले ही एमवीए से अलग होकर चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया था।

असम में 40% बांग्लादेशी

प्रदेश की मूल पहचान खतरे में, राज्य बारूद के ढेर पर

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने एक कार्यक्रम में दावा किया कि राज्य की कुल जनसंख्या में से 40 फीसदी बांग्लादेशी मुस्लिम हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में 34 प्रतिशत मुस्लिम आबादी थी, 3 फीसदी असमी मुस्लिम थे, तो बांग्लादेशी मूल के मुस्लिमों की जनसंख्या करीब 34 प्रतिशत थी। यह चिंतनीय है।

यहां के हालात को बताया चिंताजनक

सरमा ने हाल ही में एक मीडिया कार्यक्रम के दौरान भी यही बात कही थी और कहा कि असम एक बारूद के ढेर पर बैठा है, जहां बांग्लादेशी मूल के लोगों की आबादी 40 प्रतिशत तक पहुंच गई है। सरमा ने कहा कि चिंताजनक बात ये है कि इन लोगों को भारत में अब वैधता मिल चुकी है। राज्य की मूल पहचान खतरे में है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ असम बल्कि पूरे देश की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय हो सकता है।

शिव ने दिया भस्मासुर को वरदान, नारायण ने मोहिनी रूप धारण कर किया भस्मासुर का वध

भस्मासुर से बचने के लिए भगवान महादेव जी जिस गुफा में छुपे उसे गुप्तधाम के नाम से जाना जाता है

जबलपुर। शिवशक्ति सेवा समिति और शांतम प्रज्ञा आश्रम के तत्वावधान में गोहलपुर स्थित अग्रवाल लॉन में आयोजित सात दिवसीय दिव्य शिव महापुराण कथा के दूसरे दिन शनिवार को व्यासपीठ पर विराजमान कथा वाचक पंडित दिनेश गर्ग ने अपनी अमृतवाणी से श्रोताओं को शिव की महिमा से अवगत कराया।

पं. दिनेश गर्ग ने कथा में बताया गया कि भस्मासुर एक शक्तिशाली राक्षस था जिसने भगवान शिव को प्रसन्न करने और वरदान प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की। उसकी भक्ति से प्रभावित होकर, भगवान शिव भस्मासुर के सामने प्रकट हुए और उससे अपना मनचाहा वरदान मांगने को कहा। शिवजी उसे यह वरदान दे देते हैं। भस्मासुर अपनी मांग बदल कर यह वरदान मांगता है कि वह जिसके भी सिर पर हाथ रखे वह भस्म हो जाए। शिवजी उसे यह वरदान दे देते हैं। तब भस्मासुर शिवजी को ही भस्म करने उनके पीछे दौड़ पड़ता है। जैसे-तैसे अपनी जान बचा कर भोलेनाथ शंकर भगवान विष्णु की शरण में जाते हैं और उन्हें पूरी बात बताते हैं। भगवान विष्णु फिर भस्मासुर का अंत करने के लिए मोहिनी रूप रचते हैं और कहते हैं वह सिर्फ उसी से विवाह करेगी जो उसकी तरह नृत्य में प्रवीण हो। अब भस्मासुर को नृत्य आता नहीं था, तो उसने इस कार्य में मोहिनी से मदद मांगी। मोहिनी तुरंत तैयार हो गई। नृत्य सिखाते-सिखाते मोहिनी ने अपना हाथ अपने सिर पर रखा और उनकी देखा-देखी भस्मासुर भी शिव का वरदान भूलकर अपना ही हाथ अपने सिर पर रख बैठा और खुद ही भस्म हो गया। इस तरह विष्णु भगवान की सहायता से भोलेनाथ की विकट समस्या का हल हो गया। भस्मासुर से बचने के लिए भगवान महादेव जी जिस गुफा में छुपे उसे गुप्तधाम के नाम से जाना जाता है। यह कथा हमें यह सिखाती है कि शक्ति का दुरुपयोग विनाश का कारण बनता है और अहंकार अंततः स्वयं का ही सर्वनाश करता है। कथा के समय गणेश पटेल, रुपेश पिंटू पटेल, नवीन पटेल, महेश पटेल, सुनील पटेल, प्रदीप मिश्रा, नीलेश सोनी, आयुष पटेल, प्रवीण नामदेव, अभिषेक कोरी की उपस्थिति रही।

हनुमान मंदिर में सोमनाथ दिव्य ज्योतिर्लिंग का भव्य दर्शन, रुद्र पूजन हुआ

जबलपुर। गौतम जी की मड़िया के सामने संकट मोचन हनुमान मंदिर में सोमनाथ दिव्य ज्योतिर्लिंग का भव्य दर्शन, 1000 वर्षों के बाद जबलपुर में रुद्र पूजन का आयोजन प्रातः 9:30 बजे से आयोजित हुआ जिसमें सैकड़ों की तादाद में श्रद्धालु एवं भक्तजन रुद्र पूजन में उपस्थित रहे। आयोजक मनीषा लुंबा ने बताया कि परम पूज्य रविशंकर के आदेश अनुसार सोमनाथ में भगवान चंद्र देव द्वारा स्थापित शिवलिंग को जब आक्रमणकारियों ने ध्वस्त कर दिया था इस शिवलिंग के अंश अग्निहोत्र लेकर चले गए थे जिनका लगभग हजारों वर्ष तक पूजन किया गया, तत्पश्चात वहीं अंश शंकराचार्य के पास पहुंचा, शंकराचार्य ने लगभग 100 वर्ष तक इसका पूजन किया एवं प्रण लिया कि जब तक राम मंदिर का निर्माण नहीं होगा इसको सबके सामने नहीं लाएगे,

परंतु आज जब राम मंदिर का भव्य निर्माण हो गया है, तो आज जबलपुर के संकट मोचन मंदिर गौतम जी की मड़िया में ज्योतिर्लिंग का विधिवत रूद्र पूजन का आयोजन किया गया। मनीषा लुंबा ने इस अवसर पर पधारे सभी भक्तजन एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

संतों के सान्निध्य में निकली भव्य कलश यात्रा

जबलपुर। श्री माँ महालक्ष्मी धार्मिक सेवा समिति द्वारा पचमठा महालक्ष्मी मंदिर प्रांगण, आधारताल तालाब में विराट अष्ट महालक्ष्मी नारायण कुबेर महायज्ञ की शोभायात्रा भव्यता से निकाली गई, जिसमें 501 कलशधारी महिलाओं ने सहभागिता की। शोभायात्रा में चार बग्घियों में संतगण, भगवान विष्णु लक्ष्मीजी कुबेरजी की सजीव झांकी के साथ माँ नर्मदा की सजीव झांकी विराजमान थी। अन्य बग्घी में प्रधान यज्ञाचार्य पं. राजेश मिश्रा, राष्ट्रीय कथा वाचने पं. आचार्य कपिल महाराज विराजमान थे। कलश यात्रा मंदिर प्रांगण से जवाहरनगर, विजय चौक, जेपी नगर, झंडा चौक, आधारताल मेनरोड से प्राचीन हनुमान मंदिर होकर पचमठा मंदिर यज्ञ मंडल पहुंची। महालक्ष्मी मंदिर समिति अध्यक्ष

पं. ऋषि मिश्रा, पं. आचार्य कपिल महाराज ने बताया कि 27 दिसम्बर को देवी, देवताओं का पूजन अर्चन व आह्वान किया गया। 29 दिसम्बर को देवी, देवताओं का आह्वान कर अरणीमंथन कर अग्नि प्रज्जवलित की जाएगी। यह यज्ञ पूर्वतः जनकल्याण, लोक कल्याण, वैभव व संतान प्राप्ति, सुख समृद्धि, पारिवारिक सुख शांति, गृह क्लेश निवारण एवं उत्तम स्वास्थ्य हेतु बनारस से आये वैदिक विद्वानों द्वारा कराया जा रहा है। कलश शोभायात्रा में दिनेश ताम्रकार, दिवाकर सोनी, देवेन्द्र तिवारी, सुनील केशरवानी, दीपक राय, संतोष पटेल, सत्येन्द्र मिश्रा, जागृति मिश्रा, संजय बघेल, राकेश मिश्रा, विजय शंकर शुक्ला, प्रभात चौबे, गुल्लू दुबे, रमाकांत मिश्रा, अतुल खरे, सुबोध पहारिया, पूर्व पार्षद प्रदीप यादव, पार्षद विमल राय, महेश राजपूत, अंजना मनीष अग्रहरी सहित अनेक भक्तगण शामिल हुए।

वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस की तैयारियों का किया औचक निरीक्षण

जबलपुर। संस्कारधानी में आयोजित होने जा रही प्रतिष्ठित वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस एवं गीता भवन के उद्घाटन समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। शनिवार को पाटन विधानसभा क्षेत्र के विधायक अजय विश्नोई और निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने आयोजन स्थलों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण की शुरुआत मानस भवन से हुई, जहां कॉन्फ्रेंस के मुख्य सत्र आयोजित होंगे। इसके बाद निगमायुक्त ने गीता भवन वैचारिक अध्ययन केंद्र पहुंचकर परिसर में साफ-सफाई, बैठक व्यवस्था, प्रकाश और सौंदर्यकरण कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय सीमा में सभी व्यवस्थाएं पूर्ण की जाएं, अन्यथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के समय अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंडी में समर्थन मूल्य पर हो किसानों के उत्पाद की खरीदी

हाईकोर्ट ने जारी किया सरकार व मंडी बोर्ड को नोटिस

जबलपुर। मध्य प्रदेश उच्च न्यायलय ने विगत दिनों प्रदेश शासन एवं म.प्र.राज्य विपणन बोर्ड को किसानों की ओर से दायर एक अवमानना अपील पर नोटिस जारी करते हुए स्पस्टीकरण चाहा है की उन्होने 20 फ़रवरी 2018 को दिये गये आदेश का पालन क्यों नही किया, जिसमे स्पस्ट कहा गया था की कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 की धारा 36 (3) के तहत कृषि उपज मंडियो में किसानों से खरीदी जाने वाली अधिसूचित कृषि उपज, जिसका समर्थन मूल्य सरकार द्वारा घोषित है का घोषित समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम पर खरीद नही की जा सकती उपज की नीलामी इससे कम पर प्रारम्भ नही होगी। मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक को हाईकोर्ट द्वारा अपने आदेश में 90 दिनों के अंदर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। भारत कृषक समाज महाकौशल म.प्र. के अध्यक्ष इंजी. केके अग्रवाल ने बताया की कोर्ट के आदेश एवं बार बार आग्रह के बाद भी मंडी बोर्ड ने 3 साल तक इस पर कोई कार्यवाही नही की, किसानों के दवाब के बाद उन्होंने आदेश के पालन हेतु कृषि उपज मंडियो को फ़ौरी तोर पर पत्र लिखकर एक औपचारिकता निभाई व अपने दायित्यों की इतिश्री समझ ली। दुखद है की आदेश के पालन के प्रति किसी ने कोई रुचि नहीं दिखाई । बालाघाट के अन्नदाता कृषक संगठन के एमएम श्रीवास्तव की पहल व प्रयासों से हाई कोर्ट में दायर याचिका क्र. पी वी- 8944 / 2016 पर उच्च न्यायलय द्वारा 20.02.2018 को पारित आदेश के पालन हेतु शासन प्रशासन स्तर पर हर संभव प्रयास किये गये, भारत कृषक समाज एवं किसानों के अन्य कृषक संगठनों द्वारा प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरो, कृषि उपज मंडियो को पत्र लिखकर व अन्य माध्यमों से दवाब बनाने के प्रयास किये गये, परन्तु इस आदेश का पालन नही हुआ। सरकार ने भी कोई रुचि नही दिखाई । बड़े प्रयासों के बाद प्रदेश के 3, 4 जिला कलेक्टरों ने मंडियो को पत्र जरूर लिखे, परन्तु उसे मंडियो ने रद्दी की टोकरी में फेक दिया। अंततः किसानों को पुनः न्याय की शरण में जाकर अवमानना की अपील दायर करने मजबूर होना पड़ा। भारत कृषक समाज के जेआर गायकवाड़, रूपेंद्र पटेल, सुभाष चंद्रा, एड. रामगोपाल पटेल, एड. रमेश पटेल, रामकिशन पटेल, विवेक पटेल जितेंद्र देसी, आदि ने कहा है की यह किसानों की बड़ी जीत भले ही न हो, परन्तु एमएसपी लड़ाई में यह एक बड़ा कदम है और उच्च न्यायलय ने अन्नदाता के पक्ष में बड़ी कार्यवाही की है, जिससे किसानों में उम्मीद जगी है की अब उन्हें न्याय मिलेगा और ओने पोने दाम में उसे अपनी उपज बेचने मजबूर नही होना पड़ेगा । ज्ञात हो की एम एस पी की मांग को लेकर देश के किसान संघर्ष रत हैं । जबकि मंडी अधिनियम की धारा 36 (3) में एमएसपी पर खरीद की गारंटी का प्रावधान पूर्व से विद्यमान है ,परन्तु मंडियो ने इसे निजी स्वार्थो के चलते उजागर नहीं होने दिया। अब बस इसके मंडियो में लागू किये जाने की देर है। इसके लिए सभी किसान एक जुट होकर अपनी लड़ाई लड़ेंगे।

खाटू श्याम बाबा की शोभा यात्रा निकली धूमधाम से

जबलपुर। श्री श्याम महिमा मंडल जबलपुर द्वारा खाटू श्याम बाबा का 21वां वार्षिकोत्सव मनाया जा रहा है जिसके अंतर्गत 27 दिसम्बर शनिवार को बड़ी धूमधाम से शोभायात्रा कोतवाली स्थित बलदाऊ जी के मंदिर से प्रारंभ कर मालवीय चौक स्थित बगलामुखी मंदिर तक निकाली गई। यात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्याम बाबा के भक्तों ने भाग लिया जिसमें सभी पुरुष सफेद रंग के कुर्ता-पैजामा और महिलायें पीले रंग के परिधान में बाबा के निशान के रूप में नीले और पीले रंग के ध्वज लेकर भक्तिमय माहौल में नाचते, गाते चल रहे थे। शोभा यात्रा में खाटू श्याम बाबा की झांकी शामिल थी जिसका स्वागत यात्रा मार्ग पर जगह-जगह शहर के अनेक समाज जैसे अग्रवाल सभा, शेखावाटी अग्रवाल समाज, खंडेलवाल समाज व अन्य द्वारा फूलों की बरसात के साथ किया गया। शोभा यात्रा के बगलामुखी मंदिर पहुंचने पर आरती उतारी गई जिसमें शहर के कई गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे। श्याम महिमा मंडल के अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल और सचिव पवन बागडोरिया ने यात्रा को सफल बनाने में शहर के सभी श्याम प्रेमियों का आभार व्यक्त किया तथा ज्यादा से ज्यादा संख्या में आज शाम 5 बजे से सिटी बंगाली क्लब, करमचंद चौक में आयोजित कार्यक्रम" एक शाम खाटू वाले श्याम के नाम" में आने की अपील की है जिसमें मनमोहक भजनों की प्रस्तुति जयपुर, राजस्थान के सुप्रसिद्ध भजन गायक आयुष सोमानी व कार्तिक जैन म्यूजिकल ग्रुप, इंदौर द्वारा दी जाएगी।

जागरूक क्रिश्चियन मंच ने मनाया क्रिसमस

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन एवं जागरूक क्रिश्चियन मंच द्वारा क्रिसमस के पावन पर्व पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी गईं। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन, जागरूक क्रिश्चियन मंच एवं जागरूक खेल संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा घंटाघर स्थित इंडियन कॉफी हाउस में क्रिसमस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आपसी भाईचारा, प्रेम, सहयोग, क्षमा और सभी धर्मों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना रहा। इस अवसर पर सभी धर्मों के लोगों के बीच कॉफी, केक और मिष्ठान वितरित कर एक-दूसरे को क्रिसमस की बधाई दी गई तथा "सबका साथ, सबका विकास" का संदेश दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रभु यीशु मसीह की शिक्षा—अपने पड़ोसी से स्वयं के समान प्रेम करना—आज भी मानवता का मार्गदर्शन करती है। हमें हर व्यक्ति को अपना पड़ोसी मानकर प्रेम और सम्मान देना चाहिए। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, सुनील यादव, फ्रांसिस एंथोनी, तजिंदर सिंह, सुनील पटेल, क्लेमेंट पायस, क्रिस्टोफर नरोन्हा, एनोस विक्टर, अल्बर्ट अन्थोनी, रिंकू पीटर, दिनेश गोंड, लारेंस मार्टिन, आदि उपस्थित रहे।

इत्यादि फाउंडेशन का जलम फेस्टिवल शुरू, दिखा कला व संस्कृति का संगम

जबलपुर। इत्यादि फाउंडेशन द्वारा आयोजित जलम (जबलपुर आर्ट, लिटरेचर एंड म्यूजिक फेस्टिवल) के 10वें संस्करण का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन महापौर जगतबहादुर सिंह, मप्र पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के एमडी विशेष गडपाले, केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के अध्यक्ष राजीव गुप्ता, फिल्मकार अविनाश दास और प्रख्यात छायाकार विनीत बोहरा ने किया। इस अवसर पर जलम वार्षिकी का विमोचन भी किया गया। उद्घाटन सत्र में जबलपुर में जन्मे प्रसिद्ध चित्रकार व विजुअल आर्टिस्ट शांतनु लोध के जीवन व कला पर आधारित पुस्तक का विमोचन हुआ, जिसका संपादन विनय अंबर ने किया। कला इतिहासकार जॉनी एम. एल. (दिल्ली) ने उनके कला जीवन पर संवाद सत्र में विस्तार से चर्चा की। दूसरे संवाद सत्र में हैदराबाद की चित्रकार व नेहरू ब्राइट फेलोशिप प्राप्त प्रीति संयुक्ता ने अपनी कला यात्रा और विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध छात्रवृत्तियों की जानकारी दी। जलम मंच से राधेश्याम अग्रवाल स्मृति इत्यादि सम्मान 2025 वंदना कुमारी (दिल्ली) को चित्रकला के लिए तथा ब्रह्मस्वरूप केला स्मृति सम्मान 2025 हुल्लास पुरोहित (जयपुर) को संगीत के लिए प्रदान किया गया। इसके बाद अविशा श्रीवास्तव का मोहक कथक नृत्य और हुल्लास पुरोहित का शास्त्रीय गायन हुआ। दूसरे दिन नाट्य लेखन पर कार्यशाला में आशुतोष पोद्दार और अभिजीत सोलंकी ने प्रशिक्षण दिया। कुमार जसाकिया ने "आर्ट एज ए क्रिएटिव एक्सप्रेशन ऑफ विजुअल लैंग्वेज" पर व्याख्यान दिया। शाम को सौरभ नैयर को गजनीश वैद्य इत्यादि सम्मान 2025 और अश्विनी सरोज को हरिभटनागर उत्कृष्ट कला छात्र सम्मान 2025 प्रदान किया गया। अंत में सौरभ नैयर निर्देशित नाटक "नाम में क्या रखा है" का मंचन हुआ। संयोजक डॉ. सुप्रिया अंबर ने बताया कि 27 दिसंबर को कलाकार भेड़ाघाट में चित्रांकन करेंगे तथा अरुण रंग संदर्भ पुस्तक का विमोचन और रंगकर्म पर चर्चा होगी। यह आयोजन केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद और मप्र पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में, मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के सहयोग से हो रहा है। जलम में देशभर से लगभग 200 कलाकार और 70 कला विद्यार्थी सहभागिता कर रहे हैं।

ब्रह्मलीन आदर्श मुनि त्रिवेदी स्मृति सभा आज

जबलपुर। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता, न्याय एवं सामाजिक जगत की अग्रणी हस्ती, ब्रह्मलीन आदर्श मुनि त्रिवेदी की पुण्य स्मृति में एक स्मृति सभा का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 28 दिसंबर, रविवार को अपरान्ह 3 बजे से शतक्रतु आश्रम, दमोहनाका, जबलपुर में आयोजित होगा। इस स्मृति सभा का विषय- 'स्मृति : एक निमंत्रण' पुण्य अवसर, एक विराट स्मृति के साथ एकाकार होने का रखा गया है। इस आयोजन में श्री त्रिवेदी के जीवन और कार्यों से जुड़ी व्यक्तिगत वस्तुओं, हस्तलिपियों, पुरस्कारों एवं स्मृति चिन्हों की एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। यह प्रदर्शनी उपस्थितजनों को उनके बहुमुखी व्यक्तित्व और गहन विचारों के और निकट ले जाएगी। आयोजकों के अनुसार, यह सभा उन सभी श्रद्धालुओं, प्रशंसकों एवं सहयोगियों के लिए एक सामूहिक श्रद्धांजलि का मंच है, जिनके जीवन को श्री त्रिवेदी ने किसी न किसी रूप में प्रभावित किया। सभी सुहृदजन, साहित्यसेवी, कलाप्रेमी, अधिवक्ता बंधु, बन्धु-जन तथा नगरवासियों को इस पुण्य अवसर पर सादर आमंत्रित किया जाता है, ताकि सामूहिक स्मरण के माध्यम से उनकी स्मृति के प्रकाश को और अधिक प्रज्जवलित किया जा सके।

अस्मिता सेपकटकॉ 2025–26 में ऑर्किड्स इंटरनेशनल स्कूल का गौरवपूर्ण प्रर्दशन

जबलपुर। अस्मिता सेपकटकॉ 2025–26 प्रतियोगिता में ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल, भेड़ाघाट रोड, जबलपुर ने पहली बार भाग लेकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता में विद्यालय के कुल 39 विद्यार्थियों ने सहभागिता की और शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 14 पदक अर्जित किए। प्रतियोगिता में जूनियर टीम ने तृतीय स्थान, सब-जूनियर टीम ने द्वितीय एवं तृतीय स्थान तथा सीनियर टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया।

इस उपलब्धि में शामिल खिलाड़ी- सार्थिका वैष्णव, सौम्या पटेल, यशस्वी सिंह, मिष्ठी बानी दुबे, इलियाना लाज़ार्ड, लवलीना लाज़ार्ड, अंशिका राय, परी तोमर, मानवी कोरी, संस्कृति झारिया, शुभी लोधी, आस्था साहू, सुधा झारिया, प्रतिमा सिंह लोधी, संस्कृति शुक्ला, वंशिका जैन, गुंगुन लोधी, आराध्या यादव, स्तुति पाठक, आर्या जैन, दीक्षा त्रिपाठी, प्रियंवदा सिंह, हर्षिता मल्लाह, तपस्या पटेल, प्रिया सिंह, आन्या तिवारी, आराध्या सिंह, वारुणी शुक्ला, मानवी जैन, कृति तिवारी, हर्षिता झारिया, अदिति नागेस, आकांक्षा लखेरा, आर्ची यादव, अनुपमा शर्मा, अदिति राजपूत, ट्विंकल पारीक, आराधना सिंह राठौर एवं अदिति सरकार। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन में शिक्षिका रवीना पटेल का विशेष योगदान रहा। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय शाला परिवार, जोनल बिज़नेस हेड अभिलाष केशरवानी, प्राचार्य श्रीमती दीप्ति सत्संगी एवं अपने अभिभावकों को दिया।

महाराष्ट्र शिक्षण मंडल का त्रिदिवसीय शताब्दी वर्ष समारोह शुरु

जबलपुर। महाराष्ट्र शिक्षण मंडल जबलपुर के शताब्दी वर्ष समारोह का त्रि-दिवसीय कार्यक्रम 27 दिसंबर 2025 को भव्य रूप से शुरू हुआ। उद्घाटन समारोह मानस भवन, राइट टाउन में सुबह 10 बजे विद्यालय के पूर्व छात्र एवं विधायक अशोक रोहाणी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। अपने उद्बोधन में श्री रोहाणी ने विद्यालयीन समय के संस्मरण साझा किए और शतकीय यात्रा में विद्यालय की उपलब्धियों की प्रशंसा की। उद्घाटन के पश्चात संस्था के वरिष्ठ एवं विशेष उपलब्धि प्राप्त पूर्व छात्रों का सम्मान किया गया। दोपहर के सत्र में पूर्व छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सायंकालीन सत्र में मुंबई से आए हास्य कलाकार समीर चौगुले ने हास्य प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को और मनोरंजक बनाया। कार्यक्रम में संस्था के सभी सदस्य, पूर्व छात्र एवं शिक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य वासुदेवानंद सरस्वती का हुआ नगरागमन, श्रद्धालुओं ने किया पादुका पूजन

जबलपुर। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के संरक्षक सदस्य एवं ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज का नगरागमन हुआ। इस अवसर पर भक्तों द्वारा उनका विधिवत पादुका पूजन किया गया। परम पूज्य महाराज बल्देव बाग स्थित श्री राम भवन में विराजमान हैं। महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि युवाओं और बच्चों को सनातन धर्म व संस्कृति से शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। भगवान श्री राम के मर्यादा, अनुशासन और सुसंस्कृत जीवन को अपनाते हुए मातृ-पितृ एवं संत-महात्माओं की सेवा को दिनचर्या का अंग बनाना चाहिए। पादुका पूजन कार्यक्रम आचार्य श्री मनोज तिवारी एवं पं. सदन महाराज के आचार्यत्व में षोडशोपचार विधि से संपन्न हुआ। पूजन-अर्चन एवं आरती में नगर के अनेक श्रद्धालु, गणमान्य नागरिक और शंकराचार्य सेवक मंडल के सदस्य उपस्थित रहे। आयोजन में सनातन प्रेमियों ने श्रद्धा एवं भक्ति भाव से सहभागिता की।

गलगोटियाज यूनिवर्सिटी की वैश्विक रैंकिंग व नवाचार को मुख्यमंत्री योगी ने सराहा

हरिभूमि नोएडा।

भारत और वैश्विक शिक्षा परिदृश्य में उत्तर प्रदेश की प्रतिष्ठा जिस तेजी से बढ़ रही है, उसमें गलगोटियाज यूनिवर्सिटी अहम योगदान कर रही है। इस बारे में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ ने हाल में एक विशेष संवाद के दौरान विश्वविद्यालय की खास तौर पर सराहना की। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स और टाइम्स हायर एजुकेशन में विश्वविद्यालय के प्रभावशाली प्रदर्शन की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने गलगोटियाज विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए एक अग्रणी उदाहरण तथा राज्य का गौरव बताया। इस दौरान माननीय मुख्यमंत्री ने शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार-आधारित शिक्षण और वैश्विक सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, जो प्रदेश को एक उभरते ज्ञान केंद्र के रूप में स्थापित कर रही है। इस विशेष संवाद के दौरान गलगोटियाज यूनिवर्सिटी के चांसलर सुनील गलगोटिया ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते हुए कहा कि, 'उनके कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का शासन और विकास मॉडल अन्य राज्यों के लिए बड़ा उदाहरण बन गया है। राज्य के गवर्नेंस मॉडल की पूरी दुनिया में सराहना हो रही है। इस क्षेत्र में बन रहे जेवर एयरपोर्ट से देश के लाखों युवाओं को नौकरियां मिलेंगी। यहां जिस व्यापक स्तर पर इंडस्ट्री हब तैयार हो रहा है, उसकी पूरे देश में कोई दूसरी मिसाल नहीं है।'

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विश्वस्तरीय अकादमिक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में गलगोटियाज विश्वविद्यालय के सतत प्रयासों की जमकर सराहना की और विश्वविद्यालय को वैश्विक रैंकिंग में और अधिक

ऊंचाई प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए अपना आशीर्वाद दिया। संवाद का एक प्रमुख आकर्षण गलगोटियाज विश्वविद्यालय के जी स्केल यानी गलगोटियाज स्टूडेंट-सेंटर्ड एक्टिव लर्निंग इकोसिस्टम की मुख्यमंत्री द्वारा तारीफ रहा, जो भविष्य के लिए तैयार अकादमिक मॉडल है। विश्वविद्यालय की शिक्षण प्रणाली को सिंगापुर स्थित नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के साथ गठजोड़ कर उसके इंस्पायर मॉडल से और सशक्त किया गया है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर की मानकीकृत शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। माननीय मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के एआइ, सेमीकंडक्टर एवं रिसर्च तथा ड्रोन टेक्नोलॉजी से जुड़े शैक्षणिक नवाचार कार्यक्रमों को लेकर विशेष प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसे भविष्य-केंद्रित नवाचार न केवल छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बनाते हैं, बल्कि प्रदेश और भारत को तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में भी सशक्त करते हैं।

इस अवसर पर गलगोटियाज विश्वविद्यालय के सीईओ डॉ. ध्रुव गलगोटिया ने कहा, 'माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के उत्साहवर्धक शब्दों और आशीर्वाद से हम अत्यंत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। क्यूएस और द रैंकिंग्स में गलगोटिया विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को लेकर उनकी सराहना हमारे प्रयासों की सशक्त पुष्टि है। हमारा जी-स्केल लर्निंग इकोसिस्टम, सिंगापुर स्थित नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी का इन्स्पायर मॉडल तथा एआई, सेमीकंडक्टर और ड्रोन जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में की जा रही पहल हमें भविष्य-उन्मुख अकादमिक वातावरण के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ा रही हैं। हमारा उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए उत्तर प्रदेश को एक वैश्विक गंतव्य बनाने में सार्थक योगदान देना और ऐसे नेतृत्वकर्ताओं का निर्माण करना है जो भारत की विकास गाथा को आगे बढ़ाएं।

साड़ी वॉकथान इंदौर जैसे आयोजन प्रदेश के अन्य शहरों में भी किए जाएं, ताकि विकास को मिले गति

मृगनयनी, विंध्या वैली, कबीरा और प्राकृत जैसे नामचीन ब्रांड के विक्रय केंद्रों का जिला स्तर तक किया जाएगा विस्तार

कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के कार्यों की जानकारी लेते मुख्यमंत्री डॉ. यादव।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के आगामी 3 वर्ष की कार्ययोजना की जानकारी ली

प्रदेश के हैण्डलूम और हस्तशिल्प उत्पादों की सोशल मीडिया पर उपस्थिति बढ़ाएं

महेश्वर के किले पर उकरे गए डिजाइन बनेंगे आधार, मुख्यमंत्री ने की कुटीर और ग्रामोद्योग विभाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हैण्डलूम और हस्तशिल्प से जुड़ी गतिविधियां महिलाओं की दक्षता और क्षमता का सदुपयोग करते हुए उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में सहायक हैं। इन गतिविधियों से स्व-सहायता समूहों और लाड़ली बहनों को जोड़ते हुए मृगनयनी तथा कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के अन्य ब्राण्ड के विक्रय केन्द्रों का विस्तार जिला स्तर तक किया जाए। इन ब्राण्डों की फ्रेंचाइजी भी निजी उद्यमियों और समूहों को प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग की 2 वर्ष की उपलब्धियों तथा आगामी 3 वर्ष की कार्य योजना के संबंध में शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री को बैठक से पहले 'एक जिला-एक उत्पाद' (ओडीओपी) के उत्पाद भेंट किए गए।

अंतरराष्ट्रीय मार्केट में दर्ज कराया जाए इन उत्पादों का महत्व

चयनित जिलों में पॉयलेट प्रोजेक्ट किए जाएं

लाड़ली बहनों को लूम तथा चरखे उपलब्ध कराकर उत्पादन शुरू करने के लिए चयनित जिलों में पॉयलेट प्रोजेक्ट किए जाएं। इस गतिविधि में निजी पहल को भी प्रोत्साहित किया जाए। प्रदेश के हैण्डलूम और हस्तशिल्प की सोशल मीडिया के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मार्केट में प्रस्तुति दर्ज कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हस्तशिल्प और हैण्डलूम से जुड़े विभाग के ब्राण्ड मृगनयनी, विंध्या वैली, कबीरा और प्राकृत के उत्पाद मप्र पर्यटन की इकाइयों और प्रदेश के प्रमुख धार्मिक केन्द्रों तथा लोकों में विक्रय के लिए आकर्षक रूप से प्रदर्शित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने साड़ी पहनने की गौरवशाली परम्परा को प्रोत्साहित करने के लिए इंदौर में हुए साड़ी वॉकथान जैसे आयोजन प्रदेश के अन्य शहरों में करने के निर्देश दिए।

निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के भी निर्देश दिए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रेशम उत्पादन गतिविधियों का प्रदेश के अन्य जिलों में विस्तार करने तथा इस गतिविधि में निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न प्रकार के उत्पादों के जीआई टैग प्राप्त की जानकारी का संकलन एकीकृत रूप से किया जाए। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री कार्यालय में अतिथियों को भेंट करने के लिए प्रदेश के हेरिटेज महेश्वरी स्टोल का चयन किया गया है। विभाग की ओर से यह स्टोल विशेष रूप से गोंड पेंटिंग और बेलमेटल से सुसज्जित लकड़ी के बॉक्स में प्रदाय किए जा रहे हैं। इन स्टोल की मांग विदेशी दूतावासों से भी प्राप्त हुई है।

कुल 63 करोड़ रुपए अनुदान राशि वितरित की

बैठक में विगत दो वर्ष की उपलब्धियों के संबंध में बताया गया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम में 2568 ग्रामोद्योग इकाइयों को स्वीकृति प्रदान की गई। कुल 63 करोड़ रूपए अनुदान राशि वितरित की गई तथा बैंकों से 252 करोड़ रूपए का ऋण स्वीकृत कराया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत 6300 नवीन रोजगार सृजित हुए। कौशल उन्नयन विकास कार्यक्रम में 1710 लोगों को प्रशिक्षण तथा 1197 का प्लेसमेंट कराया गया। विभाग की ओर से 10 करोड़ रूपए की सामग्री का उत्पादन किया गया तथा एम्पोरियम से 23 करोड़ रुपए की सामग्री का विक्रय हुआ। भोपाल में जवाहर चौक और भोपाल हाट में नवीन एम्पोरियम शुरू किए गए।

52 डिजाइन की साड़ियां तैयार कराई जा रही हैं

बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार मां अहिल्यादेवी की 300 वीं जयंती के उपलक्ष में महेश्वर के किले पर उकरे गए डिजाइन के अनुसार मां अहिल्यादेवी को समर्पित 52 डिजाइन की साड़ियां तैयार कराई जा रही हैं। रेशम समृद्धि योजना का विस्तार प्रदेश के सभी जिलों में किया जा रहा है। बैठक में बताया गया कि इंदौर में 7 मार्च को आयोजित साड़ी वॉकथान में 27 हजार महिलाओं की भागीदारी की गई। कुनो चीता अभ्यारण्य में विक्रय के लिए प्रदेश की 35 से अधिक क्रॉफ्ट पर चीता थीम पर नए गिफ्ट आयटम बनाए जा रहे हैं।

पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए मंत्री गौर।

भोपाल में बनेगा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सिम्युलेटरी स्पेस सेंटर: गौर

मध्यप्रदेश के युवाओं को विज्ञान, सुरक्षा और राष्ट्रनिर्माण की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में राज्य सरकार एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत राजधानी भोपाल में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सिम्युलेटरी स्पेस सेंटर की स्थापना का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा जा रहा है। यह केंद्र युवाओं में स्पेस टेक्नोलॉजी के प्रति वैज्ञानिक सोच और जिज्ञासा विकसित करेगा। गौर ने बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से तैयार इस प्रस्तावित सेंटर में मिसाइल और सैटेलाइट विकास की पूरी यात्रा को प्रदर्शित किया जाएगा। साथ ही जीरो ग्रेविटी वातावरण का सिम्युलेटरी अनुभव देने वाली अधोसंरचना विकसित की जाएगी।

शौर्य संकल्प' से सुरक्षा बलों तक युवाओं की सीधी राह: कृष्णा गौर ने अत्यंत पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए प्रस्तावित शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2025 को भी ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत हर वर्ष करीब चार हजार युवाओं को आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा।

महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने गिनाई उपलब्धियां

महिला और बच्चे के पोषण की ऑनलाइन ट्रेकिंग, कुपोषण से मिलेगी निजात

भोपाल। प्रदेश में गर्भवती महिलाओं और बच्चों के पोषण के लिए दिए जाने वाले पोषण आहार की ऑनलाइन मॉनीटरिंग की जा रही है। जिसके तहत पोषण आहार को ट्रेकर से बांटा जा रहा है, ऐसे में कुपोषण को रोका जा सकेगा। इधर गर्भवती महिलाओं के पोषण के लिए भी फेस रिकॉग्निशन सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है। महिला बाल विकास के डिजिटल नवाचारों से कुपोषण की दर को कम किया जा सकेगा। यह बात शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री निर्मला भूरिया ने मोहन सरकार के दो साल पूरा होने पर विभाग की उपलब्धियां बताईं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में जागरुकता अभियानों की मदद से बाल विवाह की दर को दस फीसद तक कम किया जा सका है। आने वाले दिनों में इसे पूरी तरह से खत्म किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि विभाग ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर संपर्क ऐप, पोषण ट्रैकर और फेसियल रिकॉग्निशन सिस्टम जैसे डिजिटल नवाचारों से निगरानी शुरु कर दी है। जिसका असर भी देखने मिल रहा है।

एक करोड़ 26 लाख महिलाओं को प्रतिमाह लाड़ली बहना की राशि

शहरी क्षेत्रों में वर्किंग वूमन के लिए बनेंगे आठ नए हॉस्टल

पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया।

31 महीनों में लाड़ली बहनों को बांटे 48 हजार 632

मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के तहत जून 2023 से दिसंबर 2025 तक योजना की 31 किश्तों का भुगतान किया गया है। वर्तमान में 1 करोड़ 26 लाख से अधिक महिलाओं को अब तक 48 हजार 632 करोड़ रुपए से अधिक की राशि उनके बैंक खातों में दी गई है।

दो साल में साढ़े छह लाख बेटियां बनीं लाडली लक्ष्मी: उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 52 लाख से अधिक बेटियों का रजिस्ट्रेशन किया गया है।

ढाई लाख महिलाओं को एक कॉल पर मिली मदद

प्रदेश में संचालित 57 वन स्टॉप सेंटर महिलाओं के लिए सुरक्षा मुहैया कराई जा रही है। बीते दो वर्षों में 54 हजार 627 से अधिक महिलाओं को यहां स्वास्थ्य, परामर्श, विधिक और पुलिस सहायता दी गई। वहीं, महिला हेल्पलाइन 181 से 2 लाख 36 हजार महिलाओं को मदद दी गई। मंत्री ने बताया कि कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा को देखते हुए प्रदेश में पहली बार 284 करोड़ रुपए की लागत से 5 हजार 121 सीटर 8 नए वर्किंग वूमन हॉस्टल बनाए जा रहे हैं।

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

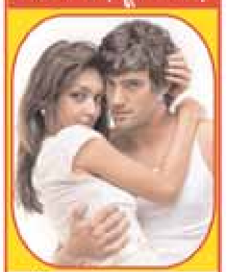

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
पंजाबी युवक बिलासपुर (छ.ग.) निवासी शिक्षित उम्र 31 वर्ष 6 माह हाइट 5 फुट 5 इंच, स्वयं का व्यवसाय संपन्न परिवार हेतु शिक्षित कन्या चाहिये।
-:सम्पर्क करें:-
9039965807

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 5'-11', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

वर चाहिए
वर चाहिए- अहिरवार (SC) 28 वर्ष 5'6'' (तलाकशुदा) असिस्टेंट प्रोफेसर (PHD IN PHARMACY) हेतु सक्षम वर चाहिए, कृपया मैरिज ब्यूरो क्षमा करें, संपर्क करे- 97523 78176, 91091888890 (35441)

राशिफल

मेष — संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष — खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह — कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या — कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला — लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय

वृश्चिक — संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर — आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ — क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि

मीन — किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

शब्द पहेली - 6091

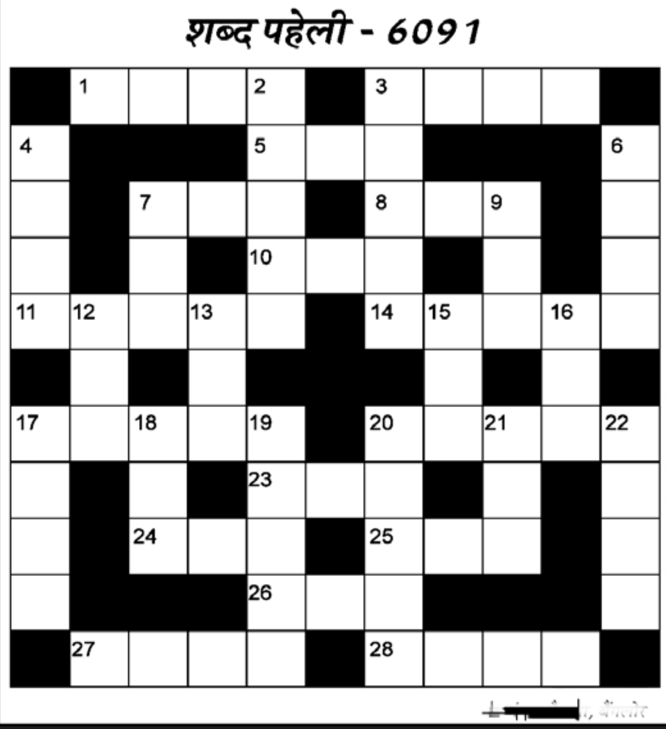

बाएँ से दाए-
1. छुट्टी,रजा-4
3. वध,आघात-4
5. दशानन-3
7. अनमोल,अनूठा-3
8. अनाथ,बेसहारा-3
10. खजूर-3
11. रहम करना-2,3
14. गहराई नापना-2,3
17. लगातार,सतत-5
20. संतुष्ट होना-2,3
23. बीच में,दौरान-3
24. खुश,आनंदित-3
25. शिक्षा-3
26. शोक-3
27. जांचना,परखना-4
28. धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे
2. मयखाना,मधुशाला-5
3. प्रेमकहानी-5
4. चापलूसी-4
6. नटना,वचन तोड़ना-4
7. फिजूल,व्यर्थ-3
9. अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12. गुजर करना-3
13. वेग,गति-3
15. खूबसूरत-3
16. पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17. गुजारिश,मांग-4
18. सुअर-3
19. गुस्सा होना-5
20. ममतापूर्ण-5
22. अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली -6090 का हल

क	ल	र	ब				मु	का	ब	ला
मी			त	म	त	मा	ना			ज
श	ब		न	या		न	दी		जी	वा
न	र	क		न	म	क		ख	रा	ब
	दा	म	न		जा		न	फा		
	न		ख	त		म	न		म	
		सा	रा		आ		द	म	न	
अ	ना	र		र	स	म		त	ह	री
मा	ता		ल	क		सौ	त		र	त
न			च	म	क	दा	र			स
त	क	दी	र				ल	ल	का	र

सूडोकू नवताल - 6101

✱✩✩✩✩ सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 6100 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

हरिभूमि रविवार भारती haribhoomi.com
नववर्ष विशेष 2026
जबलपुर, रविवार 28 दिसंबर 2025
P-12
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित

नवारंभ का संदेश लेकर नववर्ष द्वार पर खड़ा है। उसका स्वागत हम पूरे उत्साह-उमंग के साथ अवश्य करें। साथ ही आगामी नववर्ष में न केवल अपने जीवन को, अपने से जुड़े लोगों, समाज और पर्यावरण को बेहतर बनाने का संकल्प भी जरूर लें। न केवल संकल्प लें, उसे क्रियान्वित करने के लिए भी समग्र ऊर्जा से सक्रिय रहें। तभी आगामी वर्ष में चहुंओर नवचेतना का संचार होगा।

आवरण कथा
कुमार राधारमण

नववर्ष में हम करें नवचेतना का संचार

वर्तमान साल बीत रहा है। नए साल ने दस्तक दे दी है। नया साल सिर्फ कैलेंडर का बदल जाना नहीं होता है। यह बीत रहे साल की समीक्षा का अवसर भी है। हम सबकी कुछ अच्छी और कुछ कड़वी यादें इससे जुड़ी होंगी। नया साल विगत की अनुकूल स्मृतियों को सहेजने, उसे नए साल में नई ऊंचाइयां देने का अवसर है। यह प्रतिकूलताओं से सबक लेने का मौका है। जीवन की हर घटना सीखने का अवसर भी होती है। हम सब कई बार चूकते हैं। हमारी चूक निराशा का कारण न बने, हम अपनी गलतियों से सीखें। इसी में वर्तमान का उल्लास भी है और भविष्य का सुनहरा स्वप्न भी।

बनाए रखेंगे सकारात्मक दृष्टिकोणः नया साल, नए उत्साह, नई संभावनाओं, नए सपनों और नए संकल्पों को नए पंख देने का अवसर है। जीवन में हमेशा एक नई शुरुआत संभव है। बीत रहा साल चाहे जैसा रहा हो, नए साल में हम अपनी कहानी फिर से लिख सकते हैं। हर नए दिन का उपयोग हम अपने लक्ष्य के करीब जाने के लिए कर सकते हैं। यह सकारात्मक सोच से ही संभव होगा, क्योंकि चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता तभी विकसित होती है। हर समस्या, अपना समाधान भी लिए होती है। इसलिए,

बीता साल जैसा भी रहा, उसे धन्यवाद दें कि हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण प्रसंग उपस्थित हुआ। धन्यवाद इसलिए, कि बीते साल की सफलताओं ने हमको आत्मविश्वास दिया, खुशियां दीं और असफलताओं ने हमको मजबूत, संवेदनशील और समझदार बनाया।

प्रकृति नित नूतन है। यह नूतनता पुराने के प्रति आग्रह छोड़ने का निमंत्रण है। विगत चाहे स्वर्णकाल रहा हो, हमारी आज की चुनौतियां नई हैं और हमें आज की परिस्थितियों में निखरने के लिए हमेशा अपने मन के द्वार नए के लिए खुले रखने होंगे। विकास की यही परिभाषा है। सिर्फ व्यापार को ही नहीं, मन को भी मुक्त करने की जरूरत है। सभी समस्याओं की जड़ भूत और भविष्य से बंधा हमारा मन ही है, जबकि चुनौतियां वर्तमान की हैं। मुक्त मन समावेशी तो होता ही है, दूसरों की मुक्ति के द्वार भी खोलता है।

सीखेंगे नित नए कौशलः तेजी से बदलती इस दुनिया में निरंतर सीखना और अपना कौशल विकास करते रहना जरूरी है। व्यस्तता हमें अनचाहे ही अकसर अपने प्रियजनों से दूर कर देती है। वास्तविक दुनिया के लोगों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना भी हमारा संकल्प हो। इससे क्षमाभाव मजबूत होगा, पुरानी कड़वाहट दूर होगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी, मन हल्का और खुश रहेगा। अपने लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें। बड़े सपने देखें, बशर्ते उसे कार्यरूप देने का सामर्थ्य भी हम में हो।

तन-मन का रखेंगे ध्यानः स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं। संतुलित आहार और पर्याप्त नींद भी हमारे संकल्प का हिस्सा हो। मौजूदा उन्मादी दौर में मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। तनाव प्रबंधन सीखना और सकारात्मक मानसिकता विकसित करना आधुनिक जीवन की आवश्यकता है। हर हाल में अच्छाई खोजना और आशावादी रहना जीवन को रूपांतरित कर देता है। हम सक्षम हैं और सफल होने के योग्य हैं, यह विश्वास सदा बना रहे। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन है कि न तो सफलता अंतिम होती है, न असफलता घातक होती है, असली बात यह है कि आपमें जारी रखने का साहस है या नहीं।

धनार्जन भी है जरूरीः धन भी महत्वपूर्ण है। गरीब रखने वाली विचारधारा से दूर रहें। वित्तीय लक्ष्य तय करें। बचत और निवेश बुद्धिमत्तापूर्वक करें। अनावश्यक खर्चे कम करना भी धन अर्जित करना ही है। लेकिन भविष्य की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयास वर्तमान को जाया न कर दें। भविष्य

अनिश्चितताओं से भरा है। अगली पीढ़ी के लिए सब सोचना आपका ही दायित्व नहीं है, अगली पीढ़ी खुद भी अपने लिए करेगी ही। आप अपने वर्तमान को स्वर्णिम बनाएं। जब आप खूब धन कमा लेंगे, एक दिन वही धन ऊब पैदा करने लगेगा। भौतिक धन परमधन को पाने का साधन मात्र रहे। पावर ऑफ मेनिफेस्टेशन का उपयोग केवल धन को आकर्षित करने के लिए न करें। हमारे पास जो कुछ भी है, उसके प्रति कृतज्ञता से जीवन में अच्छाई को आकर्षित करना भी सीखें।

रहेंगे खुद के करीबः समय धन से भी अधिक कीमती है। इसका सदुपयोग करें। आलस्य छोड़ें, तभी हम अधिक उत्पादक और सफल बन पाएंगे। आलस्य छोड़ने का मतलब हर समय व्यस्त रहना नहीं है। आराम और मनोरंजन भी महत्वपूर्ण हैं। संतुलन चाहिए। आत्म-प्रेम समग्र विकास के लिए जरूरी है। अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए समय निकालना हमारे जीवन को समृद्ध बनाता है। लिहाजा, रोजमर्रा के जीवन में कुछ पल ऐसे जरूर हों, जो नितांत निजी हों, जिसमें मोबाइल की भी दखल न हो। अपने लिए समय निकालना जरूरी है। लेकिन यह औरों के बनाए रील्स देखने के लिए न हो। यह समय अपनी पसंद के काम करने, किताबें पढ़ने, संगीत सुनने, ध्यान करने या प्रकृति से जुड़ने का हो जो हमको तरोताजा कर दे।

समाज-पर्यावरण का रखेंगे ध्यानः सभ्य नागरिक अपने समाज और पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदार होता है। हमारी पृथ्वी रहने लायक बनी रहे, आने वाली पीढ़ियों के लिए हम आदर्श बनें, नया साल इस संकल्प से भरने का समय भी है। जरूरतमंदों की मदद और सामाजिक कार्यों में भागीदारी आंतरिक संतुष्टि देती है। अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें और नई चीजें आजमाने का साहस रखें। जीवन एक साहसिक यात्रा है और नए अनुभव हमें जीवंत और उत्साहित रखते हैं। सच्ची खुशी और संतुष्टि अनुभव, रिश्ते और भीतरी शांति ही देती है।

शांति के लिए करेंगे प्रयासः इस समय दुनिया भर में राजनीतिक और आर्थिक कारणों से अस्थिरता, अनिश्चितता का माहौल है। भय और चिंता के इस परिदृश्य में, अंतर्मन की जितनी जरूरत आज है, पिछले कुछ दशकों में शायद ही रही हो। युद्धों की आहट अनेक आशंकाएं पैदा कर रही हैं। हमारी वास्तविक जरूरत शांति है। शांत मन ही गहरी से गहरी समस्या का सम्यक समाधान तलाश सकता है और एक बेहतर जीवन की ठोस आधारशिला तैयार कर सकता है। विश्व शांति किसी धर्म या हथियार से नहीं, बल्कि जागरूकता से, हृदय से आ सकती है और उसका मार्ग ध्यान है। इसी से मनुष्य, मनुष्य से जुड़ा महसूस करेगा। प्रतिकूल समय में भी ज्ञान, धर्म, साहस और ऊर्जा की परीक्षा होती है। असली ज्ञान, ऊर्जा, धर्म और पराक्रम यह है कि हम जहां भी हों, वहां आस-पास की प्रकृति कोमल हो जाए। हम जिनके बीच रहें, उनकी भलाई स्वतः प्रकट होने लगे। हमारे भीतर इतनी गहरी शांति उतर आए कि सबके प्रति एक स्वीकार भाव हो। हम इसके लिए अपने स्तर पर अवश्य प्रयास करेंगे, ऐसा संकल्प जरूर लें। तब निश्चय ही आगामी वर्ष खुशहाली से भरपूर होगा। *

विशेष : वैश्विक परिवार दिवस, 1 जनवरी

वर्ष का पहला दिन यानी 1 जनवरी को पूरी दुनिया में ग्लोबल फैमिली-डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य परिवार की महत्ता को समझना और पारिवारिक प्रेम-सौहार्द की भावना को व्यक्तिगत जीवन से लेकर समाज, देश ही नहीं पूरे विश्व में प्रसारित करना है।

व्यक्तिगत से वैश्विक कुटुंब तक बना रहे प्रेम-सौहार्द-शांति

आह्वान / शिखर चंद जैन

हर वर्ष 1 जनवरी को ग्लोबल फैमिली-डे यानी वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर के लोगों को एक बड़े वैश्विक परिवार के रूप में जोड़ने के साथ ही उनमें शांति, एकता, प्रेम और सौहार्द के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है।

भारत की प्राचीन अवधारणाः हमारे देश में तो प्राचीन काल से ही 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा को महत्व दिया जाता रहा है। लेकिन आधुनिक विश्व में ग्लोबल फैमिली-डे मनाने की शुरुआत, संयुक्त राष्ट्र के 'शांति के एक दिन' की विचारधारा से हुई थी। इसे देश, धर्म या नस्ल की सीमाओं से परे सभी लोगों द्वारा मिलकर मनाया जाता है। इस प्रकार यह दिन प्रेम और सद्भाव फैलाने पर जोर देता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम सब एक वैश्विक गांव के ही सदस्य हैं और हमें सभी मतभेदों को भुलाकर एक परिवार की तरह रहना चाहिए। इसके तहत सभी को प्रेम, शांति और सौहार्द के साथ रहना सिखाया जाता है। दुनिया में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना और युद्ध-हिंसा से बचाना इसका मूल उद्देश्य है।

कब-कैसे हुई शुरुआतः वैश्विक परिवार दिवस मनाने का विचार पिछली सदी में एक किताब से आया था। इसकी शुरुआत 1990 के दशक के अंत में हुई, जब 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2000 को 'शांति की संस्कृति के लिए अंतरराष्ट्रीय दशक और विश्व के बच्चों के लिए अहिंसा' के रूप में घोषित किया। इस अवधारणा को स्टीव डायमंड और एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित बच्चों की एक किताब 'वन डे इन पीस, जनवरी 01, 2000' से प्रेरणा मिली। इस कहानी में एक ऐसी दुनिया की कल्पना की गई थी, जहां लोग 1 जनवरी को अपने सभी मतभेदों को एक तरफ रख देते हैं और भाईचारे की भावना का जश्न मनाते हैं। इसने 'शांति का एक दिन' समारोह की शुरुआत की। 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को शांति लाने के लिए वर्ष का पहला दिन समर्पित करने का औपचारिक निमंत्रण मिला। 2001 में, संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक तौर पर इस दिन को मान्यता दी, और तब से हर साल 1 जनवरी को यह दिवस मनाया जाता है।

मनाती है पूरी दुनियाः वैश्विक परिवार दिवस का उत्सव भौगोलिक सीमाओं से बंधा नहीं है, बल्कि यह एक वैचारिक उत्सव है। इसे किसी एक देश का पर्व मानने के बजाय, मानवता के प्रति एक वैश्विक दृष्टिकोण के रूप में मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस सरल, सार्थक कार्यों के बारे में ध्यान आकर्षित करता है, जो घर परिवार से लेकर वैश्विक एकता की भावना को दर्शाता है।

परिवार के संग मनाएं यह दिनः यह दिन संघर्षों को भूलकर, एक-दूसरे के प्रति आभार व्यक्त करने और प्रेम फैलाने पर जोर देता है। इस पूरे दिन आप अपने परिवार के साथ समय बिता सकते हैं। इसके लिए परिवार के सदस्य एक साथ भोजन कर सकते हैं, कोई सामूहिक खेल, खेल सकते हैं या एक-दूसरे से बात करते हुए अच्छा समय गुजार सकते हैं। आप चाहें तो इस दिन को सामुदायिक सेवा के लिए स्वयंसेवा करके या वैश्विक स्तर पर शांति के लिए काम करने वाली संस्थाओं के लिए श्रमदान करके भी मना सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने ग्लोबल मित्रों की विभिन्न संस्कृतियों, उनकी परंपराओं, व्यंजनों या कहानियों को साझा करके वैश्विक विविधता की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस से अलगः हालांकि इस दिन को मनाने की शुरुआत मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई, लेकिन इसे अब दुनिया भर के लगभग हर देश के परिवारों द्वारा मनाया जाता है, जिसमें हर देश और संस्कृति के लोग शामिल होते हैं। इससे मिलता-जुलता एक और महत्वपूर्ण दिवस अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (इंटरनेशनल डे ऑफ फैमिलीज) भी है, जो हर साल 15 मई को मनाया जाता है, इसे भी संयुक्त राष्ट्र ने ही घोषित किया था और यह भी परिवार के महत्व पर केंद्रित है। *

कविता
राजेंद्र श्रीवास्तव

एक वर्ष फिर बीत गया

बीते वर्षों जैसा ही कुछ, एक वर्ष फिर बीत गया।
कभी हृदय खिल उठा पुष्प-सा,
और कभी गुपचुप रोया।
कभी सफलता स्वयं आ गई,
कभी स्वर्ण-अवसर खोया।
आता-जाता रहा वक्त भी
अपने ही रथ पर चढ़कर,
कालचक्र की उथल-पुथल में यह जीवनघट रीत गया।
हर्ष, शोक, संघर्ष, समन्वय,
सुख-दुख, धूप-छांव जैसे।
कुछ दिन बीते खुशहाली में,
बीते कुछ जैसे-तैसे।
दांव-पेंच षडयंत्रों का भी
खेल सीखने विवश हुआ,
जीता कभी किसी से मैं या, कोई मुझसे जीत गया।
जब-जब स्वर गीतों-गजलों के
मेरे होंठों पर आए।
लय तब कहीं अधूरी पाई
वाद्ययंत्र बिगड़े पाए।
हारा नहीं आत्मबल लेकिन
कोई जतन सफल होगा,
बिगड़े साजों से रच दूंगा, मैं कोई संगीत नया।

व्यंग्य / अंशुमाली रस्तोगी

ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं।

ठंड और चोर

इन दिनों ठंड आतंक मचाए हुए है। रजाई से बाहर निकलने का मन नहीं करता। न नहाने का दिल करता है। जी करता है, पूरे टाइम रजाई में सिकुड़े पड़े रहो। लेकिन मैं दाद देता हूं उन चोरों को, जो भीषण ठंड में भी चोरी कर रहे हैं। ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं। पापी पेट क्या-क्या नहीं करवा लेता। आज के जमाने में चोरी करना पाप कैसे कहा जा सकता है!

बदलते समय के साथ चोरी के तरीके भी काफी बदल गए हैं। कुछ चोरियां अब ऐसी भी हैं, जिनके लिए घर से बाहर निकलना ही नहीं पड़ता। वे घर बैठे-बैठे ही हो जाती हैं। ऑनलाइन ठगी (चोरी) में कहीं जाने की जरूरत नहीं। कहीं से भी बैठकर किसी के भी बैंक खाते से रुपए उड़ाए जा सकते हैं। ये चोर बेहद शातिर होते हैं। बातें बनाकर फंसाने में माहिर होते हैं। इधर सावधानी घटी, उधर काम तमाम हुआ। लेकिन ऑनलाइन चोर पारंपरिक चोरों की तरह मेहनती नहीं होते। माना कि ऑनलाइन चोरी में मुनाफा अधिक है किंतु जमीनी अनुभव न के बराबर है। ऐसी चोरी भला किस काम की, जिसमें हाथ-पैर न हिलाने पड़ें।

अब तो पारंपरिक चोरों ने भी ऑनलाइन चोरी का रास्ता पकड़ लिया है। वे भी अधिक मेहनत करने से कतराने लगे हैं। चोरी की लाइन में नई पीढ़ी जो आ रही है, उसका झुकाव ऑनलाइन ठगी की तरफ ज्यादा है। चोरी के नए-नए तरीके उसने ईजाद कर लिए हैं। फोन पर लोगों को उल्लू बनाकर खाते से पलभर में रुपया सफा-चट कर रहे हैं।

लेकिन मुझे तो जमीन से जुड़े पारंपरिक चोर ही अधिक पसंद हैं। वे चोरी करते हैं तो लगता है कि वास्तविक चोरी हुई है। चोरी की रपट लिखी जाती है। पुलिस मौका-ए-वारदात पर पहुंचती है। चोरी गई चीजों का हिसाब-किताब लगाया जाता है। ध्यान रहे, चोरी में गहने जरूर चुराते हैं। नकदी पर भी हाथ साफ किया जाता है। घर वालों, आस-पड़ोस, नौकर-चाकर से पूछताछ होती है। खबर अखबारों में छपती है। चार जन चाय और पान के खोके पर चर्चा करते हैं। मोहल्ले में दहशत का सा माहौल बनता है। चोरी होने वाले घर का दूर-दूर तक नाम होता है। कुछ भी कहिए, सीन पारंपरिक चोरी में ही बनता है।

विकट ठंड में चोरी कंपकंपी छुड़ा देती है। मगर पापी पेट की खातिर उन्हें यह करना पड़ता है। आखिर उनका भी परिवार है। उन्हें भी अपने शौक पूरे करने हैं। बीवी की पसंद और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का भी ध्यान रखना है। चोरों का भी दिल होता है। मैंने कहानियों में कई ऐसे चोरों के बारे में सुन रखा है, जो चोरी की कमाई गरीबों में बांट दिया करते थे। कभी निम्न वर्ग को परेशान नहीं करते थे। उनके टारगेट पर हमेशा धन्नासेठ ही रहा करते थे। कितने दयावान चोर थे वे। मेरा मानना है कि चोरी करना, कविता या व्यंग्य लिखने से कहीं कठिन काम है। जितनी अक्ल चोरी करने में लगानी पड़ती है न, उतनी गणित के सवाल हल करने में नहीं। लेकिन लोग हैं कि चोरों को हमेशा बद-दुआएं देते हैं। कभी उनका आदर-सम्मान नहीं करते। चोर हैं तो क्या, इंसान तो वे भी हैं। इतना तय है कि धरती से जैसे भ्रष्टाचार कभी नहीं मिट सकता, वैसे ही चोरी भी कभी खत्म नहीं हो सकती। चोरों में भी नई-नई नस्लें आती रहेंगी। नए-नए तरीके चोरी के ईजाद किए जाते रहेंगे परंतु चोरियां खत्म कभी न होंगी। ठंड के मौसम में चोरी करना निश्चित ही कर्रा काम है। मेरे विचार में ऐसे वीर चोरों को कोई न कोई पुरस्कार भी जरूर मिलना चाहिए! नहीं क्या...! *

विज्ञापन...
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

आईएलटी20 : शारजाह वॉरियर्स प्लेऑफ दौड़ से बाहर

एजेंसी ▶▶| शारजाह

5 विकेट से जीता डेजर्ट वाइपर्स

तेज गेंदबाज नसीम शाह की शानदार गेंदबाजी और मैक्स होल्डन के नाबाद अर्धशतक की मदद से डेजर्ट वाइपर्स ने शारजाह वॉरियर्स पर पांच विकेट से जीत हासिल कर उसे आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। इस मैच के परिणाम से यह सुनिश्चित हो गया कि अबू धाबी नाइट राइडर्स या गल्फ जायंट्स में से कोई एक टीम प्लेऑफ में जगह बनाएगी।

डेजर्ट वाइपर्स, एमआई एमिरेट्स और दुबई कैपिटल्स की टीम पहले ही प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं। नसीम शाह ने 35 रन देखकर तीन विकेट लिए और वॉरियर्स को सात विकेट पर 140 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। वॉरियर्स की तरफ से जॉनसन चार्ल्स ने सर्वाधिक 43 रन बनाए। मैक्स होल्डन की 46 गेंद पर नाबाद 66 रन की पारी की मदद से वाइपर्स ने 19.3 ओवर में पांच विकेट पर 144 रन बनाकर जीत हासिल की।

एसए20 : डरबन सुपर ने एमआई केपटाउन को हराया

एजेंसी ▶▶| केपटाउन

रिकेलटन की तूफानी सेंचुरी

रयान रिकेलटन के शतक के बावजूद एमआई केपटाउन को एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के चौथे सत्र के पहले मैच में डरबन सुपर जायंट्स से 15 रन से हार का सामना करना पड़ा।

इस मैच में खूब रन वर्षा देखने को मिली तथा कुल मिलाकर 449 रन बने, जिसमें 25 छक्के और 40 चौके शामिल हैं। रिकेलटन के 65 गेंदों पर पांच चौकों और 11 छक्कों की मदद से 113 रन बनाए लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम 233 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट पर 217 रन ही बना सकी। एमआई केपटाउन की तरफ से रिकेलटन के अलावा जैसन स्मिथ ने 41 रन का योगदान दिया।

सुपर जायंट्स ने इससे पहले पांच विकेट पर 232 रन का रिकॉर्ड स्कोर बनाया था। उसकी तरफ से न्यूजीलैंड की सलामी जोड़ी डेवोन कॉनवे (33 गेंदों में 64 रन, सात चौके, दो छक्के) और केन विलियमसन (25 गेंद पर 40 रन) ने पावरप्ले में दबदबा बनाते हुए सिर्फ 8.3 ओवर में 96 रन जोड़े। इसके बाद जोस बटलर (12 गेंदों में 20 रन) और हेनरिक क्लासेन (14 गेंदों में 22 रन) ने लय को बरकरार रखा। उनके अलावा एडेन मार्क्रम ने 17 गेंदों में 35 और इवान जोन्स ने 14 गेंदों में नाबाद 33 रन बनाए।

खबर संक्षेप

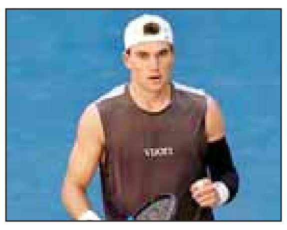

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेलेंगे ड्रेपर

लंदन। चोटिल होने के कारण विंबलडन के बाद से केवल एक टेनिस मैच खेलने वाले जैक ड्रेपर अगले महीने होने वाले साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भी वापसी नहीं कर पाएंगे। विश्व रैंकिंग में दसवें स्थान पर काबिज ड्रेपर बायीं बांह की हड्डी में चोट लगने के कारण 2025 के सत्र में अधिकतर टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए थे। ब्रिटेन के इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने एक्स पर लिखा, 'दुर्भाग्य से मैंने और मेरी टीम ने इस साल ऑस्ट्रेलिया न जाने का फैसला किया है। यह बहुत मुश्किल फैसला था क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई ओपन हमारे खेल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में से एक है।' उन्होंने कहा, 'मैं चोट से उबरने के अंतिम चरण में हूं लेकिन मुझे इतनी जल्दी पांच सेटों के टेनिस मैच में खेलने के लिए कोर्ट पर वापसी करना इस समय समझदारी भरा फैसला नहीं लगता।'

बांग्लोदश प्रीमियर लीग में हादसा, मैदान में कोच की मौत

ढाका। ढाका कैपिटल्स के असिस्टेंट कोच महबूब अली जकी का निधन हो गया है। बांग्लादेश प्रीमियर लीग में शनिवार को सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में राजशाही वॉरियर्स के खिलाफ ढाका के ओपनिंग मैच से कुछ देर पहले मैदान पर दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। यह घटना मैच शुरू होने से ठीक पहले हुई, जब टीम की तैयारियों के दौरान जकी अचानक बीमार पड़ गए और वह जमीन पर गिर गए। वेन्यू पर मौजूद मेडिकल स्टाफ ने तुरंत उनका इलाज किया। मैदान पर ही सीपीआर दिया गया,जिसके बाद उन्हें एम्बुलेंस से पास के अस्पताल ले जाया गया। जहां अधिकारियों ने कुछ ही देर बाद ढाका कैपिटल्स के तेज गेंदबाजी कोच को मृत घोषित कर दिया। वह 59 साल के थे।

आज से एचआईएल, खिताब पर होगी टीमों की नजर

HOCKEY INDIA LEAGUE

रांची। रांची रॉयल्स घरेलू दर्शकों के समर्थन का लाभ उठाकर रविवार से शुरू हो रही चार टीमों की महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में दबदबा कायम करने की कोशिश करेगी जबकि जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब की नजरें खिताब अपने नाम करने पर लगी होंगी। मेजबान टीम पिछले सत्र की कुछ उथल-पुथल के बाद टूर्नामेंट में खेल रही है क्योंकि शुरूआती सत्र की विजेता ओडिशा वॉरियर्स (महिला टीम) ने पहले सत्र के बाद हटने का फैसला किया और उसके बाद उनकी जगह रांची रॉयल्स फ्रेंचाइजी ने ली।

एशेज : इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप करने की उम्मीद पर फेरा पानी

बॉक्सिंग डे टेस्ट : इंग्लैंड की 15 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में पहली जीत, 2 दिन के अंदर कंगारुओं को चटाई धूल

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

इंग्लैंड ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेले गए चौथे एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच में 4 विकेट से जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलिया में पिछले 18 मैच में जीत हासिल नहीं कर पाने का सिलसिला रोक दिया। इंग्लैंड श्रृंखला के पहले तीन टेस्ट मैच हार गया था, जिससे आस्ट्रेलिया ने केवल 11 दिन में एशेज अपने पास बरकरार रखी थी।

इंग्लैंड ने हालांकि चौथे टेस्ट मैच को दो दिन के अंदर जीतकर ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप करने की उम्मीद पर पानी फेर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में पहला मैच दो दिन से जीता था। यह 129 वर्षों में पहला अवसर है जबकि किसी एक श्रृंखला के दो मैच दो दिन में समाप्त हो गए। इंग्लैंड की टीम ने ऑस्ट्रेलिया में इससे पहले आखिरी बार 2010-11 की श्रृंखला में मैच जीता था। उसने तब यह श्रृंखला 3-1 से अपने नाम की थी। इसके बाद इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए लगभग 15 वर्षों में 18 टेस्ट मैचों में से 16 मैच हारे थे जबकि बाकी दो मैच ड्रॉ रहे।

एमसीजी पिच पर दो दिन में गिरे 36 विकेट

एमसीजी की पिच पर तेज गेंदबाजों की तूती बोली। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पहले दिन 20 और दूसरे दिन 16 विकेट गिरे। इंग्लैंड ने मैच के छठे सत्र में ही जीत हासिल की। इंग्लैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए आक्रामक शुरुआत की। पहले 10 ओवर में ही उसने बेन डकेट (34) और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजे गए ब्रायडन कार्स (06) के विकेट गंवाकर दो विकेट पर 70 रन बना लिए थे। स्कॉट बोलैंड ने जाक क्रॉली (37) और जैकब बेथेल (40) को आउट किया। इन दोनों ने हालांकि अहम योगदान दिया। क्रॉली ने डकेट के साथ पहले विकेट के लिए 51 और बेथेल के साथ तीसरे विकेट के लिए 47 रन की महत्वपूर्ण साझेदारियां की। जो रूट (15) और स्टोक्स (02) सस्ते में आउट हो गए, जिसके बाद जेमी स्मिथ (नाबाद 03) और हैरी ब्रूक (नाबाद 18) ने इंग्लैंड को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस तरह से इंग्लैंड ने चार जनवरी से सिडनी में शुरू होने वाले पांचवें और आखिरी टेस्ट से पहले मनोबल बढ़ाने वाली जीत हासिल की।

इंग्लैंड ने 'बार्मी आर्मी' प्रशंसकों को उन्मादपूर्ण जश्न में डुबोया

पहली पारी में 152 रन बनाने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम अपनी दूसरी पारी में 132 रन पर आउट हो गई। इस तरह से उसने इंग्लैंड के सामने 175 रन का लक्ष्य रखा। पहली पारी में 110 रन पर आउट होने वाले इंग्लैंड ने छह विकेट पर 178 रन बनाकर अपने हजारों धैर्यवान लेकिन वफादार 'बार्मी आर्मी' प्रशंसकों को उन्मादपूर्ण जश्न में डुबो दिया। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, 'अब तक यह दौरा काफी कठिन रहा है। हमने जिस तरह से प्रदर्शन किया वह शानदार था। हमने साहसिक खेल दिखाया और अपने काम को अंजाम तक पहुंचाया। जब मैं आउट हुआ तब हम लक्ष्य से 10 रन पीछे थे। मैं जानता था कि हम लक्ष्य तक पहुंच जाएंगे। जीत के साथ अंत करना सुखद अहसास है।'

ऑस्ट्रेलिया के 3 बल्लेबाज पहुंच सके दोहरे अंक तक

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिचेल स्टार्क, झाय रिचर्डसन और बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने सुबह अपनी दूसरी पारी बिना किसी नुकसान के चार रन से आगे बढ़ाई लेकिन उसके केवल तीन बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंचे। इनमें सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड (46), स्मिथ (नाबाद 24) और कैमरन ग्रीन (19) शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में सस्ते में आउट करने में कार्स ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 34 रन देकर चार विकेट लिए जबकि स्टोक्स ने 24 रन देकर तीन विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। ऑस्ट्रेलिया ने नाइटवॉचमैन बोलैंड (06) का विकेट जल्दी खो दिया। इसके बाद जैक वेदरल्ड (05) और मार्नस लाबुशेन (08) भी आयाराम गयाराम ही साबित हुए। हेड के आउट होने के बाद अगले दो ओवरों में उस्मान ख्वाजा (00) और एलेक्स कैरी (04) भी पवेलियन लौट गए, जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 82 रन से छह विकेट पर 86 रन हो गया। लंच के बाद स्टोक्स ने ग्रीन का महत्वपूर्ण विकेट लिया, जिन्होंने दूसरी स्लिप पर कैच दिया। इसके बाद कार्स ने निचले क्रम के बल्लेबाजों को समेटने में देर नहीं लगाई।

रूट ने लारा को छोड़ा पीछे

जो रूट ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 22 हजार रन 501वीं पारी में पूरे किए और सबसे तेज 22 हजार रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए, जहां पहले ब्रायन लारा थे। लारा अब चौथे नंबर पर आ गए, जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 22 हजार रन 511 पारियों में पूरे किए थे। इस लिस्ट में पहले नंबर पर विराट कोहली हैं, जिन्होंने इस आंकड़े को 462 पारियों में छूआ था जबकि दूसरे नंबर पर सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने ऐसा 493वें पारी में किया था।

मेलबर्न में फेंकी गई कुल 852 गेंदें

मेलबर्न में खेला गया एशेज टेस्ट दो दिन में खत्म हुआ। इतिहास में सातवीं बार एशेज का कोई मैच दो दिन के अंदर खत्म हुआ। मेलबर्न में कुल 852 गेंदें फेंकी गई और गेंदों में हिसाब से यह चौथा सबसे छोटा एशेज टेस्ट बन गया है। मेलबर्न में चारों पारियों में कोई खलिाड़ी फिफ्टी तक नहीं लगा गया और एक भी फिफ्टी के बिना इस मैच में 500 से ज्यादा बने। ऐसा छठी बार हुआ है। यह एशेज में 150 से ज़्यादा के सफल चेज़ में सबसे ज़्यादा रन-रेट वाला दूसरा मैच बन गया है।

फिडे विश्व रैपिड चैंपियनशिप

कार्लसन के साथ संयुक्त बढ़त पर अर्जुन एरिगैसी और गुकेश

एजेंसी ▶▶| दोहा

क्लासिकल प्रारुप के मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश, अर्जुन एरिगैसी और विश्व के नंबर एक मैग्नस कार्लसन के साथ फिडे विश्व रैपिड चैंपियनशिप के पहले दिन के पहले पांच दौर के बाद संयुक्त बढ़त पर हैं। इस तिकड़ी ने मैक्सिम वाचियर लाग्रेव और व ला दि स् ला व आर्टेमिएव के साथ 4.5 अंकों के साथ पहले दिन शीर्ष स्थान साझा किया। कार्लसन शानदार फॉर्म में थे और उन्होंने चारों बाजी आसानी से जीती लेकिन पांचवें और अंतिम दौर में एरिगैसी ने उन्हें ड्रॉ पर रोक दिया और दोनों ने 4.5 अंकों के साथ दिन का समापन किया।

18 वर्षीय मुर्ज़िन का पहला दिन मुश्किल भरा

गुकेश ने पहले दौर में ड्रॉ से शुरुआत करते हुए शानदार वापसी की। इसके बाद उन्होंने चार जीत हासिल कर शीर्ष खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाई। विश्व रैपिड चैंपियनशिप के मौजूदा चैंपियन रूस के 18 वर्षीय वोलोडर मुर्ज़िन का पहला दिन काफी मुश्किल भरा रहा और वे सिर्फ दो अंक ही हासिल कर पाए। धीमी शुरुआत करने वाले खिलाड़ियों में आर प्रज्ञाननंदा भी शामिल थे। उन्होंने पहले दौर का मैच तो जीत लिया, लेकिन उसके बाद दो मैच ड्रॉ रहे। चौथे दौर में उन्हें काले मोहरों से खेलते हुए 150 से अधिक अंकों से कम रेटिंग वाले लेवान पैंटसुलाइया से हार का सामना करना पड़ा। महिला रैपिड चैंपियनशिप की मौजूदा चैंपियन कोनेरू हम्पी ने दो जीत और दो ड्रॉ के साथ तीन अंक हासिल किए।

17 साल की तिलोत्तमा ने 50 मीटर राइफल में जीता स्वर्ण

भोपाल। बेंगलुरु की युवा निशानेबाज तिलोत्तमा सेन ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। सत्रह साल की यह निशानेबाज देश के लिए पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी थी। तिलोत्तमा ने 466.9 के स्कोर से शीर्ष स्थान हासिल किया। केरल की विदार्सा के विनोद ने 462.9 अंक से रजत जबकि रेलवे की आयोनिका पॉल ने 451.8 अंक के स्कोर से कांस्य पदक प्राप्त किया। तिलोत्तमा ने क्वालिफिकेशन दौर में 591 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था जबकि विदार्सा 589 अंक से दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं तिलोत्तमा की कर्नाटक की साथी अनुष्का ठाकुर 588 अंक से तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंची। फाइनल में अनुष्का बहुत कम अंतर से पदक से चूक गईं, वह 441.2 के साथ चौथे स्थान पर रहीं। आयुषी पोद्दार पांचवें और आशी चौकसे छठे स्थान पर रहीं।

श्रीलंका पर अपना दबदबा कायम रखने के लिए उतरेगी भारतीय महिला टीम

एजेंसी ▶▶| तिरुवनंतपुरम

पहले तीन मैच जीतकर श्रंखला अपने नाम कर चुकी भारतीय महिला टीम रविवार 28 दिसंबर को श्रीलंका के खिलाफ चौथे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी अपना दबदबा कायम रखने की कोशिश करेगी।

- श्रीलंका के खिलाफ चौथा महिला टी20 आज शाम 7 बजे से

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने पांच मैचों की इस श्रृंखला में अभी तक अपना दबदबा कायम रखा है। श्रीलंका की टीम अभी तक उसे किसी भी तरह की चुनौती नहीं दे पाई है। भारत श्रृंखला में 3-0 से आगे है। भारत ने पहले तीन मैच में लक्ष्य का पीछा किया और उसके दबदबे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उसने किसी भी मैच में 14.4 ओवर से अधिक बल्लेबाजी नहीं की है, तीन से अधिक विकेट नहीं गंवाए हैं, और 129 रन से अधिक के लक्ष्य का सामना नहीं किया है।

टॉस ने निभाई भूमिका

इस शानदार सफलता का श्रेय मुख्य रूप से भारतीय गेंदबाजों को जाता है। अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा ने दो मैचों में चार विकेट लिए हैं जबकि रेणुका सिंह ने ग्रीनफील्ड स्टेडियम में एक ही मैच में चार विकेट हासिल किए। टॉस ने भी थोड़ी भूमिका निभाई होगी क्योंकि हरमनप्रीत ने तीनों मौकों पर टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। इससे उनके गेंदबाजों को कम ओस वाली परिस्थितियों में गेंदबाजी करने का मौका मिला। भारतीय गेंदबाजों ने इस मौके का भरपूर फायदा उठाया है और अब तक किसी भी श्रीलंकाई बल्लेबाज को 40 रन की संख्या को पार नहीं करने दिया है।

यादें 2025 : भारतीय खिलाड़ियों ने राष्ट्रमंडल में पदक जीतने में हासिल की कामयाबी

मीराबाई की प्रतिभा के इर्द-गिर्द घूमता रहा भारतीय भारोत्तोलन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय भारोत्तोलन एक बार फिर मीराबाई चानू की अटूट प्रतिभा के इर्द-गिर्द घूमता रहा, जिनका विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक डोपिंग संबंधी चिंताओं और सीनियर स्तर पर अन्य खिलाड़ियों की निराशाजनक प्रदर्शन के कारण वर्ष 2025 में इस खेल के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि थी।

एक साल से अधिक समय तक चोट के कारण खेल से दूर रहने के बाद वापसी करते हुए मीराबाई ने स्वदेश में आयोजित राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। इस के बाद उन्होंने 48 किलोग्राम वर्ग में विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता, जिससे खेल की भारत में ध्वजवाहक के रूप में उनकी स्थिति की पुष्टि हुई।

एशियाई चैंपियनशिप में निरुपमा देवी ने हासिल किया चौथा स्थान

चानू ने 199 किलोग्राम वजन उठाकर जीता रजत

मीराबाई ने नॉर्वे के फोर्डे में खेली गई प्रतियोगिता में 199 किलोग्राम के कुल भार उठाकर रजत पदक हासिल किया। उन्होंने स्नैच में 84 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 115 किलोग्राम वजन उठाया। चानू के अलावा इस सत्र में अन्य सीनियर भारोत्तोलकों ने कोई उल्लेखनीय प्रदर्शन नहीं किया। हालांकि भारतीय खिलाड़ियों ने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में कमजोर प्रतिस्पर्धा के बावजूद पदक जीतने में कामयाबी हासिल की, लेकिन उनका प्रदर्शन विश्व स्तरीय मानकों के करीब भी नहीं पहुंच पाया। एशियाई चैंपियनशिप में भी निरुपमा देवी ने महिलाओं के 64 किलोग्राम वर्ग में चौथा स्थान हासिल किया, जबकि दिलबाग सिंह पुरुषों के 96 किलोग्राम वर्ग की प्रतियोगिता में नौवें स्थान पर रहे।

पारा 5 डिग्री के नीचे आने के आसार

साल के अंतिम दिनों में ठंड दिखाएगी असर

हरिभूमि जबलपुर।

साल के अंतिम दिनों में ठंड ने अपना पूरा असर दिखाना शुरू कर दिया है। न्यूनतम तापमान एक बार फिर दहाई के नीचे चला गया, जिससे अलसुबह से ही कड़ाके की ठंड और ठिठुरन महसूस की जा रही है। हालात ऐसे रहे कि दोपहर 11 बजे तक भी लोग कपकपी महसूस करते नजर आ रहे हैं।

हालांकि आसमान पूरी तरह साफ रहा और सूरज की हल्की किरणें दिन चढ़ने के साथ कुछ राहत जरूर देती हैं, लेकिन ठंडी हवाओं के चलते ठिठुरन बनी रहती है। मौसम विभाग के अनुसार दिसंबर के आखिरी दिनों में ठंड का यह असर आगे भी जारी रहेगा और आने वाले दिनों में पारे में ज्यादा सुधार की संभावना नहीं है। दिसंबर महीने में शनिवार को यह तीसरा मौका था जब न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंचा है। इससे पहले भी तापमान 7.4 और 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा चुका है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अब ठंड का मिजाज और सख्त होगा। रात के साथ-साथ दिन में भी ठंड का असर साफ तौर पर महसूस किया जाएगा।

5 डिग्री के नीचे आ सकता है पारा

मौसम प्रवक्ता देवेन्द्र तिवारी के अनुसार जनवरी महीने में ठंड और तेज होने की संभावना है। नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा, जिसके चलते न्यूनतम तापमान 5 से 6 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। उन्होंने बताया कि फिलहाल ठंड से राहत मिलने के कोई आसार नहीं हैं और लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

रेल यातायात प्रभावित

ठंड का असर रेलवे यातायात पर भी पड़ा है। रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित रही। कई प्रमुख एक्सप्रेस और स्पेशल ट्रेनें अपने निर्धारित समय से घंटों देरी से स्टेशन पहुंचीं। ठंड के बीच प्लेटफार्म पर यात्रियों की भारी भीड़ नजर आई और लंबा इंतजार यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बना रहा।

जनजीवन पर असर

कड़ाके की ठंड का असर जनजीवन पर भी साफ दिखाई देने लगा है। सूरज ढलते ही ठंड तेजी से बढ़ जाती है और रात के समय सड़कों पर आवाजाही कम हो जाती है। सड़क किनारे और खुले स्थानों पर जीवन यापन करने वाले लोगों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सुबह-सुबह स्कूल जाने वाले बच्चों को भी ठंड में ठिठुरते हुए घर से निकलना पड़ रहा है।

सावधानी बरतने की सलाह

मौसम विभाग ने बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। सुबह-शाम ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनने और अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने की अपील की गई है। मौसम के तेवर देखते हुए आने वाले दिन और रात शहरवासियों के लिए और ज्यादा ठंडे साबित हो सकते हैं।

कोतवाली पुलिस संदिग्ध महिला की तलाश में जुटी

पलक झपकते दुकान से सोने का लॉकेट गायब

जबलपुर। अपराध करने में अब महिलाएं भी पीछे नहीं है। सराफा बाजार में इसके पहले हाथ की सफाई के मामले सामने आए हैं लेकिन गत दोपहर ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें एक महिला सोने का लॉकेट देखते-देखते भाग गई। मौके पर सुनार ने उसे पकड़ने की कोशिश की थी लेकिन वह अपने साथी के साथ स्कूटर में बैठकर रफूचक्कर हो गई। मामला पुलिस को सौंपा गया है। कोतवाली पुलिस के मुताबिक सराफा स्थित महागौरी ज्वलर्स में एक अनजान महिला आई और काउंटर पर बैठे कर्मचारी विक्की से सोने का लॉकेट दिखाने का कहने लगी। विक्की ने उसे लॉकेट दिखाया। काफी देर तक महिला डिजाइन पसंद नहीं आने का बहाना करके विक्की को उलझाए रही। अंततः महिला ने और डिजाइन दिखाने का बहाना किया। उधर, विक्की महिला को और लॉकेट दिखाने के लिए पीछे मुड़ा था और सोने के लॉकेट से भरा डिब्बा उठाने जा रहा था, उसी दौरान महिला ने साढ़े तीन ग्राम का एक लॉकेट हाथ में दबाया और दुकान से भागने लगी। इस

दौरान काउंटर पर बैठे कर्मचारी विक्की ने उसे पकड़ने के लिए आवाज लगाई थी।

दुकान मालिक के भांजे अजय सोनी ने बताया कि जब तक लोग उसे पकड़ते महिला अपने साथी के साथ स्कूटर पर बैठकर नौ दो ग्यारह हो गई। व्यापारियों ने एकत्र होकर इस मामले की शिकायत पुलिस से की है। पुलिस दुकान सहित अन्य जगहों पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि महिला की पतासाजी हो सके।

हाईकोर्ट का आदेश : सरकार उठाए डिलीवरी का खर्च

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को मिली बच्चे को जन्म देने की अनुमति

जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता की इच्छा का सम्मान करते हुए बच्चे को जन्म देने की अनुमति प्रदान कर दी। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने साफ किया कि पीड़िता की मर्जी के बिना गर्भ समाप्त करने का निर्देश जारी नहीं किया जा सकता। पीड़िता की डिलेवरी का खर्च राज्य शासन द्वारा उठाया जाएगा। डिलीवरी की प्रक्रिया हमीदिया हास्पिटल, भोपाल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम की मौजूदगी में किया जाएगा।

दरअसल, पीड़िता नाबालिग के गर्भपात के संबंध में संबंधित जिला न्यायालय ने हाई कोर्ट को एक पत्र भेजा था। जिसकी सुनवाई संज्ञान याचिका के रूप में करते हुए कोर्ट ने पीड़िता की

मेडिकल रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे। मेडिकल बोर्ड की ओर से पेश की गई रिपोर्ट में कहा गया कि पीड़ति की उम्र 16 साल सात माह है और गर्भावधि 29 सप्ताह एक दिन है। गर्भावधि प्रसव की सीमा के अंतर्गत आती है। पीड़िता को गर्भापात कराने व न करवाने के संबंध में समझाइश व जानकारी दी गई।

पीड़िता ने कहा-मैंने शादी की

पीड़िता ने अपने बयान में साफ किया कि गर्भपात नहीं कराना चाहती। उसने अपनी मर्जी से शादी की है। इसलिए बच्चे को जन्म देना चाहती है। माता-पिता साथ नहीं रखना चाहते। उनका कहना है कि अपनी मर्जी से शादी की है, इसलिए हमसे कोई संबंध नहीं रह गया। कोर्ट ने बयान को अभिलेख पर लेकर कहा कि पीड़िता की इच्छा के बिना गर्भपात की अनुमति नहीं दी जा सकती। चाइल्ड वेलफेयर कमेटी को निर्देश दिया जाता है कि वह पीड़ति को बालिग होने तक उसे अपने पास रखे। बच्चे की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए जाएं।

सिल का लोढ़ा पटककर पत्नी की हत्या करने वाले को उम्रकैद

जबलपुर। जिला अदालत ने मामूली विवाद में पत्नी के सिर पर सिल का लोढ़ा पटककर हत्या करने के आरोपी जबलपुर निवासी नंद किशोर विश्वकर्मा का दोष सिद्ध पाया। अपर सत्र न्यायाधीश महिमा कछवाहा की कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। पांच हजार रुपये जुर्माना भी लगाया। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक वर्षा वैध ने पक्ष रखा। उन्होंने कोर्ट को बताया कि ललिता जैन ने संजीवनी नगर थाने पहुंचकर अवगत कराया था कि वह घरेलू कार्य करती है। 11 जून, 2023 को किरायेदार नंद किशोर विश्वकर्मा अपनी पत्नी सुमन विश्वकर्मा व बच्चों के साथ रहने आया। 29 जून को सुबह आठ बजे बच्चों के रोने की आवाज आई। ऊपर जाकर देखा तो नंद किशोर कमरे से बाहर निकला। उसके हाथ में खून लगा था। अंदर देखा को सुमर फर्श पर पड़ी थी, उसके सिर से खून बह रहा था। वहां सिल के पत्थर का लोढ़ा पड़ा था। सुमन की मृत्यु हो चुकी थी। नंदकिशोर घर से भाग गया। लिहाजा, पुलिस ने नंदकिशोर के विरुद्ध हत्या का प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया। जांच में उजागर हुआ कि मामूली विवाद पर हत्या की गई थी। अदालत ने दोष सिद्ध पाकर सजा सुना दी।

महाकौशल एक्सप्रेस में पथराव, 1 युवक पकड़ा

जबलपुर। निजामुद्दीन के लिए जबलपुर से रवाना हुई महाकोशल एक्सप्रेस के जनरल कोच में हुए पथराव पर आरपीएफ, घमापुर और अधारताल थाने की पुलिस ने संयुक्त रूप से दबिश देकर एक आरोपी युवक को पकड़ा है। आरपीएफ के पास गुरूवार शाम इसकी सूचना मिली थी। आरपीएफ का दावा है कि इस क्षेत्र में कई बार पथराव के हालात बने हैं, जिससे इस जगह पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। आरपीएफ इंस्पेक्टर राजीव खार्ब ने बताया कि रेल मंत्रालय से 18-30 पर महाकोशल एक्सप्रेस पर पथराव किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही आरपीएफ टीम सहित घमापुर और अधारताल पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस छानबीन में मौके पर तीन लोग लाइन के किनारे शराब पीते मिले थे। इनसे पूछताछ की गई थी तो उनमें से एक युवक ने स्वीकार किया था कि उसने ट्रेन के जनरल कोच पर पत्थर चलाए थे। इंस्पेक्टर का कहना था कि इस क्षेत्र में कई वारदातें हो चुकी हैं। इससे बचने के लिए यहां सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इससे यहां सतत निगाह रखी जा सकेगी।

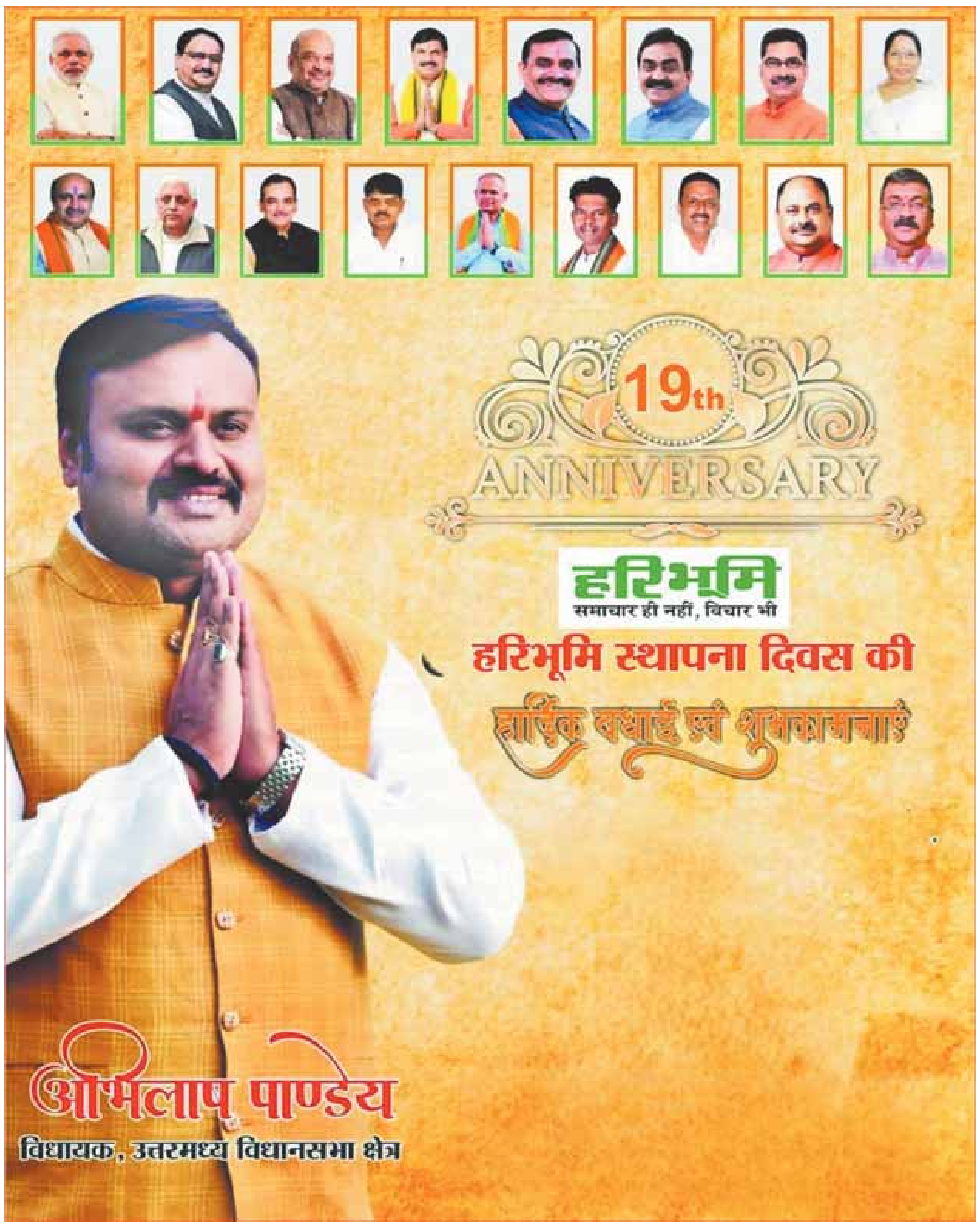

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240